जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 261 प्रभात हिण्डौन सिटी, शुक्रवार 25 जुलाई, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कल तक 52 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से कटने की बात थी

आज चुनाव आयोग ने यह आंकड़ा बढ़ाकर 68 लाख कर दिया है

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 24 जुलाई। इंडिया गठबंधन मोदी सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ आक्रोशित है, और ऐसे में बिहार का एस आई आर (स्पेशल इन्टैंसिव रिवीज़न) मुद्दा आने वाले दिनों में संसद में बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है।

इंडिया गठबंधन चाहता है कि कांग्रेस केन्द्र सरकार पर दबाव डाले कि वह इस सत्र के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा कराए।

लेकिन सूत्रों का कहना है कि ग़ैर-सरकारी माध्यमों एवं चैनलों के ज़रिए सरकार ने यह संकेत दे दिया है कि वह इस पर चर्चा नहीं कर सकती, क्योंकि सरकार इस मामले में शामिल ही नहीं है। पूरा मामला चुनाव आयोग से जुड़ा है, जो एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, और सरकार इसके लिए न तो ज़िम्मेदार है और न ही जवाबदेह।

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बिहार चुनावों का बहिष्कार करने का सुझाव दिया है, लेकिन इस पर अंतिम फ़ैसला इंडिया गठबंधन को सामूहिक रूप से लेना होगा और इसमें अभी समय लग सकता है, क्योंकि इस पर गंभीर चर्चा होना बाकी है।

- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में विजयी एनडीए व महागठबंधन में कुल सोलह लाख वोटों का अंतर था।
- विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता का कहना है, अगर विपक्ष ने यह मुद्दा पुरजोर ढंग से अभी नहीं उठाया तो चुनाव आयोग मतदाता सूची से नाम काटने का परीक्षण आसाम, पश्चिमी बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में दोहरायेगा।
- अतः कांग्रेस के सहयोगी दलों के नेताओं ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव आदि के दिलों को काफी उद्वेलित कर रहा है।
- सरकार की सोच है कि अगर विपक्ष को कुछ शिकायत व आशंका है तो विपक्ष को सुप्रीम कोर्ट/चुनाव आयोग के समक्ष जाना चाहिए। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है, किसी भी तरह से सरकार के अधीन काम नहीं करता। अतः सरकार किसी भी तरह चुनाव आयोग के कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर सकती।

जो बात विपक्ष के लिए चिंता का विषय बन गई है, वह यह है कि कल चुनाव आयोग ने इससे प्रभावित मतदाताओं की संख्या 52 लाख बताई थी, लेकिन यह आज बढ़कर 68 लाख हो गई है। इस आंकड़े में वे लोग शामिल हैं, जो स्थानांतरित हो चुके हैं, जो मर चुके हैं, जिनके नाम दो जगह हैं, आदि-आदि।

पिछले चुनाव में एनडीए और महागठबंधन को मिले वोटों में मात्र 16 लाख का अंतर था, ऐसे में 68 लाख वोटरों को हटाए जाने की बात विपक्ष के लिए वास्तव में बेहद गंभीर और खतरनाक है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर हम इस मुद्दे पर जोर नहीं देते हैं, तो मोदी और शाह की हिम्मत बढ़ेगी और वे अन्य राज्यों, जैसे असम, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश, में यही रणनीति अपनाएंगे।

यही कारण है कि कांग्रेस के कई सहयोगी, जैसे ममता बनर्जी, अखिलेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीसलपुर बाँध का एक गेट खुला

टोंक, 24 जुलाई। राजस्थान में स्थित बीसलपुर डैम के कैचमेंट एरिया में भारी वर्षा के कारण पर्याप्त पानी भर गया है और अब यह डैम नीचे की ओर पानी छोड़ रहा है। पिछले 21 वर्षों में पहली बार जुलाई के महीने में डैम के गेट खोले गए हैं, क्योंकि जल स्तर बहुत अधिक हो गया है। पानी का स्तर 315.50 आर.एल. मीटर तक पहुँच गया, जिसके बाद जल निकासी के लिए गेट नंबर 10 को एक मीटर खोलकर 6000 क्यूसैक पानी की निकासी की गई

- आमजन से नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई है।

है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि बीसलपुर बांध पेयजल के लिए जयपुर, अजमेर एवं टोंक जिले के लोगों के लिए लाइफ लाइन है। बीसलपुर सहित, जिले के अन्य लघु, वृहद् एवं मध्यम बांधों में भी पानी की अच्छी आवक होने से लोगों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिल सकेगा तथा क्षेत्र में अच्छी फसल का उत्पादन होगा। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने आमजन से अपील की है कि नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाएं।

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स से 2030 तक व्यापार दोगुना होगा

इस एग्रीमैंट के तहत भारत का ब्रिटेन को निर्यात किया जाने वाला 99 प्रतिशत सामान ''ड्यूटी फ्री'' प्रवेश करेगा, जिससे टैक्सटाइल, जैम्स व ज्वैलरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स आदि सैक्टर को भारी बढ़ावा मिलेगा

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने भारत के उदारीकरण के बाद के इतिहास में सबसे परिवर्तनकारी व्यापार समझौतों में से एक पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत-ब्रिटेन फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफटीए), जो वर्षों से प्रक्रिया में था, में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने, शुल्क बाधाओं को समाप्त करने और नई दिल्ली और लंदन के बीच आर्थिक संबंधों को पुनर्परिभाषित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है।

इसका आर्थिक प्रभाव चौंकाने वाला है। वर्तमान में लगभग 60 अरब डॉलर के आसपास रहने वाला द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँच सकता है। ब्रिटेन को इससे हर साल 25.5 अरब पाउण्ड का लाभ होने का अनुमान है, जबकि भारतीय निर्माता और सेवा प्रदाता प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

दोनों देशों के अधिकारियों द्वारा इसे ऐतिहासिक बताया जा रहा है। यह समझौता केवल एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि यह दो सबसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत में भी ब्रिटेन से आयातित जाने-माने सामान, स्कॉच व्हिस्की, जिन पर 150 प्रतिशत रेट से ड्यूटी लग रही थी, अब घटाकर 75 प्रतिशत कर देगा तथा अगले दशक तक यह ''इम्पोर्ट ड्यूटी'' 40 प्रतिशत हो जायेगी।
- इस प्रकार भारत द्वारा ब्रिटेन से आयातित लग्ज़री कारें, जैसे जैगुआर व लैण्डरोवर, पर इम्पोर्ट ड्यूटी 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दी जायेगी।
- भारत के सर्विस सैक्टर को भी फ्री प्रवेश मिलेगा ब्रिटेन में। आईटी कंपनियों, फायनैंशियल सर्विसेज़, एजुकेशन, कंसल्टैंसी फर्म आदि को भी ब्रिटेन में काम करने की आज़ादी मिलेगी। अब तक भारतीय प्रोफेशनल्स के समक्ष ब्रिटेन के सोशल सिक्युरिटी पैमेंट की भारी समस्या थी। ब्रिटेन ने इन प्रोफेशनल्स को छूट देने की घोषणा भी की है, कि पहले तीन साल उन्हें सोशल सिक्युरिटी के लिये कुछ योगदान करने का बंधन नहीं रहेगा।

'क्या मृत मतदाताओं को भी वोटर लिस्ट में बने रहने दिया जाए?'

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में मतदाता पुनरीक्षण का विरोध कर रहे विपक्ष से जवाबी सवाल किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। सर्वोच्च न्यायालय में 28 जुलाई को मामला पहुंचने से पहले ही, मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) ज्ञानेश कुमार ने आज अपने पक्ष में मजबूती से दलील दी और बिहार में होने वाले चुनाव से पहले मतदाता सूची की स्पैशल इन्टैंसिव रिविज़न (एस.आई.आर.) के कदम का जोरदार बचाव किया।

परेशान दिख रहे ज्ञानेश कुमार ने पूछा, "क्या चुनाव आयोग मृत लोगों को मतदाता सूची में रहने दे?" विदित है कि ज्ञानेश कुमार अपने कार्यकाल में अब तक विपक्ष के लगातार आरोपों और चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोपों से जूझते रहे हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में चुनाव से पहले मतदाता सूची की विशेष गहन समीक्षा करने के आयोग के कदम के पक्ष में तर्क दिए।

- इस केस पर 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ने मतदाता पुनरीक्षण का तगड़ा बचाव किया।
- विपक्ष के सवालों से घिरे मुख्य चुनाव आयुक्त ने विपक्षी दलों पर कई सवाल दागे, कि क्या दोहरी वोटर आईडी वालों को वोटर लिस्ट में रखा जाना चाहिए, क्या विदेशी प्रवासियों को वोटर लिस्ट में रहने देना चाहिए?
- चुनाव आयोग द्वारा जारी डेटा के अनुसार, बिहार की वोटर लिस्ट से 56 लाख नाम हटाए जाएंगे, इनमें से 20 लाख मृत हैं, 28 लाख मतदाता अन्य राज्यों में हैं, 7 लाख का नाम एक से ज्यादा स्थानों पर रजिस्टर्ड हैं और एक लाख से मतदाताओं से सम्पर्क नहीं हो पाया है।

मुख्य चुनाव आयोग ने सवाल किया,

"जिन लोगों के पास डुप्लिकेट ई.पी.आई.सी. (इलैक्टर्स फोटो आइडैन्टिटी कार्ड) हैं, क्या उन्हें रहने देना चाहिए? क्या विदेशी नागरिकों को मतदाता सूची में होना चाहिए? फिर विरोध किस बात का है?"- उन्होंने जोर देकर कहा कि एक शुद्ध और पवित्र मतदाता सूची ही एक सफल लोकतंत्र की नींव होती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग का देह शोषण करने वाले अभियुक्तों को 20 साल की सजा

जयपुर, 24 जुलाई। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग को डरा धमकाकर उसका कई बार देह शोषण करने वाले अभियुक्त शैतान और रविन्द्र को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल चार लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी केसी अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता

- शोषण से पीड़ित युवती ने कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की थी।

के साथ कई बार दुष्कर्म कर नैतिक रूप से अकल्पनीय अपराध किया है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि 31 मार्च, 2022 को पीड़िता के पिता ने जोबनेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि उसकी बेटी ने उसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा से नाराज़ हिंदू वोटों पर नज़र है अखिलेश की

इस वोट बैंक को रिझाने के लिए अखिलेश सॉफ्ट हिंदुत्व का सहारा ले रहे हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जुलाई। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने पैतृक गांव सैफई में एक शिव मंदिर का निर्माण करवा रहे हैं।

ऐसी चर्चाएं थीं कि सावन के पहले सोमवार को वे काशी विश्वनाथ मंदिर में यादव समुदाय के पारंपरिक जलाभिषेक कार्यक्रम में भाग लेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बजाय, उन्होंने सैफई में बन रहे मंदिर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

यह निश्चित रूप से एक चुनावी रणनीति है। 2027 के चुनावों को मद्देनजर रखते हुए, अखिलेश यादव का सॉफ्ट हिंदुत्व की ओर झुकाव भगवा खेमे और धर्मनिरपेक्ष खेमे, दोनों में चिंता और चर्चाओं का विषय बन गया है।

प्रश्न यह है कि क्या अखिलेश यादव के मंदिर दौरे, धार्मिक व्यवहार का सार्वजनिक प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग उन हिंदू मतदाताओं को आकर्षित कर पाएगा, जिनका भाजपा से मोह भंग हो गया है, तथा इसके साथ ही समाजवादी पार्टी के पारंपरिक मुस्लिम-यादव वोटबैंक उनके साथ बना रहेगा।

2024 के लोकसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासी) फॉर्मूले की सफलता ने अखिलेश यादव को यह विश्वास दिला दिया है कि वे अपनी राजनैतिक पहुंच को अपनी पारम्परिक सीमा से आगे ले जा सकते हैं।

'सॉफ्ट हिन्दुत्व' में उनके प्रवेश की कोशिश हाल ही में साफ तौर पर दिखाई दी है तथा सावन के पवित्र महीने में उनकी इन कोशिशों ने और गति पकड़ ली है। वे सावन के हर सोमवार (जो भगवान शिव की पूजा के लिए शुभ माना जाता है), को शिव मंदिर से संबंधित वीडियो साझा कर रहे हैं।

ये वीडियो किसी अन्य मंदिर के नहीं, बल्कि उसी मंदिर के हैं, जिसे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा इटावा जिले के लुहन्ना गांव में, उनके पैतृक स्थान सैफई के पास, बनवाया जा रहा है।

जहाँ काशी विश्वनाथ मंदिर में यादव समुदाय के जलाभिषेक कार्यक्रम में उनकी गैरहाज़िरी के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं है, वहीं यह समझा जा रहा है कि वे भाजपा की हिंदुत्व शैली में ढलने की बजाय, अपनी एक अलग सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान बनाना चाहते हैं।

यह विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि काशी कॉरिडोर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है और मंदिर के पुनरुद्धार को मोदी की धार्मिक विरासत

- सावन मास में हर सोमवार वे सैफई गाँव में स्वयं द्वारा बनवाए जा रहे शिव मंदिर का वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, इस मंदिर का नाम उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के नाम पर केदारेश्वर धाम रखा गया है।
- मंदिर के नाम को लेकर भारी विवाद छिड़ गया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने इसे सनातन धर्म के खिलाफ अखिलेश की साजिश बताया।
- अखिलेश के सॉफ्ट हिंदुत्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो स्वयं को हिंदुत्व का सबसे ताकतवर ''आईकन'' मानते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भागवत ने 40 मौलानाओं के साथ मीटिंग की

नई दिल्ली, 24 जुलाई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की गुरुवार को हरियाणा भवन में 40 मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठक हुई। बैठक ढ ाई घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक में ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के प्रमुख उमर अहमद इलियासी सहित कई मुस्लिम

- बैठक में जाने माने मुस्लिम धर्मगुरू शामिल हुए, उन्होंने कहा कि गत 100 साल में पहली बार इस तरह की मीटिंग हुई है।

धर्मगुरु शामिल हुए। यह बैठक संघ की दूसरे समुदायों के साथ मेल-मिलाप की कोशिशों की एक कड़ी थी।

आरएसएस प्रमुख के साथ हुई बैठक के बाद लखनऊ से आए टीले वाली मस्जिद के शाही इमाम मौलाना सैय्यद फ़ज़लुल्ल मन्नान रहमानी ने कहा कि बीते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्री ट्रेड एग्रीमैंट के मार्फत ब्रिटेन ने भारत की समृद्धि व बढ़ते मार्केट पर पैसा लगाया है

इन्हीं दो कारणों से ट्रंप भी भारत पर भारी टैरिफ लगाने से हिचकिचा रहे हैं

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 24 जुलाई। प्रथम विश्व युद्ध 1914 से कुछ साल पहले, प्रसिद्ध ब्रिटिश अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने बड़े गर्व से लिखा था कि वह लंदन में अपने बिस्तर से उठे बिना दुनिया भर की सबसे बेहतरीन चीजें मंगवा सकते हैं, जिनमें भारतीय चाय भी शामिल थी।

समय के साथ दुनिया ने उल्टा रास्ता पकड़ लिया और यह लगभग असंभव हो गया कि लोग दुनिया भर के अच्छे सामान आसानी से मंगवा सकें, क्योंकि देशों के बीच टैरिफ (शुल्क) और व्यापारिक प्रतिबंध बहुत बढ़ गए थे। वैश्वीकरण के बावजूद ये शुल्क देशों के बीच माल की आवाजाही को धीमा करते रहे और इससे उपभोक्ताओं की संतुष्टि भी कम हुई।

अब लगता है कि यह स्थिति बदलने लगी है।

भारत और ब्रिटेन ने एक ऐसा समझौता किया है जिसे आमतौर पर "फ्री ट्रेड एग्रीमैंट" (एफटीए) कहा जाता है। आदर्श रूप में एक एफटीए तो बहुत ही सरल एक पंक्ति में लिखा जा सकता है, हम दोनों देशों के बीच माल और सेवाओं की आवाजाही पर सभी शुल्क हटाते हैं।

थोड़े तकनीकी भाषा में कहा जाए तो भारत को 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जो उसके अधिकांश निर्यात को कवर करती है। वहीं ब्रिटेन को 90 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क समाप्ति या कमी मिलेगी, जो उसके 85 प्रतिशत निर्यात को कवर करती है।

इसका मतलब है कि शुरुआत में ब्रिटिश कारें और व्हिस्की, भारतीय ग्राहकों के लिए सस्ती होंगी, वहीं ब्रिटिश उपभोक्ताओं को भारतीय वस्तुएं, जैसे सी फूड, प्रोसेस्ड फूड और दवाएं, कम कीमतों पर मिलेंगी।

असल में, एक व्यापार समझौता इससे कहीं अधिक जटिल होता है। मुक्त व्यापार समझौते में माल और सेवाओं के नियामित प्रवेश की व्यवस्था होती है, जिसमें अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिए विस्तृत नियम और शर्तें होती हैं। व्यापार वार्ताकार अपने देश के हितों की रक्षा करते हुए अपने माल और सेवाओं को दूसरे देश में प्रवेश दिलाने के लिए कठिन मेहनत करते हैं।

दोनों पक्ष एक-दूसरे की व्यापार नीति को अच्छी तरह समझते हैं और केवल एक-दूसरे का सम्मान करते हुए ही एक प्रभावी और न्यायपूर्ण व्यापार समझौता किया जा सकता है। उम्मीद की जाती है कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता इस दिशा में अच्छी तरह से किया गया है, जैसा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर कई बार कह चुके हैं।

आम बात है, लेकिन अर्थशास्त्री हमेशा यह मानते आए हैं कि देशों के बीच व्यापार से सभी को फायदा होता है। व्यापार हमेशा एक देश की तुलनात्मक श्रेष्ठता के आधार पर होता है। यह माना जा सकता है कि कोई भी देश हर चीज में सबसे अच्छा नहीं हो सकता।

वह कुछ चीजों में अच्छा होता है और कुछ में नहीं। क्लासिकल अर्थशास्त्रियों ने अक्सर ब्रिटेन और पुर्तगाल के बीच व्यापार का उदाहरण दिया है। जहां ब्रिटेन ऊनी कपड़ों में बेहतर था, वहीं पुर्तगाल उत्तम किस्म की वाइन बनाता था। इसलिए उन्होंने ऊनी कपड़े और वाइन का आपस में व्यापार किया। यही मॉडल कई अन्य देशों पर भी लागू होता है।

कम से कम इन दोनों देशों, भारत और ब्रिटेन, में अब जाकर एक व्यापार समझौता हुआ है जिससे ज्यादातर माल और सेवाओं की आवाजाही मुक्त हो सकेगी। ज्ञातव्य है कि भारत पूर्व में ब्रिटेन का उपनिवेश रहा है। प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार, लगभग 99 प्रतिशत व्यापार मूल्य अब शुल्क-मुक्त या फिर केवल 10 प्रतिशत के मामूली शुल्क के साथ होगा।

कई मामलों में जहां पहले भारी शुल्क लगता था, अब उसे बहुत कम कर दिया जाएगा जिससे यह दोनों देशों के उपभोक्ताओं के लिए किफायती बन जाए।

यह समझौता दोनों देशों को तुरंत कुछ खास उत्पादों में अधिक पहुंच देगा। उदाहरण के लिए ब्रिटिश कारें, खासतौर पर जैगुआर और लैंड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ट्रंप को भी भय है कि अगर भारी टैरिफ लगाया भारत पर तो भारत का बढ़ता मार्केट कहीं और खिसक सकता है और अंततोगत्वा यह अमेरिका के हित में नहीं है।

आज निर्णय होगा उदयपुर फाइल्स रिलीज़ पर

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल तेली की हत्या पर बनी हिंदी फिल्म उदयपुर फाइल्स पर अंतरिम रोक जारी रहनी चाहिए या नहीं, उच्चतम न्यायालय इस मुद्दे पर शुक्रवार को संक्षिप्त सुनवाई के बाद आदेश पारित करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने गुरुवार को संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तार

- उदयपुर फाइल्स पर अभी सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा रखी है।

पूर्वक सुनने के बाद कहा कि कल इस मामले का निपटारा किया जायेगा।

फिल्म के निर्माताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया के फिल्म का प्रदर्शन शुरू होने में हो रही देरी के विरोध पर पीठ ने कहा, आपने सही इंतज़ार किया है, क्योंकि कानून यही चाहता है। मुद्दा यह है कि क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जब पैसा बोलता है तब सत्य मौन रहता है। –कहावत

हम देश के नागरिक यह स्वीकार नहीं करेंगे कि विदेशी फर्जी मतदाता भारत के भाग्य विधाता बने

बिहार में निकट भविष्य में चुनाव होने जा रहे हैं। बिहार में गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चल रही है। चुनाव अक्टूबर-नवम्बर में हैं। आयोग के सूत्रों के मुताबिक उचित जाँच के बाद लोगों के नाम जो मतदान करने के अधिकारी पाये गये उनके नाम 30 सितम्बर 2025 को प्रकाशित होने वाली अन्तिम मतदाता सूची में शामिल होंगे और रहेंगे या किये जावेंगे। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अपडेट (Update) करने के तथा अवैध तथाकथित मतदाताओं को हटाने के लिये शुरू की गई है।

अधिकारियों द्वारा गहन मतदाता पुनरीक्षण के दौरान यह पाया गया है नेपाल, बांग्लादेश व म्यांमार के सैकड़ों लोगों के नाम मतदाता सूची में हैं और इनके पास आधार कार्ड, डोमिसाइल सर्टिफिकेट और राशन कार्ड जैसे कई प्रकार के पहचान पत्र हैं ये कागजात गलत तरीके से प्राप्त किये गये हैं। अत: इनके नाम 30 सितम्बर 2025 को प्रकाशित होने वाली अन्तिम मतदाता सूची से हटा दिये जावेंगे। अधिकारीगण बूथ लेवल पर घर-2 गये हैं और उन्होंने जांच की है। आयोग की सूचना के आधार पर यह भी जानकारी उपलब्ध है कि 80.11: मतदाता (करीब 6.32 करोड) ने अपने ईएफ (एन्यूमरेशन फार्म) जमा करा दिये हैं। 18 लाख मृत वोटर्स पाये गये। 7 लाख वोटर्स का नाम दो जगह दर्ज है। ताजा समाचार के अनुसार 97: काम पूरा हो चुका है।

चुनाव आयोग ने कुछ दिनों पूर्व यह स्पष्ट किया है कि बिहार की तरह सभी राज्यों की विधान सभाओं की मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण होगा। चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि उनका पूरा प्रयत्न होगा कि देश की मतदाता सूची में एक भी विदेशी नागरिक नहीं रहना चाहिये।

बिहार में वोटर लिस्ट की विशेष गहन समीक्षा चल रही है जो एक वैधानिक प्रक्रिया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय खण्डपीठ के समक्ष इस प्रक्रिया की वैधानिकता को कई रिट् याचिकाओं में चुनौती दी है। सुनवाई के समय इस प्रक्रिया पर रोक लगाने की प्रार्थना पिटीशनरों की ओर से की गई थी; किन्तु माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने यह कहकर प्रार्थना को अस्वीकार कर दिया कि चुनाव आयोग वैधानिक संस्था है और उसके कार्य को रोका जाना कोर्ट उचित नहीं समझ रही है।

माननीय कोर्ट के समक्ष दोनों पक्षों की बहस चल रही है जिसमें कई संवैधानिक व वैधानिक प्रश्न उठाये गये हैं। स्वतंत्र, पारदर्शी और निष्पक्ष रूप से मतदाता सूचियों की शुद्धिकरण किया जाना चुनाव आयोग का दायित्व है। पिटीशनर्स की ओर से उक्त प्रक्रिया के विरूद्ध कानूनी आपत्तियां उठाई गई हैं। एक आपत्ति यह उठाई गई है कि जब मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम है जो पहले भी वोट दे चुका है तो उसे मतदान करने से नहीं रोका जा सकता। यह भी आपत्ति की जा रही है कि अधिकारीगण जाँच घर-2 जाकर नहीं कर रहे हैं ऑन लाईन फार्म के लिये अवैध वसूली हो रही है। नेता विपक्ष राहुल गांधी ने इसे महाराष्ट्र की तर्ज पर चोरी या चुनाव चोरी की कोशिश बताया है। राजव के नेता तेजस्वी यादव और सांसद पप्पू यादव ने इसे गरीब दलित व प्रवासी मजदूरों के वोटिंग अधिकारों को छीनने का कोशिश माना है। कई लोगों का कहना है कि अभिप्राय मतदाता सूची की शुद्धता का नहीं है अपितु सत्तारूढ एनडीए को लाभ पहुँचाने का है।

मूल बहस जो चुनाव आयोग की ओर से की जा रही है वह दो बिन्दुओं पर केन्द्रित है। प्रथम चुनाव आयोग के अधिकार पर जो उसे संविधान ने अनुच्छेद 324(1) के माध्यम से दिये हैं। दूसरा बिन्दु है मताधिकार का आधार जो केवल भारत के नागरिक को ही प्राप्त है। इसका पूर्ण विवेचन संविधान के अनुच्छेद 326 में किया गया है।

संविधान के अनुच्छेद 324(1) के अनुसार निर्वाचन के अधीक्षण (uperintendence), निर्देशन (Direction) व नियंत्रण (Control) चुनाव आयोग में निहित है। अनुच्छेद 324(1) इस संविधान के अधीन संसद और प्रत्येक राज्य के विधान मंडल के लिये कराये जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिये तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पदों के लिये निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का ओर उन सभी के निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन और नियन्त्रण एक आयोग में निहित होगा जिसे संविधान में निर्वाचन आयोग (Election Commission) कहा गया है।

इसका अभिप्राय है चुनाव आयोग को चुनाव कराने, निर्वाचक नामावली (Electoral Rolls) बनाने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है अर्थात् निर्वाचन (Election) के अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का अधिकार है। इस अनुच्छेद की व्याख्या करते हुये सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक निर्णय में माना है कि चुनाव आयोग को चुनावों के सम्बन्ध में न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका के अधिकार प्राप्त हैं।

हमें यह तो स्वीकार करना ही होगा कि चुनाव आयोग संविधान के तहत् चुनावों की प्रक्रिया के निर्धारण के संबंध में एक संवैधानिक संस्था है और नागरिक होने के कारण उनका यह मूल कर्त्तव्य है कि वे इस संस्था का सम्मान करें आदर करें। संविधान के अनुच्छेद 51(क) में स्पष्ट घोषणा है कि "भारत का प्रत्येक नागरिक संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं ..... का आदर करे"। किन्तु भारत की राजनीति में संस्थाओं के प्रति आदर कहीं खो गया है।

चुनाव आयोग केवल यह परीक्षण कर रहा है कि मतदाता क्या भारत का नागरिक है या नहीं। अर्थात् संविधन के भाग-2 में दिये गये आधारों पर परीक्षण कर रहा है कि वे लोग जो दूसरे देशों के नागरिक मतदाता के तौर पर मिले हैं क्या वे भारत के नागरिक हैं? बूथ स्तर के मतदाता को पुनरीक्षण के दौरान नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार के हजारों लोगों का पता चला है। उनके पास आधार कार्ड, डोमिसाइल सर्टिफिकेट राशन कार्ड भी मिले हैं।

यह सही प्रतीत होता है कि नागरिकता के बाबत निर्णय करने का अधिकार केन्द्र सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन है। चुनाव आयोग केवल यह परीक्षण कर रहा है कि मतदाता क्या भारत का नागरिक है या नहीं। अर्थात् संविधान के भाग-2 में दिये गये आधारों पर परीक्षण कर रहा है कि वे लोग जो दूसरे देशों के नागरिक मतदाता के तौर पर मिले हैं क्या वे भारत के नागरिक हैं? बूथ स्तर के मतदाता को पुनरीक्षण के दौरान नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार के हजारों लोगों का पता चला है। उनके पास आधार कार्ड, डोमिसाइल सर्टिफिकेट राशन कार्ड भी मिले हैं। आपत्ति केवल यह है कि वे संविधान के भाग-2 में दिये गये प्रावधानों के अनुसार भारत के नागरिक नहीं हैं। संविधान के अनुसार मतदान को अधिकार केवल भारत के नागरिक को है।

इस विषय पर चर्चा के लिये, आईये, हम यह जाने कि संविधान के भाग-2 के अनुवसार भारत का नागरिक कौन हो सकता है। संविधान के अनुच्छेद 11 के तहत् भारत की संसद द्वारा नागरिकता के अधिकार का विनियमन किया है। कानून है नागरिकता अधिनियम, 1955 और दूसरा के नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीसीए)।

भारत की नागरिकता निम्नलिखित प्रकार से प्राप्त होती है:-

(1) जन्म से नागरिकता - 26 जनवरी 1950 में 01.07.1987 के मध्य भारत में पैदा हुये व्यक्ति। 1 जुलाई 1987 से 12 दिसम्बर 2024 के बीच जन्मे व्यक्ति के माता-पिता में से कम से कम एक भारतीय हो। 06.12.2024 के बाद जन्मे होने पर एक माता-पिता भारतीय और दूसरा अवैध प्रवासी नहीं होना चाहिये।

(2) वंश के आधार पर - यदि कोई व्यक्ति भारत के बाहर पैदा हुआ हो, लेकिन उसके माता-पिता भारत के नागरिक हैं तो वह पंजीकरण द्वारा नागरिकता ले सकता है।

(3) पंजीकरण द्वारा - भारतीय मूल के व्यक्ति, भारत के विवाहित विदेशी नागरिक या जो कुछ वर्षों से भारत में रह रहे हों वे आवेदन करके नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं।

(4) By Naturalization (विदेशी) जो भारत में 12 वर्षों से रह रहे हैं (11 वर्ष आवेदन से ठीक पहले 1 वर्ष)

(5) राज्य के भारत में विलय के कारण।

इससे स्पष्ट होगा कि आधार कार्ड, राशन कार्ड अथवा वोटर लिस्ट में नाम होने मात्र से वह व्यक्ति भारत देश का नागरिक नहीं हो सकता। नागरिक संशोधन अधिनियम, 2019 व उसके नियम बिहार के उपरोक्त तथाकथित मतदाताओं पर लागू नहीं होता। यह अधिनियम पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसम्बर 2014 से पूर्व भारत आये हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्राप्त करने के लिये प्राकृतिककरण की अवधि 11 से घटाकर 5 वर्ष करता है।

रिट् याचिकायें जो माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ में जेरकार हैं और जिनमें माननीय न्यायालय गम्भीरता से दोनों पक्षों की बहस सुन रहा है, कानून की स्थिति के अनुसार मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को है और वह भारत का नागरिक, संविधान तथा नागरिकता अधिनियम के दिये गये मानदण्डों के अनुसार नागरिक है। चुनाव आयोग आपत्ति कर रहा है कि बिहार के वे तथाकथित मतदाता तथा जो बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल के लोग हैं, उन्हें वह मतदाता अर्थात् भारत देश में मतदान करने का अधिकारी नहीं मानता। हाँ, यदि वे कुछ मांगे गये दस्तावेजात पेश करे और संतोष करा दे तो वह आपत्ति उठा लेगा या वे नागरिकता के मामले को नियमों के अनुसार गृह मंत्रालय से तय करा लेवें और सर्टिफिकेट प्राप्त करलें कि वे भारत के नागरिक हैं उन्हें देश का नागरिक मान लेगा और मतदान का अधिकारी मानकर मतदाता सूची में उसका नाम दर्ज हो जावेगा।

दूसरा प्रश्न और भी है वह है Estoppel keâe efkeâvleg Estoppel का नियम कानून के विरूद्ध लागू नहीं किया जा सकता।

बहस के दौरान यह सभी पक्षों ने माना है कि मतदान का अधिकार केवल देश का नागरिक ही को है। जो व्यक्ति (मतदाता) अपना नाम वोटर लिस्ट में बतलाने अथवा आधार कार्ड व राशन कार्ड उनके नाम होने के कारण अपने को मतदान का अधिकारी मानता है, उसकी वैधता बाबत जांच करने का अधिकार चुनाव आयोग को है। उसे गृह विभाग के मंत्रालय से प्रमाण पत्र लेकर प्रस्तुत करना होगा।

इस विवाद का एक पहलु और भी है। हाईकोर्ट अथवा सुप्रीम कोर्ट में रिट् याचिका दायर करने का अधिकार केवल मात्र देश के नागरिक को है अथवा उसके द्वारा अधिकृत व्यक्ति को है। प्रस्तुत केस तथाकथित मतदाताओं में से किसी ने दायर नहीं किया है। अत: यह प्रश्न भी माननीय कोर्ट के समक्ष रखना चाहिये कि याचिकायें सुनवाई के योग्य ही नहीं हैं। सिक्किम के भारत में विलय को लेकर सिक्किम के पूर्व शासक विलय की वैधता को सिक्किम हाईकोर्ट में चुनौती दी, उस समय जस्टिस श्रीमाल एम एल सिक्किम हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे। केस उनकी पीठ के समक्ष प्रस्तुत हुआ। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस श्रीमाल ने आपत्ति की थी कि भारत का नागरिक ही रिट् याचिका पेश कर सकता है, अन्य नहीं। सुनवाई उसी समय की जावेगी जब पिटीशनर यह शपथ पत्र प्रस्तुत करे कि वह भारत का नागरिक है। शपथ पत्र प्रस्तुत हुआ। सिक्किम भारत का अभिन्न अंग हो गया।

देश इसे स्वीकार नहीं करेगा कि विदेशी फर्जी मतदाता भारत का भाग्य विधाता बने।

सबको सन्मति दे भगवान!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

हरियालो राजस्थान: हरित समृद्धि की ओर ले जाने का मुख्यमंत्री का संकल्प

रचना सिद्धा

आज विश्व अनेक समस्याओं से घिरा हुआ है। इन समस्याओं में से एक बहुत बड़ी समस्या है प्राणी और वनस्पति जगत के बीच का असंतुलन। आबादी की बेतहाशा बढ़ोतरी और प्राकृतिक संसाधनों पर हमारी बढ़ती निर्भरता ने इस संतुलन को बिगाड़ा है जिससे हमारे सामने आर्थिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। मनुष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए जंगल के कटते रहने से मानव सभ्यता को ही खतरा पैदा हो गया है। मौसम में लगातार परिवर्तन हो रहा है। धरती के कुछ भाग या तो सालों तक सूखे रहते हैं या फिर वहां भयानक बाढ़ आ जाती है। पहाड़ों में भूस्खलन और ग्लेशियर का पिघलना भी प्रकृति के इसी अतिदोहन का परिणाम है। वन और पानी किसी भी समाज के लिए सबसे आवश्यक हैं। अगर ये विलुप्त हो जाएं त्राहिमाम मच जाए और सभ्यता का विनाश हो जाए।

जीवन की दृष्टि से पर्यावरण मानव के लिए सर्वोच्च जरूरत है। जल, जंगल और जमीन तीनों उसके प्रमुख आधार हैं। लेकिन आधुनिकता और विलासिता की दौड़ और सबसे आगे निकल जाने की लालच में बढ़ते प्रदूषण ने जीवन के इन तीनों आधारों को हमसे छीन लिया है जो कि हमारे आधुनिक और सभ्य कहे जाने वाले समाज की एक बहुत बड़ी विफलता है। यही वजह है कि आज देश की आबादी का बड़ा हिस्सा स्वच्छ और सुरक्षित पानी, शौचालय तथा शुद्ध हवा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से भी वंचित है। पर्यावरण पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है। इस दिशा में समाज और सरकार को स्वच्छता और वृक्षारोपण को एक जनान्दोलन बनाने की तरफ सोचना होगा जिसके लिए समाज की सहभागिता होना पहली और आवश्यक शर्त है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण को बहुत गंभीरता से लेते हुए वृक्षारोपण को बहुत महत्वपूर्ण बताया। अपने मन की बात में प्रधानमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोगों से अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ करते हुए नई दिल्ली के बुद्ध पार्क में पीपल का एक पौधा लगाया। साथ ही उन्होंने दुनिया भर के लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी मां के साथ मिलकर अथवा उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं। यह पेड़ उनकी तरफ से उनके लिए एक अनमोल उपहार होगा।

प्रधानमंत्री के इस अभियान से प्रेरित होकर राज्य सरकार ने हरियालो राजस्थान अभियान की शुरुआत की और प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने को संकल्पित मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने पिछले वर्ष 7 अगस्त को हरियाली तीज के अवसर पर दूदू जिले के गाहोता में पीपल का पौधा लगाकर इस अभियान का विधिवत शुभारंभ किया और पांच वर्षों में राज्य में 50 करोड़ तथा वर्ष 2024-25 में 7 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया।

हरियालो राजस्थान का मुख्य उद्देश्य राजस्थान को हरा भरा बनाने और वन क्षेत्र का विस्तार करने के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन बनाए रखना है। इसके अलावा जैव विविधता का संरक्षण तथा वन्यजीवों के लिए बेहतर पारिस्थिति की तंत्र तैयार करने में स्थानीय समुदायों की जागरूकता बढ़ाते हुए अभियान में उनकी भागीदारी सुनिश्चित कर पौधारोपण को जन आंदोलन बनाना भी हरियालो राजस्थान का मुख्य उद्देश्य है। इसके लिए सरकार ने पांच वर्षों में राज्य में पचास करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आव्हान पर प्रदेश में अभियान के पहले चरण में प्रदेश में सात करोड़ पौधे लगाए गए जिसका वर्ल्ड रिकार्ड भी बना। अभियान को आगे बढ़ाते हुए अब हरियालो राजस्थान के दूसरे चरण में दस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान के दूसरे चरण को सफल बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं और कई तरह के नवाचार भी किए जा रहे हैं। पौधों की सुरक्षा के लिए हरियालो राजस्थान नामक मोबाइल एप्लीकेशन बनाया गया है। लगाए गए हर पौधे की निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस एप्लीकेशन के माध्यम से प्रत्येक पौधे की जियो कटैगिंग की व्यवस्था की गई है।

इस अभियान ने नवाचार, आधुनिक तकनीक और जन सहभागिता के माध्यम से जनआंदोलन का रूप ले लिया है। इसी क्रम में नदियों के किनारों, औद्योगिक क्षेत्रों में अपशिष्ट जल के आसपास, विद्यालयों, अस्पतालों तथा नगरीय क्षेत्रों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही इस अभियान में सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए इनके माध्यम से अभियान को जनसामान्य से जोड़ा गया और यह अभिान महज एक सरकारी कार्यक्रम न होकर जन आंदोलन का रूप ले चुका है। हर जिले में आमजन की भागीदारी से मातृवन बनाए जा रहे हैं जहां नागरिक अपने परिजनों की स्मृति में वृक्ष लगाकर प्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

आज हम जिस जलवायु परिवर्तन ओर ग्लोबल वार्मिंग का सामना कर रहे हैं उसके पीछे वनों की कटाई एक प्रमुख कारण है। इसके कारण पिछले कुछ समय में मानव जाति को कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री ने जिस अभियान की शुरुआत कर दी है वह न केवल वनों और हमारे पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित करेगा बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण भी तैयार करेगा। लेकिन यहां बहुत ध्यान रखने की बात यह भी है कि जो पौधे या पेड़ लगाए जा रहे हैं उनकी देखभाल कितने समय तक की जाती है। उनकी देखभाल की जिम्मेदारी किनको दी जाती है। क्योंकि यहां आंकड़े दिखाने भर के लिए पौधे लगाना हमारा लक्ष्य नहीं है। हालांकि मुख्यमंत्री ने कहा है कि 200 पेड़ लगाने वाले को वृक्ष मित्र बनाया जाएगा। 2 हजार वृक्ष मित्र बनाए जाएंगे जिन्हें मानदेय भी दिया जाएगा। हमारा लक्ष्य बहुत महान है हमें अपने पर्यावरण को बचाना है उसे सुरक्षित करना है। इसलिए जितने उत्साह और जितनी तत्परता से हम पौधे लगा रहे हैं उन पौधों को जीवित रखने के लिए, उन पौधों को जीवित रखकर उन्हें बड़ा करने के लिए उससे भी अधिक उत्साह, तत्परता और परिश्रम की जरूरत पड़ेगी। उम्मीद है कि हम सब बड़ी जिम्मेदारी से इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री के हरियालो राजस्थान की संकल्पना को साकार करने की यात्रा के सहभागी बनेंगे।

-रचना सिद्धा, सहायक
जनसंपर्क अधिकारी

योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े बालोतरा पहुंचे, कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली

बालोतरा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एक दिवसीय दौरे पर बालोतरा पहुंचे। कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचने पर पुलिस दल ने मार्च पास्ट की सलामी दी। इसके पश्चात राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को संबोधित करते हुए वंचितों को योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें। राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी योजनाओं का प्रचार-प्रसार इस प्रकार हो कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक भी लाभ पहुंचे और वास्तविक जरूरतमंद वर्ग सशक्त हो सके।

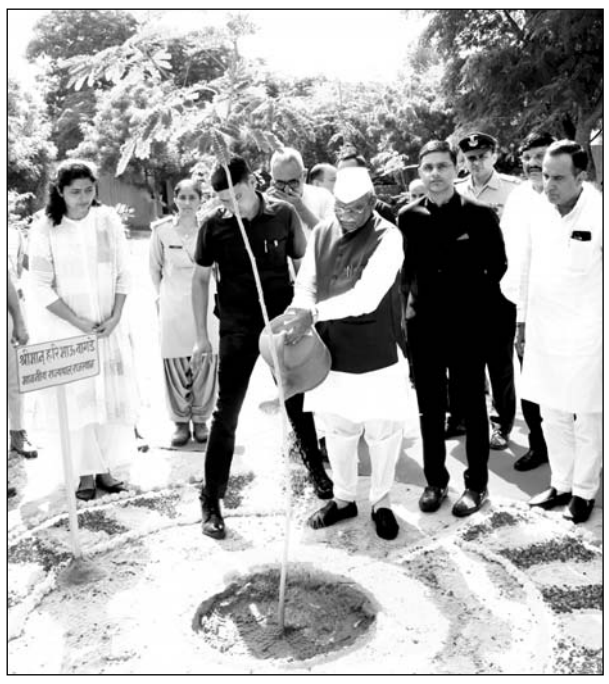

बालोतरा में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

राज्यपाल ने योजनाओं के समयबद्ध और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। इस दौरान राज्यपाल ने अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों को आवास योजना एवं अन्य योजनाओं का लाभ प्राथमिकता से देने को कहा। बैठक के दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वामित्व योजना, मनरेगा, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान, कुसुम योजना, मिशन हरियालो राजस्थान, राजीविका, डेयरी विकास एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि बच्चों की बौद्धिक और शारीरिक क्षमता को एक साथ विकसित किया जाए। उन्होंने जिले के स्कूलों में खेल मैदानों की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और छात्रावासों में व्यायामशाला एवं खेल सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा। राज्यपाल बागड़े ने 'मिशन हरियालो राजस्थान' की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहा जाए, बल्कि उनकी सुरक्षा और सार-संभाल भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कम जल आवश्यकता वाले पौधों के रोपण को प्राथमिकता देने को कहा ताकि पर्यावरणीय संतुलन के साथ जल संरक्षण भी संभव हो सके। उन्होंने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना की समीक्षा करते हुए जल संचयन एवं भूजल स्तर बढ़ाने की दिशा में स्थानीय समाधान अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में वर्षा जल का संचयन उसी गांव में हो और वह व्यर्थ बहकर न जाए, इसके लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएं। जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक ग्रामीण घर में शुद्ध पेयजल कनेक्शन सुनिश्चित किया जाए। यह केंद्र सरकार की प्राथमिक योजनाओं में से एक है और इसकी शत-प्रतिशत सफलता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि राजीविका (राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन) के तहत महिला समूहों के उत्पादों की मार्केटिंग बढ़ाई जाए और प्रत्येक महिला को उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जाए। राज्यपाल बागड़े ने कृषि विभाग को मृदा परीक्षण कार्यक्रम के तहत अधिकतम किसानों को जोड़ने, वैज्ञानिक पद्धति से खेती को बढ़ावा देने, फार्म पॉन्ड निर्माण, फसल बीमा योजना के तहत पंजीकरण बढ़ाने और उत्पादकता एवं आय में वृद्धि हेतु तकनीकी मार्गदर्शन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट निस्तारण की भी समीक्षा करते हुए उन्होंने जैविक खाद निर्माण को प्रोत्साहित करने तथा इसे किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जिससे स्वच्छता के साथ कृषि को भी लाभ हो। राज्यपाल बागड़े ने अंत में सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु नियमित निगरानी करें और सुनिश्चित करें कि किसी भी योग्य नागरिक को योजनाओं से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाएं केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि धरातल पर नजर आएं।

बैठक के दौरान जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक रमेश, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. गुंजन सोनी, सिवाना विधायक हमीरसिंह भायल, पचपदरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राशिफल शुक्रवार 25 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, पुष्य नक्षत्र सायं 4:01 तक, वज्र योग प्रात: 7:28 तक, किस्तुघ्न करण दिन 12:12 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-कर्क, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज से नक्त व्रत आरम्भ होगा। आज जीवंतिका पूजन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:32 तक, लाभ-अमृत 7:32 से 10:53 तक, शुभ 12:33 से 2:14 तक, चर 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:51, सूर्यास्त 7:15

मेष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण-प्रभाव बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मीन
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

हरियाली अमावस्या पर मदनमोहन जी मंदिर में रही धूम

■ पुलिस ने संभाला मोर्चा

करौली, (निसं.) । करौली के प्रसिद्ध मदन मोहन मंदिर में हरियाली अमावस्या पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी वहीं पुलिस प्रशासन ने मंदिर जाने वाले हर मार्ग पर दोपहिया से लेकर तिपहिया और चौपहिया वाहनो कि आवाजाही रोक दी जिससे लोगो का राहत महसूस हुई। गुरूवार को प्रात 4:00 बजे मंगला आरती से ही दर्शनार्थियों का मंदिर मे आना शुरू हो गया। यह क्रम देर रात शयन आरती तक जारी रहा। मंदिर को आम और अशोक के पत्तों व फूलों से सजाया गया। भगवान को हरे वस्त्र पहनाए गए। सभी झांकियों में भगवान के विग्रह हरे वस्त्रों में विराजमान थे। वन विहार झांकी का विशेष आकर्षण रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस ने विशेष इंतजाम किए। हिंडौन दरवाजा,वजीरपुर गेट और गणेश गेट पर एक तरफा यातायात व्यवस्था लागू की गई। तिपहिया और चौपहिया वाहनों का प्रवेश रोका गया। मदन मोहन जी मंदिर मार्ग पर मोटरसाईकिलो की आवाजाही पर भी प्रतिबंध रहा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। मंदिर प्रांगण में प्रसाद वितरण की व्यवस्था अलग से कि गई जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा आसपास के जिलों से भी श्रद्धालु पहुंचे। जिन्होने भगवान मदन मोहन से परिवार की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। प्रातः 4:00 बजे मंगला आरती से भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया मंदिर की ओर सभी भक्तों को दर्शन लाभ के अलावा प्रसाद के काउंटर लगाए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल ने बताया कि हरियाली अमावस्या को देखते हुए शहर में तिपहिया, चैपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया और दर्शन समय में सभी वाहनों को परकोटे के अंदर मंदिर की ओर जाने वाले मार्ग पर प्रवेश की अनुमति नही दी यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और शांति तथा सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए के लिए मंदिर एवं सभी प्रमुख चैराहों पर पुलिस के जवान तैनात रहे। इस दौरान यातायात प्रभारी मंजू फोजदार,पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, कोतवाली थाना अधिकारी अध्यात्म गौतम ने समय-समय पर व्यवस्थाओं को संभाला। गंभीर जनक बात यह रही की पुलिस प्रशासन ने हरियाली अमावस्या को यातायात व्यवस्था बनाने के लिए मोटरसाइकिल, ऑटो टेंपो और चैपहियां वाहनों को शहर में प्रवेश नहीं दिया लेकिन मोटरसाइकिल के लिए रोकने से पहले प्रशासन ने कोई पार्किंग व्यवस्था नहीं की जिससे दूर दराज से दर्शनों के लिए मोटरसाइकिलों से आए दर्शनार्थियों के सामने मोटरसाइकिल खड़ी करने का संकट सामने खड़ा हो गया और दर्शनार्थियों को दर्शन लाभ लेने से पहले मोटरसाइकिल चोरी जाने का भी संकट सामने खड़ा हो गया पुलिस और प्रशासन को वाहनों के शहर में प्रवेश पर पाबंदी लगाने से पूर्व नगर परिषद प्रशासन को पार्किंग व्यवस्था की जिम्मेदारी देनी चाहिए जिससे मोटरसाइकिल चोरी जाने का दर्शनार्थियों को भय मुक्त दर्शन लाभ करने का मौका मिले चर्चा है कि एक दर्शनार्थी की मोटरसाइकिल कोतवाली के सामने पुलिस प्रशासन के लगे बैरियल पर रोकी और शहर में प्रवेश नहीं दिया दर्शनार्थी मोटरसाइकिल को कोतवाली के बगल वाले रास्ते में पीछे जाकर खड़ी कर गया जिसको चोरो द्वारा चुरा कर ले जाने की चर्चा है।

हरियाली तीज पर होगा पौधारोपण कार्यक्रम

करौली, (निसं.)। अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर 27 जुलाई को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में 76वां राज्य स्तरीय वन महोत्सव तथा जिला स्तरीय वन महोत्सव के अवसर पर विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाली तीज के अवसर पर वृक्षारोपण अभियान हेतु जन प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों, गैर सरकारी संगठनों, निजी संस्थाओं, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, मीडिया, एनसीसी, स्काउट्स व आमजन के सहयोग से जिला मुख्यालय, उपखण्ड, पंचायत स्तर अधिक से अधिक वृक्षारोपण कराकर मुख्यमंत्री की बजट घोषणा मिशन हरियालो राजस्थान को सफल बनाया जाना है। इस मिशन हेतु करौली जिले को 4.00 लाख पौधारोपण का लक्ष्य दिया गया है।

प्रभावशाली लोग थडी ठेले वालों से वसूल रहे हैं रुपए

■ जिनके लगने से कोतवाली से लेकर हिंडौन दरवाजे तक दिन भर आम सडक मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है

करौली, (निसं.) करौली शहर के मुख्य सड़क मार्गों पर लगने वाले फल, सब्जी, चाट पकौडी आदि के ठेलो से दुकान, मकान मालिको के अलावा प्रभावशाली लोग किराए के नाम पर राशि वसूल कर नगर परिषद प्रशासन और जिला प्रशासन को चुनौती दे रहे हैं जिनके लगने से कोतवाली से लेकर हिंडौन दरवाजे तक दिन भर आम सडक मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। संवाददाता की खास रिपोर्ट के अनुसार जिला मुख्यालय स्थित गुलाब बाग से लेकर कोतवाली थाना, सामान्य चिकित्सालय से हिंडौन दरवाजा, फूटाकोर्ट चैराहा शहर का सबसे व्यस्ततम सडक मार्ग है जिस सडक मार्ग के हालात खास तौर से कोतवाली से लेकर सामान्य चिकित्सालय से हिंडौन दरवाजे तक मुख्य सडक मार्ग पर फल, सब्जी, चाट पकौडी, आदि के लगने वाले ठेलो से दिनभर वाहनों का जाम लगने से पैदल राहगीरों के अलावा मदन मोहन जी मंदिर के दर्शनों के लिए शहर से जाने वाले महिला, पुरुषों सहित दूर दराज से आने वाले दर्शनार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पडता है इसके अलावा सामान्य चिकित्सालय में उपचार के लिए आने वाले रोगियों को भी भारी परेशानियों से जूझते देखा जाता है इसी व्यस्ततम सडक मार्ग पर फल, सब्जी, चाट पकौडी के ठेलो के अलावा सब्जी मंडी से लेकर अस्पताल तक तो मोटरसाइकिलों का आडे तिरछे जमावडा लगने से और भारी परेशानियों का लोगों को सामना करना पड रहा है वहीं कोतवाली से सब्जी मंडी अस्पताल और हिंडौन दरवाजा तक आवारा पशुओं का भी इतना आतंक रहता है कि उनके आतंक से बचकर लोग घर से कुशल पहुंचने में अपने आप को भाग्यशाली समझते हैं ऐसा नहीं है कि इस घटनाक्रम की रिपोर्ट से नगर परिषद प्रशासन, यातायात पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों साबको इसकी जानकारी होते हुए भी शहर की आम जनता और राहगीरों की समस्या का समाधान निकालने से अधिकारी पीछे क्यों हट रहे हैं इसके अलावा ट्रक यूनियन चैराहे से लेकर अशोक पेट्रोल पंप तक वह भी हाईवे सडक मार्ग पर स्थित दुकान मालिकों ने अपनी दुकानों के आगे और लगा रखी है।

आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिला कलक्टर ने महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक ली गई। विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ-बेटी पढाओ योजना में नवाचार करने एवं प्रचार-प्रसार करने हेतु निर्देशित किया जिसके तहत प्रसूताओं को बेटी बचाओ-बेटी पढाओ लोगो युक्त सफेद सूती खेस एवं नवजात बेटियों के लिए यूनीसेक्स बेबी गिफ्ट सेट उपलब्ध कराने हेतु एवं भिक्षा सेतु योजना में ड्रापआउट बालिकाओं का सुपरवाइजरों एवं साथिनों के माध्यम से चिन्हीकरण कराकर राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल के माध्यम से कक्षा 10वीं से 12वीं में प्रवेश के लिए आवेदन करवाये जावें। मुख्यमंत्री नारी प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन योजना के तहत निशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण को ब्लॉक/ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जावे। उद्यमी /कामकाजी महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाकर मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के तहत बैंको के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाया जाये।

गुमानो बीजासणी माता की 20 वीं पदयात्रा की तैयारियां

■ कार्यकारिणी व संरक्षक मंडल की बैठक संपन्न, संयोजकों को किया मनोनीत सौंपी जिम्मेदारी

गंगापुर सिटी । मां गुमानो बिजासनी देवी सेवा समिति की कार्यकारिणी एवं संरक्षक मंडल की बैठक पुरानी अनाज मंडी स्थित फूड कोस्टा रेस्टोरेंट के सभागार में समिति अध्यक्ष महेश शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें गंगापुर सिटी से करणपुर धाम को माँ गुमानो बिजासन की अगस्त माह में जाने वाली 20 वीं पदयात्रा की व्यवस्था हेतु संयोजकों का चयन किया गया। महामंत्री गोपाल सोनी ने बताया कि सर्वसम्मति से दिनेश सिंघल धोलेटा को पदयात्रा का मुख्य संयोजक व हरकेश पटवारी को संयोजक बनाया गया। वही विष्णु गुप्ता और उनकी टीम को भोजन, पप्पू गुरु, मुरारी लाल को रथ, ब्रह्म प्रकाश व रमेश सेन को स्टेज, गोपाल सोनी को वाहन व पूजन सामग्री, कुंज बिहारी को जल, दिनेश चूडी को जागरण पार्टी, मुकेश लाइट को चाय, उद्देश्य मंगल को सोशल मीडिया व मंच व्यवस्था, गिर्राज सेन को प्रचार व धर्मेंद्र राजावत को टेंट, रमेश गुप्ता को बैग व्यवस्था, डॉ विजेंद्र गुप्ता व डॉक्टर मुकेश गुप्ता को चिकित्सा, सतीश गुप्ता को फोटोग्राफी, संरक्षक मंडल को भोजन वितरण व मंच संचालन अध्यक्ष, महामंत्री, मुख्य संयोजक, उद्देश्य मंगल व समय पर जो सदस्य उपलब्ध होगा उनकी व्यवस्था रहेगी! बैठक में शिवचरण गुप्ता एलआई, हरिचरण गुप्ता प्रिंसिपल, जगदीश बरिया, घनश्याम गुप्ता, पप्पू गुरु, ब्रह्मानंद गुप्ता, सतीश गुप्ता, शिव नारायण झंझ, ओम प्रकाश गुप्ता (एसडीआई), विनोद मच्छीपुरा, बिहारी गुप्ता सीएल सैनी, धर्मेंद्र राजावत, प्रदीप माली सहित काफी संख्या के सदस्य में सदस्य गण उपस्थित रहे।

सार-समाचार

खंडेलवाल सखी ने ''रंगीलो सावन'' महोत्सव धूमधाम से मनाया

भरतपुर (निस)। खंडेलवाल सखी ने ''रंगीलो सावन'' महोत्सव बडी धूमधाम से मनाया। खंडेलवाल सखी संयोजिका सरोज लोहिया ने बताया कि खंडेलवाल सखी हिन्दू संस्कृति के संवर्धन करते हुए सभी त्यौहार मिल जुल कर मनाती हैं। इसी क्रम में इस बार भी 'रंगीलो सावन' महोत्सव होटल रूचि रेस्टोरेंट में बडी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम संयोजिका वंदना व ममता ने बहुत ही जानदार व शानदार कार्यक्रम करवाया, इसमें सभी सखियों ने गुरप डांस, एकल डांस, मल्हार तथा तीज से संबंधित गेम खेलकर भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम का खंडेलवाल सभी के सभी सदस्य परिवारों ने मिलकर आनंद लिया। तीन क्वीन प्रियंका बनीं तथा प्रथम रनर अप कल्पना रहीं। सखी द्वारा प्रत्येक सदस्य को सिंजारा, दुपट्टे दिया गया। इस खूबसूरत शाम को प्यारे-प्यारे बच्चों ने अपनी परफोरमेंस देकर यादगार बना दिया। इस कार्यक्रम में सुधा खंडेलवाल, राधा मेठी, संगीता, नीतू, कान्ता, अंजू, बीना नाटाणी, विनिता, सोनिया, निशा, मधु, कामिनी, राधा पीतलिया, निशा गुप्ता, स्वाति, मधु गुप्ता, वर्षा, रीना, प्रियंका, कल्पना आदि सभी सखियों का सहयोग रहा। सखी समता ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन लजीज व्यंजनों के साथ हुआ।

वीरेन्द्र नागर भरतपुर शहर कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष बने

भरतपुर (निस)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष हेमसिंह शेखावत की अनुशंषा पर जिला कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष डा. निरंजन सिंह ने वीरेन्द्र नागर को भरतपुर शहर कांग्रेस सेवादल का शहर अध्यक्ष नियुक्त किया है। वीरेन्द्र की नियुक्ति पर समस्त कांग्रेसजनों ने खुशी व्यक्त की है।

मतदान 3 अगस्त को

भरतपुर (निस)। भरतपुर में निर्वाचन अधिकारी पेंशनर हितकारी सहकारी समिति लिमिटेड के निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश शर्मा वरिष्ठ अधिवक्ता के द्वारा दी गई सूचना के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया में प्राप्त वैध 12 सामान्य नामांकन पत्रों में से किसी भी उम्मीदवार द्वारा कोई नाम वापिस नहीं होने के कारण चुनाव लडने वाले उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया गया है, जिसकी सूची दोपहर 12.30 बजे नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी गई है। निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि भाग लेने वाले वाले मतदाताओं को निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा 03 अगस्त को प्रातः 10 बजे से सांय 4 बजे तक चुनाव होगा, जिसमें भाग लेने वाले मतदाताओं को निर्वाचन प्राधिकरण द्वारा घोषित आई.डी. जैसे आधार कार्ड, वोटर आई.डी. लाइसेंस इत्यादि साथ में लाना आवश्यक है। निर्वाचन स्थान पेंशनर भवन काली की बगीची, सिंघल नर्सिंग होम के सामने, भरतपुर रहेगा। पेंशनर हितकारी सहकारी समिति की तीन आरक्षित सीटों पर महिला सामान्य पर आशा शर्मा पत्नि पदम चंद शर्मा एवं अनुसूचित जाति पर चन्द्रभान माहौर पुत्र मिहीलाल एवं अनुसूचित जनजाति पर रामसिंह मीणा पुत्र सुन्दर लाल मीणा को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

सारस्वत बने लोक अभियोजक

करौली । करौली के वरिष्ठ एडवोकेट ओम प्रकाश सारस्वत के पुत्र सामाजिक कार्यकर्ता एडवोकेट रितेश सारस्वत लोक अभियोजक पी पी नियुक्त किए गए। करौली बार एसोसिएशन एवं सामाजिक एवं राजनीतिक व्यक्तियों ने सारस्वत को बधाई एवं शुभकामनाएं दी

समीक्षा बैठक 28 को

करौली, (निसं.) अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि सोमवार 28 जुलाई को प्रातः 10.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में 79 वें स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की पूर्व तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश जारी किये है।

पदयात्रा की तैयारी

गंगापुर सिटी । श्रीजी सेवा समिति के तत्वाधान में डिग्गी पुरी कल्याण जी महाराज की 19वीं पदयात्रा की तैयारीयो को लेकर एक आवश्यक मीटिंग का आयोजन उदेई मोड फल सब्जी मंडी में शुक्रवार दोपहर 1 बजे किया जाएगा। समिति अध्यक्ष कालू राम सैनी ने बताया कि 25 जुलाई को यात्रा की व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारी सौंप जाएगी। यात्रा संरक्षक सीएल सैनी ने यात्रा समिति के सभी सदस्यों को आवश्यक रूप से मीटिंग में भाग लेने का आग्रह किया है।

राईजिंग राजस्थान में हुए एमओयू की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

■ गुरूवार को जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में कलक्टर कक्ष में आयोजित की गई

भरतपुर (निस)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट अंतर्गत संपादित एमओयू प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा बैठक गुरूवार को जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में कलक्टर कक्ष में आयोजित की गई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों को संबंधित निवेशकों से नियमित रूप से संपर्क कर एमओयू प्रकरणों का राजनिवेश पोर्टल पर अपडेशन करने के निर्देश दिए। उन्होंने लम्बित प्रकरणों के संबंधित विभाग के लिये टास्क जनरेट कर लम्बित कार्यों का त्वरित निस्तारण कराने के निर्देश दिए। जिससे राज्य सरकार की मंशानुरूप एमओयू प्रकरणों का शतप्रतिशत क्रियान्वयन हो सके। ऐसे निवेशक जिनके द्वारा कोई रेस्पांस नहीं किया जा रहा है, ऐसे प्रकरणों को सी कैटेगरी के अंतर्गत अपडेट कराने की बात कही। उन्होंने जिले में नवीन रीको औद्योगिक क्षेत्र हेतु भूमि चिन्हिकरण करने के लिए क्षेत्रीय प्रबंधक रीको को निर्देश देते हुए कहा कि उपयुक्त स्थान का चिन्हिकरण करें जिससे जिले में उद्यमियों को सुविधाएं विकसित की जा सके। उन्होंने उद्यमियों को भरतपुर में कृषि आधारित, आईटी आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए प्रेरित करें। पर्यटन सुविधाओं की वृद्धि के लिए होटल एवं रेस्टोरेंट के क्षेत्र में भी विकास की विपुल संभावनाऐं है। महाप्रबंधक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र सीएम गुप्ता ने अवगत कराया गया कि जिले में राइजिंग राजस्थान अंतर्गत कुल 212 एमओयू किये गये हैं। जिनमें से आज दिनांक तक 47 एमओयू क्रियान्वित हो चुके हैं एवं 38 एमओयू शीघ्र क्रियान्वित होने की स्थिति में हैं। इस अवसर पर सचिव बीडीए नीलिमा तक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला नगर नियोजक, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण मंडल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, एसई जेवीवीएनएल रामहेत मीणा, क्षेत्रीय प्रबंधक रीको, संयुक्त निदेशक डीओआईटी सहित कृषि उपज मंडी समिति, आरएसएलडीसी, पर्यटन, तकनीकी शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

तहसील स्तर पर 30 जुलाई तक आयोजित होंगे शिविर

■ फसल बीमा योजना खरीफ 2025 की बैंकवार बीमा प्रगति की समीक्षा की गई

करौली, (निसं.) कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीडी शर्मा ने बताया कि गुरूवार को जिला कलक्टर की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2025 की बैंकवार बीमा प्रगति की समीक्षा की गई। जिले में अभी तक पात्र केसीसी धारक 79394 के विरूद्ध 13939 (19 प्रतिशत) कृषकों का बीमा हुआ। 81 प्रतिशत कम प्रगति को जिला कलक्टर द्वारा गम्भीरता से लिया गया, उनके द्वारा सभी बैंकर्स को पात्र ऋणी कृषकों का बीमा शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिये एवं कहा कि यदि पात्र कृषकों का बीमा नहीं किया गया तो संबंधित बैंक के बैंकर्स जिम्मेदार होंगें। अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल ने बताया कि व्न्व्.ल्न्ब् की अंतिम तिथि 24 जुलाई है, एवं शेष पात्र ऋणी कृषकों का 31 जुलाई तक अनिवार्य रूप से बीमा करें। संयुक्त निदेषक ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत खरीफ 2025 हेतु सभी अधिसूचित फसलों के लिये जोखिम कवर होगा जिसमें कम वर्षा अथवा प्रतिकूल मौसमीय परिस्थितियों से बुवाई नहीं होने की स्थिति (बाधित, निष्फल बुवाई) में क्षेत्रीय दृष्टिकोण के आधार पर, खडी फसल (बुवाई से कटाई) में सूखा, लम्बी सूखा अवधि, बाढ, जलप्लावन, कीट व व्याधि, भू-स्खलन, बिजली गिरने से प्राकृतिक आग, तूफान, ओलावृष्टि और चक्रवात के कारण उपज, गारण्टी उपज से कम रहने पर फसल कटाई प्रयोगों से प्राप्त उपज के ऑकडों के आधार पर, फसल कटाई उपरान्त सूखने के लिये खेत में काटकर फैलाकर छोडी गई फसल को चक्रवात, चक्रवाती वर्षा, असामयिक वर्षा, ओलावृष्टि से व्यक्तिगत आधार पर हुये नुकसान के लिये कटाई उपरान्त अधिकतम 14 दिन की अवधि के लियेकटाई पष्चात् प्रभावित बीमित फसल के कृषक को नुकसान की सूचना 72 घण्टे के अन्दर सीधे भारत सरकार द्वारा संचालित कृषि रक्षक पोर्टल एवं हेल्पलाईन नं. 14447 पर अथवा ब्वतच व्देनतंदबम ।चच अथवा लिखित में अपने बैंक, कृषि विभाग के अधिकारियों या जिले के लिए अधिकृत रिलायंस जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी लि0 के टोल फ्री नम्बर 18001024088 मेल आईडी पर देनी होगी। गैर ऋणी कृषक बैंक, पोस्ट ऑफिस, सीएससी के माध्यम से फसल बीमा करवा सकते है। इसके लिये एडी फार्म रजिस्ट्री आईडी, आधार कार्ड, बुवाई क्षेत्रफल का घोषणा पत्र आदि दस्तावेज अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि गैर ऋणी कृषकों के लिये तहसील स्तर पर रिलायंस जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी लिमिटेड एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में तहसील करौली व मासलपुर में 25 जुलाई को, तहसील सपोटरा व मण्डरायल में 26 जुलाई को, तहसील हिण्डौन और श्रीमहावीरजी में 28 जुलाई को, तहसील सूरौठ व टोडाभीम में 29 जुलाई को और तहसील नादौती व बालघाट में 30 जुलाई को षिविर लगाये जावेगें।संयुक्त निदेषक महोदय द्वारा बताया गया।

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति मासलपुर जिला करौली

क्रमांक-पंसमा./लेखा/निविदा/2025-26/601 दिनांक-21.07.2025

निविदा सूचना संख्या 11-12/2025-26

पंचायत समिति मासलपुर में विभिन्न योजनाओं ''ग'' श्रेणी जलाशय मत्स्याखेट की अनुज्ञा देने के लिए अनुभवी फर्मो/प्रतिष्ठिता फर्मो/प्रतिष्ठिता संस्थाओं/इच्छुक व्यक्तियों से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता निर्धारित राशि डिमाण्ड ड्राफ्ट में जमा कराकर पंचायत समिति से निविदा प्रपत्र एवं निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्त प्राप्त कर सकते है। निविदाओं को विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि	निविदा शुल्क	आरआई एसएल शुल्क
1	मिटिंग/शिविरों में टैन्ट, कुर्सी, माईक, जनरेल, आरओ वाटर (कैम्पर) आदि व्यवस्था	2.00	4000	200	500
2	''ग'' श्रेणी जलाशय वर्ष 2025-26 मत्स्याखेट ठेका स्टेजेज बढोतरी के आधार पर 5 वर्ष की समयावधि				
	1. बंध मदनसागर (ग्राम पंचायत भावली)	10000	1000	200	
	2. बंध डोडियान ताल	10000	1000	200	

उक्त सभी निविदाओं को बेचने प्राप्त करने एवं खोलने आदि का कार्यक्रम निम्नानुसार होगा।

निविदा जारी होने की दिनांक 21.07.2025 दोपहर 11.00 बजे तक दिनांक 28.08.2025 तक 11.00 बजे एएम तक बेची जाएगी।

निविदा प्राप्त करने की दिनांक व समय - दिनांक 28.07.2025 प्रात 12 बजे तक

निविदा खोलने की दिनांक व समय - दिनांक 28.07.2025 दोपहर पश्चात 2 बजे से

सामग्री की मात्रा एवं कार्य का विवरण निविदा प्रपत्रों में अंकित है। कार्य/सामग्री की मात्रा में आवश्यकतानुसार कमी या बढोतरी की जा सकती है। निविदा शर्ते एवं निविदा प्रपत्र कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क नगद/डिमाण्ड विकास अधिकारी पंचायत समिति मासलपुर के पक्ष में देय हो जमा कराकर प्राप्त किया जा सकता है। निविदाए उक्त निर्धारित दिनांक एवं समय पर जमा कराई जा सकती है। निविदा का प्रकाशन sppp.raj.gov.in पर कर दिया गया है। निर्धारित प्रारूप में दर प्रस्तुत न करने पर एवं अस्पष्ट होने पर एवं अपूर्ण निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदाए बिना कारण बताए निरस्त की जा सकती है।

(मोहनलाल शर्मा,RRDS)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति मासलपुर

विद्यार्थियों को स्वल्पाहार कराया

रूपवास भरतपुर (निस)। रूपवास उपखंड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिनऊआ में व्याख्याता रामबाबू योगी ने विद्यालय के लिए एक कम्प्यूटर सेट दान किया है। इसके अलावा, उन्होंने विद्यालय के बच्चों को स्वल्पाहार भी करवायाविद्यालय की प्रधानाचार्य मधु उपाध्याय ने व्याख्याता रामबाबू योगी और शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे शिक्षक विद्यालय में होंगे, तो किसी भी संसाधन की कमी नहीं होगी। रामबाबू योगी का यह योगदान विद्यालय के लिए एक सराहनीय कदम है, जो छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगाविद्यालय में संसाधनों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए शिक्षकों और समाज के लोगों का सहयोग आवश्यक है। रामबाबू योगी का कम्प्यूटर सेट दान करना एक सराहनीय कदम है, जो विद्यालय को आधुनिक तकनीक से लैस करने में मदद करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें सुंदर सिंह, प्रदीप कुमार, रोहित कुमार, उमेश कुमार, राजेश सैनी, रविकांत, भूपेंद्र शर्मा, मुन्नालाल, शिव कुमार, गणपत सिंह, जगदीश प्रसाद, बनय सिंह, पुष्पेंद्र शर्मा, राजकुमार तंवर, ईश्वरी प्रसाद और भोज प्रकाश शामिल थे।

बयाना से सोरोजी तक पहुंची कांवड यात्रा

■ सावन के महीने में सृष्टि का समस्त कार्यभार भगवान शिव संभालते हैं. इस कारण इस मास में भगवान शिव अपने भक्तों पर विशेष कृपा दृष्टि बनाए रखते है

बयाना । सावन का पवित्र महीना चल रहा है और इस दौरान शिव भक्त भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए विशेष पूजा, जलाभिषेक और व्रत करते हैं. मान्यता है कि सावन के महीने में सृष्टि का समस्त कार्यभार भगवान शिव संभालते हैं. इस कारण इस मास में भगवान शिव अपने भक्तों पर विशेष कृपा दृष्टि बनाए रखते हैं। भक्त भी पूरे समर्पण से उनकी उपासना कर उनसे अपने जीवन की मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। ऐसे ही भक्तिभाव के साथ सावन के बयाना कस्बे में भी कई जगह पर कावड यात्रियों का स्वागत सत्कार फुल वर्ष की गई। यह कावड यात्रा का आयोजन उषा मंदिर तीतर बाडी से कावड यात्रियों को रवाना किया गया। तथा शिव जी का विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ जलाभिषेक किया गया। जानकारी अनुसार शिव भक्तों ने बताया कि 24 जुलाई को करीब दो दर्जन से अधिक श्रद्धालु सोरोंजी गए थे। वहां से डाक कावड का दल कावड लेकर सरोजी तक पहुंचा। कावड यात्राओं का लोगो ने शिव भक्तों की बयाना से सरोजी तक पहुंचे कावड यात्रा किया स्वागत सत्कार शिव भक्तों ने डीजे के साथ भजनों पर नाचते थिरकते हुए नगर की परिक्रमा दी, उसके बाद श्रद्धा भाव से उषा मंदिर शिवजी पर जलाभिषेक किया गया। इस अवसर परराम प्रकाश शर्मा, दीपक शर्मा, भोला शर्मा मनोज पाराशर खेमश, जतिन विवेक उपाध्याय मनु उपाध्याय, महेंद्र, भोली, गौरव, कुलदीप, लोरी, लोकेंद्र, राहुलजगरिया, बिज्जू,ओम प्रकाश, गौरव कावड यात्रा में आदि लोग उपस्थित रहे।

बयाना में कांवडियों का स्वागत किया।

सख्त निर्देश दिए

भरतपुर (निस)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने डॉ गौरव कपूर ने सभी खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारियों एवं सभी चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को निर्देशित किया है कि जिले में मानसून का दौर चल रहा है। इसे देखते हुए सभी चिकित्सालयों में मौसमी बीमारियों पर रोकथाम, जांच एवं उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। ताकि मौसमी बीमारियों के केस नियंत्रण में रहें। सीएमएचओ ने बताया कि विगत वर्ष मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम की गई थी, जिसके चलते केसों की संख्या कम रही और मौतें भी नगण्य रहीं। इस वर्ष भी माकूल प्रबंधन करते हुए मौसमी बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी आवश्यकता है, तत्काल अवगत कराएं। अस्पतालों में दवाओं की समुचित उपलब्धता और जांच उपकरणों की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में नियमित रूप से रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही खण्ड स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। सीएमएचओ ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

कार्यालय पंचायत समिति सपोटरा

क्रमांक/पसस/लेखा/सामग्री निविदा/2025-26/1228-34 दिनांक-23.07.2025

ई-निविदा सूचना सं. 1/2025-26

पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत पंचायत समिति सपोटरा के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत हैण्डपम्प एवं ट्यूबवेल निर्माण एवं स्थापना एवं अन्य योजना के निर्माण कार्य हेतु उक्त कार्य के लिए सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-बोली के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए खुली प्रतियोगी बोली द्वारा दर संविदा हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। समस्त कार्यो के लिये निविदा शुल्क एवं अमानता राशि विकास अधिकारी पंचायत समिति सपोटरा के नाम एवं प्रोसेसिंग शुल्क MD RISL के नाम देय बैंकर्स चैक/डी.डी. के माध्यम से जमा करानी होगी। अन्य शर्ते कार्यालय समय मं देखी जा सकती है।

कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	प्रोसेसिंग शुल्क	बोली प्रतिभूति राशि	ऑनलाईन निविदा विक्रय/डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक एवं समय	निविदा डीडी एवं हार्ड कॉपी जमा कराने का दिनांक	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
1	2	3	4	5	6	7	8
पंचायत समिति सपोटरा के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत हैण्डपम्प एवं ट्यूबवेल निर्माण एवं स्थापना कार्य एवं पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं हेतु सामग्री	300.00	2000/-रू.	2000/-रू.	600000/-रू.	ई-निविदा जारी होने की दिनांक से 24.07.2025 से 13.08.2025 तक 06.00 पी.एम.	दिनांक 14.08.2025 को 04.00 पी.एम.	14.08.2025 11.00 एएम से

उक्त निविदा का पूर्ण विवरण एवं शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं Downlond/upload की जा सकती है। साथ ही जिला स्तरीय कार्यालयों के नोटिस बोर्ड पर कार्य दिवसों में देखी जा सकती है।

UBN-ZKR2526WSRC00371

(बृजलाल बैरवा)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति सपोटरा

गैंगस्टर रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण के दो गुर्गे फर्जी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार

10 जुलाई को विदेशी हथियारों और कारतूसों सहित गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवाया था

सादुलपुर, (निसं)। स्थानीय पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा व वीरेंद्र चारण गिरोह के दो गुर्गों को फर्जी पासपोर्ट मामले में प्रोडक्शन वारंट पर जेल से गिरफ्तार किया है।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि प्रकरण की जांच कर रहे एसआई धर्मेंद्र सिंह ने मामले में जेल में बंद आरोपी देवकरण उर्फ देवा (30) पुत्र वीरू राम जाट निवासी लालासर पुलिस थाना दूधवाखारा जिला चूरू, आरोपी विजय सिंह पुत्र जसवंत सिंह राजपूत (29) निवासी घण्टेल पुलिस थाना सदर जिला चूरू को फर्जी पासपोर्ट मामले में प्रोडक्शन वारंट पर पुनः गिरफ्तार किया है। पुलिस रिमांड के बाद पूछताछ कर दोनों आरोपियों को गुरुवार को न्यायालय में पेश कर जेल भिजवा दिया है।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि 10 जुलाई को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके के कब्जे से फर्जी पासपोर्ट तथा दो विदेशी हथियार और नौ जिंदा कारतूस बरामद किये थे। उन्होंने बताया कि पूछताछ कर दोनों आरोपियों को आर्म्स एक्ट के अंतर्गत जेल भिजवा दिया था तथा फर्जी पासपोर्ट मामले में पूछताछ के लिए पुनः गिरफ्तार कर दो दिन का पुलिस रिमांड में पूछताछ कर दोनों को जेल भिजवा दिया है।

फर्जी पासपोर्ट मामले में राजगढ़ थाना पुलिस ने आरोपी देवकरण उर्फ देवा व विजय सिंह को प्रोडक्शन वारंट पर पुनः गिरफ्तार किया।

- दोनों आरोपी वर्तमान में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देकर फर्जी पासपोर्ट से विदेश भागने की फिराक में थे

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी चूरू सदर और कोतवाली के हिस्ट्रीशिटर है। गौरतलब है कि 10 जुलाई की देर शाम को पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से अवैध विदेशी यूएस मेड पिस्टल तथा दो जिंदा कारतूस तथा कब्जे से एक विदेशी यू एस मेड पिस्टल और सात जिंदा कारतूस सहित फर्जी पासपोर्ट बरामद किए गए थे। जिनके संबंध में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। गिरफ्तार आरोपी रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण गैंग के सदस्य हैं। दोनों आरोपी वर्तमान में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देकर फर्जी पासपोर्ट से विदेश भागने की फिराक में थे। आरोपियो के खिलाफ महिला थाना चूरू, कोतवाली चूरू, सदर चूरू दुधवाखारा, बिसाऊ, झुंझुनू में आपराधिक मामले दर्ज है।

तीन वाहनों की टक्कर में एक बालक की मौत, आठ घायल

- दो ट्रकों के बीच फंसी गई थी टवेरा कार, टक्कर के बाद कार अंदर से लॉक हो गई, जिससे बचाव कार्य में कठिनाई आई
- डूंगरपुर के बोहरा समुदाय के एक ही परिवार के लोग गुजरात के मेहसाणा में दरगाह जियारत करने जा रहे थे

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर के बोहरा समुदाय के एक परिवार के साथ गुरुवार को गुजरात के मेहसाणा में दर्दनाक हादसा हो गया। ओएनजीसी सर्किल पर सुबह तीन वाहनों की टक्कर में एक बालक की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह लगभग तीन बजे मेहसाणा के ओएनजीसी सर्किल पर जाम लगा था। डूंगरपुर के शास्त्री कॉलोनी का परिवार टवेरा कार में सवार होकर हसन पीर की दरगाह पर जियारत करने जा रहा था। उनकी कार एक ट्रक के पीछे खड़ी थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे लकड़ी से भरे एक ट्रक ने अनियंत्रित होकर उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार आगे जाकर दूसरे ट्रक में फंस गई। कार अंदर से लॉक हो गई, जिससे बचाव कार्य में कठिनाई आई। घायलों को क्रेन की मदद से कार से निकाला गया। हादसे में 11 वर्षीय मोहम्मद हुसैन की मौत हो गई और हुसैना पत्नी जाकिर हुसैन नाहरवाल, नफीसा पत्नी हुसैन, उनके बेटे अल्फिया पत्नी खोजेमा नाहरवाला, अल्फिया पत्नी मुस्तफा, रशीदा खेरवाडावाला, नफीसा और जांबिया होजेमा नाहरवाला घायल हो गई। सभी घायलों को अहमदाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मेहसाणा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही डूंगरपुर के बोहरा समुदाय के लोग गुजरात के लिए रवाना हो गए।

पानी में डूबा युवक, तलाश जारी

टोंक, (निसं)। दूनी थाना क्षेत्र के धारोला गांव के पास बुधवार शाम को कचोलाई नाडी (तालाब) में नहाने गए युवक के बहने के बाद गुरुवार को तलाश जारी है। वहीं दूनी थाना प्रभारी हेमंत जनागल के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम युवक के तालाब में डूबने की आशंका से बुधवार शाम से ही तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर को धारोला निवासी रमेश मीणा जो गांव से करीब आधा किमी दूर श्मशान की ओर कचोलाई नाडी में नहाने गया था, वापस नहीं आने पर परिजनों ने उसे तलाशा। इस दौरान वह तालाब पर नहीं मिला, लेकिन उसकी चप्पलें, मोबाइल और कपड़े तालाब के बाहर मिले।

युवक के तालाब में डूबने की आंशका पर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर दूनी थाना पुलिस व तहसीलदार मौके पर पहुंचे तथा एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया, जहां टीम ने रेस्क्यू कार्य प्रारम्भ कर युवक को तालाब में तलाशा जा रहा है। देर शाम तक युवक का कोई पता नहीं लगा है।

प्रतापगढ़ के कई गांवों में तेज कंपन हुआ, लोगों में भय

- ग्रामीणों के अनुसार कंपन करीब चार सेकंड तक चला, ठीक पहले विस्फोट जैसी आवाज भी सुनाई दी

उदयपुर, (निसं)। संभाग के प्रतापगढ़ जिले के कई ग्रामीण इलाकों में बुधवार की देर रात को अचानक तेज कंपन और धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। धमोतर, कुलमीपुरा, टांडा और बोरी सहित कई गांवों में झटके महसूस किए गए, जिससे लोग भयभीत होकर घरों से बाहर निकल आए। ग्रामीणों के अनुसार कंपन करीब चार सेकंड तक चला और उससे ठीक पहले जोरदार विस्फोट जैसी आवाज भी सुनाई दी।

घटना के बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल है और सोशल मीडिया व व्हाट्सएप ग्रुपों पर लोगों ने इसे भूकंप का झटका बताते हुए सूचना साझा की। हालांकि मौसम विभाग और प्रशासन की ओर से अब तक किसी भूकंप की पुष्टि नहीं की गई है। जिला प्रशासन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए वास्तविक कारणों की जांच के लिए टीमें भेज दी हैं। जानकारों का मानना है कि यह संभवतः हल्के स्तर के भूकंपीय झटके हो सकते हैं।

कुछ ग्रामीणों और सीसीटीवी फुटेज में सामने आया है कि कंपन से ठीक पहले एक तेज विस्फोट जैसी आवाज सुनाई दी। क्योंकि आमतौर पर भूकंप के समय ऐसा विस्फोट जैसी आवाज कम सुनाई देती है, हालांकि कुछ मामलों में तेज ध्वनि या गड़गड़ाहट संभव है। हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि कुछ मामलों में भूकंप के दौरान धमाके जैसी आवाज सुनाई दे सकती है। ऐसी आवाज उस समय उत्पन्न होती है जब पृथ्वी के भीतर चट्टानें टूटती हैं या खिसकती हैं। इससे उत्पन्न ऊर्जा कुछ क्षेत्रों में ध्वनि तरंगों के रूप में बाहर निकलती है। भूकंप का केंद्र सतह के करीब हो धरती की सतह कठोर और चट्टानी हो और वातावरण शांत हो। ऐसे में कंपन के साथ साथ तेज आवाज या धमाका महसूस हो सकता है।

कलेक्टर डॉ. अंजली राजोरिया ने ग्रामीण क्षेत्रों में जांच टीमों को भेजा और कहा है कि प्रशासन पूरे मामले की गंभीरता से सीसीटीवी फुटेज व वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर जांच कर रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं और अफवाहों से दूर रहें।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति की हत्या की, दोनों गिरफ्तार

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर शराब में किटनाशक पदार्थ मिलाकर हत्या कर दी थी

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। किशनगढ़ सिटी थाना अंतर्गत गांव मुंडोलाव में ढाई वर्ष पूर्व पति की हत्या कर फरारी काट रही पत्नी सहित प्रेमी को धरदबोचा।

थाना प्रभारी भीखाराम काला ने बताया कि 3 अगस्त 2024 को गांव मुंडोलाव निवासी पांचूलाल रेगर ने मामला दर्ज कराया था कि पुत्रवधु पिंकी रेगर (32) ने गांव के ही प्रेमी हरिप्रसाद रेगर उर्फ हरि (30) को साथ लेकर मेरे पुत्र सुरेश कुमार की शराब में किटनाशक पदार्थ मिलाकर हत्या कर दी। शातिर आरोपियों ने हत्या को दुर्घटना का रूप देने के लिये साजिश रची, किंतु सच्चाई सामने आ ही गई। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिये ढाई साल से निरंतर संभावित ठिकानों पर दबिश दी, पर इनका कोई सुराग नहीं लग पाया। इस बीच मुखबिर की इत्तला पर पिंकी व इसके प्रेमी हरि रेगर को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। शुरूआती पूछताछ के दौरान कातिलों ने गुनाह करने से साफ इंकार कर दिया, लेकिन कड़ी पूछताछ के बाद हत्याकांड में संलिप्तता स्वीकार कर ली। हत्याकांड के खुलासे में पुलिस उप अधीक्षक ग्रामीण उमेश कुमार गौतम, गांधीनगर थाना प्रभारी संजय शर्मा, शहर थाना प्रभारी भीकाराम काला सहित स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

गांव मुंडोलाव में ढाई वर्ष पूर्व पति की हत्या कर फरारी काट रही पत्नी सहित प्रेमी को गिरफ्तार किया।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत

- महिला के साथ रिलेशन में था युवक, लंबे समय से नशे का आदी था

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के मलकाना खुर्द गांव में एक युवक की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। युवक लंबे समय से नशे का आदी था।

युवक की मां परमजीत कौर ने बताया कि नवजोत (25) कुछ समय से एक महिला के साथ रिलेशन में था। वह 13-एच ठंडा क्षेत्र में रह रहा था और मजदूरी का काम करता था। घटना के दिन वह गांव के ही करनी सिंह के साथ खेतों में मजदूरी करने गया था। जानकारी के अनुसार नवजोत पहले भी नशे की लत के कारण गंभीर समस्याओं से जूझ चुका था। एक बार नशे का इंजेक्शन लगाने के कारण उसके हाथ को काटना पड़ा था। उसके बड़े भाई लड्डू सिंह की भी पहले नशे के कारण मौत हो चुकी है। घटना वाले दिन नवजोत बेहोशी की हालत में बस स्टैंड पर मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे हेड कॉन्स्टेबल चैन सिंह ने उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। युवक की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

- प्रथमदृष्टया मामला लूट के बाद गला घोंटकर हत्या का प्रतीत हो रहा है, महिला घर में अकेली थी
- प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घर से करीब 15 हजार रुपए नकद, एक सोने का लॉकेट और अन्य आभूषण गायब हैं

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर शहर के पुरानी आबादी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर एक बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रथमदृष्टया मामला लूट के बाद गला घोंटकर हत्या का प्रतीत हो रहा है। महिला वार्ड संख्या 8 स्थित 7 नंबर स्कूल के पास अपने घर में अकेली थी।

जानकारी के अनुसार घटना के समय परिवार के तीन सदस्य किसी कार्यवश घर से बाहर गए हुए थे। घर लौटने पर परिजनों ने द्रोपदी देवी को अचेत अवस्था में पाया, जिसके बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को घटना की सूचना गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुरानी आबादी थाना प्रभारी ज्योति अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घर से करीब 15 हजार रुपए नकद, एक सोने का लॉकेट और अन्य आभूषण गायब हैं, जिससे लूट की पुष्टि संभावित हो रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए राजकीय चिकित्सालय की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार घटना संभवतया दोपहर के किसी समय की हो सकती है, जब मोहल्ले में सन्नाटा था।

नकदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पीड़ित को धोखे में रख नकदी हड़पने का प्रकरण दर्ज किया। पीड़ित प्रवीण माथुर ने ओमप्रकाश शर्मा पार्टनर मैसर्स विकेशर लाईफ फाईनेंस इन्द्रा नगर दुविपुरा कोटी सीकर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

महिला व किशोरी ने आत्महत्या की

- आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया

उदयपुर, (निसं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में महिला एवं किशोरी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार नाई थाना क्षेत्र कालीवास बछेडी फला निवासी भावना (35) पत्नी बाबूलाल गमेती ने 22 जुलाई को अपने मकान में फांसी लगा ली। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई पर्वतसिंह ने पीहर काया से परिजनों को बुलवा मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

इसी तरह नाई थाना क्षेत्र पई गांव निवासी गुड्डी (17) पुत्री राजमल भील ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। हेड कांस्टेबल ललित नागदा ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। गुड्डी नवीं कक्षा में फेल हुई थी। गत दिनों एडमिशन कराने के बाद स्कूल नहीं जाने पर बुधवार को पिता ने एतराज किया था।

जालमसिंह हत्याकांड के मुख्य व सह आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

- 15 लाख की वसूली के लिए अपहरण कर हत्या करने का आरोप है

जोधपुर, (कासं)। सांचोर के बहुचर्चित जालम सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपी भागीरथ विश्नोई व सह आरोपी रोहित विश्नोई की राजस्थान हाईकोर्ट ने जमानत याचिका खारिज की है।

जानकारी के अनुसार गत वर्ष 18 अगस्त को पुलिस थाना सांचोर में परिवादी अनोप सिंह ने यह लिखित प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि मेरा छोटा बेटा जालम सिंह हुबली में भागीरथ विश्नोई की लॉज पर नौकरी करता था। भागीरथ कुछ समय से उसको वेतन नहीं दे रहा था। जालम सिंह ने भागीरथ से तनख्वाह के बकाया रुपए मांगे तो भागीरथ विश्नोई ने उसे नौकरी से निकाल दिया। तब से जालम सिंह मेरे पास गांव में रह रहा था। तब कुछ समय पहले भागीरथ घर पर आया और उसने कहा कि आपके बेटे जालम सिंह ने पुलिस में हमारी मुखबिरी करके हमारी लॉज से डोडा पकड़ा दिए हैं, जिस कारण हमें 15 लाख रुपयों का खर्चा आया है, इसलिए आप मुझे 15 लाख रुपए दो अन्यथा मैं आपके बेटे को मारे बगैर नहीं छोड़ूंगा। तब मैंने मेरे बेटे जालम सिंह को बुलाया और सभी के सामने उसने भागीरथ से कहा कि उसने आपकी लॉज से डोडा नहीं पकड़वाया था, लेकिन भागीरथ संतुष्ट नहीं हुआ और मौका मिलने पर जान से खत्म करने की धमकियां देकर चला गया। इसके बाद 17 अगस्त को दोपहर दो बजे जालम सिंह गोव सांगड़वा से सांचोर जाने का कहकर निकला था और शाम को 6 बजे वाली लास्ट बस से जब जालम सिंह घर पर नहीं आया तो उसके मोबाइल पर 3-4 बार फोन किया तो फोन रिसीव नहीं हुआ। फिर वापस फोन लगाया तब मुल्जिम भागीरथ ने जालम सिंह का फोन उठाया और बताया कि मैं भागीरथ बोल रहा हूं आपके लड़के जालम सिंह को मैं उठाकर घर लेकर आया हूं। आपके लड़के की मुखबिरी के कारण मुझे 15 लाख रुपए का नुकसान हुआ हैं। आप 15 लाख रुपए पहुंचा दो वरना हम आपके लड़के को जान से खत्म कर देंगे। फिर भागीरथ ने जालम सिंह की मेरे से फोन पर बात करवाई तो जालम सिंह ने रोते हुए बताया कि पापा यह लोग मेरे साथ बुरी तरीके से मारपीट कर रहे हैं, आप 15 लाख रुपए लेकर जल्दी आओ। अगर रुपए नहीं पहुंचाए तो यह लोग मेरी हत्या कर देंगे।

उस रिपोर्ट पर पुलिस थाना सांचोर ने भागीरथ विश्नोई व अन्य सह-आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर दौराने अनुसंधान उन्हें गिरफ्तार किया था। मुकदमे में भागीरथ विश्नोई व अन्य सह-आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रकरण में चार्जशीट पेश कर वर्तमान में मुकदमा अपर सेशन न्यायाधीश सांचोर में चल रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर में इस सेशन केस के मुख्य मुल्जिम भागीरथ विश्नोई तथा सह आरोपी रोहित विश्नोई की ओर से उनके वकील ने जमानत प्रार्थना पत्र पेश किया जिसका परिवादी अनोप सिंह की ओर से एडवोकेट निखिल भण्डारी ने विरोध जताया। उन्होंने कोर्ट में बताया कि भागीरथ विश्नोई ने रोहित विश्नोई व अन्य सह आरोपियों के साथ मिलकर जालम सिंह के साथ बुरी तरह मारपीट करके उसे 40 चोटें पहुंचाकर नृशंस हत्या की है जिसकी खुलेआम धमकी उन्होंने अनोप सिंह के घर आकर जालम सिंह को दी थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने मुख्य मुल्जिम भागीरथ विश्नोई तथा सहआरोपी रोहित विश्नोई का जमानत प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

दो ट्रक यूनियनों के बीच चल रहा विवाद हिंसक हुआ

- धानमंडी में मारपीट और हवाई फायरिंग, 15 लोग हिरासत में, पुलिस ने नाकाबंदी करवाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीविजयनगर में दो ट्रक यूनियनों के बीच चल रहा विवाद हिंसक हो गया। नई धान मंडी में दोनों गुटों के बीच मारपीट हुई और हवाई फायरिंग की घटना सामने आई।

श्रीविजयनगर में दो ट्रक यूनियन कार्यरत हैं। धान मंडी के बाहर स्थित यूनियन का संचालन प्यारा सिंह करते हैं। नई धान मंडी में स्थित दूसरी यूनियन के संचालक प्रेम खख हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भंवरलाल के अनुसार आज प्यारा सिंह की यूनियन के लोग नई धान मंडी में पहुंचे। वहां दूसरे पक्ष के लोगों से उनकी मारपीट हो गई। दोनों गुटों के बीच लाठी-डंडे चले। इस दौरान एक खड़ी कार क्षतिग्रस्त हो गई। किसी व्यक्ति ने दूर से हवा में फायरिंग भी की। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। फायरिंग करने वाले व्यक्ति और उसकी गाड़ी की पहचान कर ली गई है। उसे पकड़ने के लिए जिले में नाकाबंदी की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जेवर व नकदी चोरी : उदयपुर के गोगुन्दा कस्बे में स्थित सूने मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। अन्यत्र घासा थाना क्षैत्र में सूने मकान से चोर जेवर व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार डालु पुत्र वजा मेघवाल निवासी रावलिया कला गोगुन्दा ने अज्ञात चोर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 22 जुलाई रात में अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़ कर चांदी की पायल, 2 बाइक, 20 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

शमशान घाट में पानी भरने से अंतिम संस्कार में परेशानी

- ग्रामीणों ने जोधपुर-बाड़मेर हाइवे पर शव रखकर प्रदर्शन किया, शमशान में प्रदूषित पानी भरा है

जोधपुर, (कासं)। औद्योगिक इकाइयों व सीवरेज के प्रदूषित पानी के भराव से परेशान डोली गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को नेशनल हाइवे 25 जाम कर दिया। श्मशान घाट में पानी भर जाने के कारण अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं होने के चलते ग्रामीणों ने एक किशोर के शव को हाइवे पर रख दिया। इससे दोनों तरफ आने-जाने वाले वाहनों की लंबी लाइनें लग गई। ग्रामीणों का कहना था कि प्रदूषित पानी से कई सालों से परेशान हैं। बारिश के समय यह पानी ज्यादा होने की वजह से पूरा भर जाता है।

जानकारी के अनुसार जोधपुर की फैक्ट्रियों से रसायनिक पानी बहकर बालोतरा जिले के डोली, अराबा गांव सहित आसपास के इलाकों में पहुंच जाता है। इससे पूरा गांव डूबा हुआ है। अराबा स्कूल में पूरा पानी भरा हुआ है। इससे बच्चों की पढ़ाई खराब हो रही है। इसको लेकर स्कूल के टीचरों ने शिक्षा विभाग व प्रशासन को भी अवगत करवा दिया लेकिन कोई समाधान नहीं निकल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि डोली गांव निवासी भैराराम (16) पुत्र रामाराम मानसिक बीमारी से ग्रसित था। मथुरादास हॉस्पिटल में इलाज के दौरान गुरुवार को दम तोड़ दिया। वहां से गांव लेकर आए। अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जा रहे थे, लेकिन श्मशान घाट में प्रदूषित पानी भरा हुआ है। इस कारण अंतिम संस्कार नहीं कर पा रहे हैं। आक्रोशित लोगों ने शव को नेशनल हाइवे पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

हिंदी विषय की मुख्य सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा प्राध्यापक-विद्यालय (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत हिंदी विषय के पद हेतु पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन उपरांत मुख्य सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षांतर्गत 9 अप्रेल तथा 27 जून 2025 को हिंदी विषय के लिए जारी विचारित सूचियों में अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों की पात्रता जांच एवं दस्तावेज सत्यापन का कार्य संबंधित विभाग द्वारा किया गया। पात्रता जांच उपरांत उक्त विषय के विज्ञापित पदों के विरुद्ध 17 अभ्यर्थी को मुख्य सूची में सफल घोषित किया गया है।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जोविप्रा/2025-26/1076 दिनांक :- 23/07/2025

ई-निविदा सूचना संख्या - मुख्यालय/19/2025-26

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में पंजीकृत संवेदक जिनका पंजीयन 4 वर्ष की अवधि में पुनरावलोकन (Review) किया हुआ हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। इन कार्य की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा, शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. : JOD2526WLOB00207

राज.संवाद/सी/25/6809 अधिशाषी अभियंता

कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.

Office Telephone No. 01561-240245, E-mail- eotrn2009@gmail.com

क्रमांक :/न.पा.ता./2025-26/2451-55 दिनांक :-18.07.2025

ई-निविदा सूचना 06/2025-26

सर्व साधारण एवं पंजीकृत ठेकेदारो/फर्मो की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता है कि तारानगर नगरपालिका क्षैत्र में नगरपालिका तारानगर द्वारा स्वीकृत कार्य ऑनलाईन निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। नगरपालिका तारानगर द्वारा नगरपालिका, राज्य व केन्द्र सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो को कार्य हेतु पंजीकृत संवेदको से टेण्डर के माध्यम से दिनांक 22.07.2025 से दिनाक 30.07.2025 को निविदा ऑनलाईन आमंत्रित की जायेगी। जिसकी निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण व शर्ते वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

NIB CODE	UBN NO.
DLB2526A3795	DLB2526WSOB12057

राज.संवाद/सी/25/6839 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका तारानगर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर

क्रमांक-872 दिनांक-18.07.2025

ई-निविदा 11/2025-26 संशोधन सूचना

(डीआईपीआर प्रकाशन संख्या-9486 दिनांक-10.07.2025)

विवरण	पूर्व में डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक	संशोधित डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक
निविदा आवेदन/ डाउनलोड करने की की दिनांक	10.07.2025 को प्रात 09.30 बजे से दिनांक 18.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक	10.07.2025 को प्रात 09.30 बजे से दिनांक 27.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की दिनांक	10.07.2025 को प्रात 09.30 बजे से दिनांक 18.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक	10.07.2025 को प्रात 09.30 बजे से दिनांक 27.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	21.07.2025 को प्रात 11.00 बजे	28.07.2025 को प्रात 11.00 बजे

नोट-उपरोक्त निविदा के कार्यक्रम सं. 06 पर अंकित कार्य Construction of Addi. room and Garage in existing type-III residential accommodation for conversation into type-II at CJ&JM, Khajuwala में आंशिक संशोधन के अनुसार अब उक्त कार्य अनुमानित लागत 15.25 लाख के स्थान पर 16.05 लाख पढ़ी जावे जिससे उक्त कार्य की धरोहर राशि 2 प्रतिशत राशि 32100/- एवं आधा प्रतिशत 8025/- जमा करवानी होगी।

शेष नियम एवं शर्ते निविदानुसार यथावत रहेगी।

UBN No.-(1) PWD2526WSOB06322, (2) PWD2526WSOB06323, (3) PWD2526WSOB06324, (4) PWD2526WSOB06325, (5) PWD2526WSOB06326, (6) PWD2526WSOB06327

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. जिला खण्ड प्रथम, बीकानेर

DIPR/C/10349/2024

विधान सभा में कारगिल वीरांगनाओं का सम्मान किया

कारगिल शौर्य वाटिका में शहीदों की याद में लगाये पौधे

देवनानी (बीच में) ने विधान सभा परिसर में बनाई गई कारगिल शौर्य वाटिका का पट्टिका अनवारण कर उद्घाटन किया।

- **देवनानी ने कारगिल शौर्य वाटिका में वीरांगनाओं के साथ सिंदूर का पौधा रोपा**

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधान सभा का यह लोकतंत्र का पावन स्थल अब वीर शहीदों की शहादत की स्मृति में राष्ट्र प्रेरणा का तीर्थ भी बन गया है। अब यहां से वीरता की गूंज भी निकलेगी। देवनानी ने कहा कि जय हिन्द हमारे लिए गर्व का घोष है। राष्ट्र की रक्षा में अपने परिजनों को समर्पित करने वाली वीरांगनाएं समाज के लिए हाडी रानी है। इनके ऋण को तो हम चुका नहीं सकते, लेकिन उनकी स्मृति को बनाये रखने और वीरांगनाओं का सम्मान करने का दायित्व हम सभी को मिलकर निभाना है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी गुरुवार को राजस्थान विधान सभा में कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर देवनानी ने 21 वीरांगनाओं का शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। देवनानी ने इस अवसर पर विधान सभा परिसर में शहीदों की शहादत की अमिट स्मृति के लिए बनाई गई कारगिल शौर्य वाटिका का पट्टिका अनवारण कर उद्घाटन किया। देवनानी ने कारगिल शौर्य वाटिका में वीरांगनाओं के साथ सिंदूर का पौधा रोपा। विधान सभा में हरियाली अमावस्या पर आयोजित इस राष्ट्रभक्ति समारोह के तहत राज्य सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण ने भी वीरांगनाओं के साथ वाटिका में सिंदूर, एरिका पाम, सांग ऑफ इण्डिया, किसना फाइकस और क्रोटोन प्रजाति के एक हजार एक सौ पौधे लगाए। देवनानी ने कहा कि विधानसभा परिसर में निर्मित यह वाटिका प्रत्येक जनप्रतिनिधि को किसी क़ानून पर हस्ताक्षर करते समय याद दिलाएगी कि वीर शहीदों के कारण ही राष्ट्र और संविधान की रक्षा संभव है।

उन्होंने कहा कि सीमाओं पर लडा गया कारगिल युद्ध आत्मबल, राष्ट्रभक्ति और त्याग का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है। यहां के कण-कण में शौर्य गूंजता है। हम हाडी रानी के वंशज है जिन्होंने अपने वीर पति को युद्ध भूमि में अपना कटा शीश भेज दिया था। समस्त वीरांगनायें हमारे लिये हाडी रानी ही है।सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड ने कहा कि राजस्थान विधान सभा में कारगिल शौर्य वाटिका का निर्माण और वीरांगनाओं का सम्मान के लिए विधान सभा अध्यक्ष देवनानी की सोच सम्मानीय है।

उन्होंने कहा कि वीरांगनाओं के सम्मान की जिम्मेदारी हम सभी की है। विशेषकर जिस गांव में वीरांगना निवास कर रही है, वहां के लोगों की जिम्मेदारी अधिक हो जाती है। राठौड ने कहा कि कारगिल अनोखा युद्ध था। इस युद्ध में भारतीय सेना का विपरित परिस्थितियों में विजयी होना अभूतपूर्व है। शौर्य वाटिका का निर्माण अभूतपूर्व पहल- वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि राजस्थान विधान सभा में शौर्य वाटिका का निर्माण अभूतपूर्व पहल है। यह वाटिका प्रकृति संरक्षण में योगदान के साथ-साथ शहीदों की स्मृति का पावन स्थल भी बन गई है।

सेवानिवृत्त महिला व्याख्याता को 3.5 वर्ष का बकाया वेतन व सेवानिवृत्ति लाभ मिलेगा

राजस्थान हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ ने शुक्रवार को एक अहम फैसले में राज्य सरकार को आदेश दिया है कि वह डॉ. कृष्णा जैन, पूर्व व्याख्याता (राजनीति विज्ञान), मीरा गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, संगरिया, जिला हनुमानगढ़ को जनवरी 2016 से लेकर जुलाई 2019 तक का बकाया वेतन तथा समस्त सेवानिवृत्ति लाभ तीन माह की अवधि में अदा करे। यह निर्णय न्यायमूर्ति सुदेश बंसल की एकल पीठ द्वारा सुनाया गया।

याचिकाकर्ता डॉ. कृष्णा जैन की ओर से अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी ने पैरवी की, जबकि राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता आदित्य सिंह उपस्थित हुए।

याचिका में यह कहा गया था कि डॉ. जैन को वर्ष 1983 में मीरा गर्ल्स कॉलेज में नियमित चयन के आधार पर व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) के पद पर नियुक्त किया गया था, जो उस समय एक अनुदानित महाविद्यालय था और राज्य सरकार से 70प्रतिशत अनुदान प्राप्त करता था।

वर्ष 2013 में राज्य सरकार ने इस कॉलेज को अधिगृहित कर इसके प्रबंधन, चल-अचल संपत्तियाँ एवं समस्त दायित्व अपने अधीन ले लिए। हालांकि, बाद में इस अधिग्रहण को निरस्त करने का प्रयास किया गया, जिसे न्यायालय ने अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता जुलाई 2019 में सेवानिवृत्त हो गईं, किंतु उन्हें दिसंबर 2015 के बाद का वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी, लीव एनकैशमेंट, वेतन पुनर्निर्धारण, चयन वेतनमान आदि आज तक नहीं दिए गए। न्यायालय ने स्पष्ट रूप से यह कहा कि एक बार जब राज्य सरकार ने कॉलेज का अधिग्रहण कर लिया उच्चतम न्यायालय द्वारा भी इस अधिग्रहण को वैध ठहरा दिया गया, तो उस संस्था के समस्त दायित्वों की ज़िम्मेदारी भी सरकार की ही मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता एक स्वीकृत एवं अनुदानित पद पर कार्यरत थीं, और उनकी सेवा 2013 के आदेश के तहत राज्य सरकार द्वारा मानी गई थी। इसलिए राज्य सरकार उन्हें उनके सेवानिवृत्ति तक की समस्त देनदारियों के भुगतान की जिम्मेदारी से इंकार नहीं कर सकती। यदि राज्य सरकार यह मानती है कि कॉलेज का प्रभावी अधिग्रहण 2020 में हुआ, तब भी कम-से-कम 70 प्रतिशत देनदारी तो उसकी बनती ही है और शेष 30 प्रतिशत वह कॉलेज प्रबंधन समिति से वसूल सकती है।

न्यायालय ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार जनवरी 2016 से 31 जुलाई 2019 तक का वेतन, पेंशन, अवकाश नकदीकरण, चयन वेतनमान और सभी संशोधित वेतनमान के लाभ। इस अवधि के उपरांत भुगतान न होने पर बकाया वेतन पर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज तथा सेवानिवृत्ति लाभों पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देय होगा।

60 लाख की मादक पदार्थ स्मैक सहित तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने मुहाना थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 256 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित परिवहन में प्रयुक्त एक बिना नम्बरी बाइक भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार जब्त की गई स्मैक की अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी है। फिलहाल आरोपित तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (अपराध) रियाल सिंह ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने मुहाना थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले प्रिंस मालाक्त (19) निवासी डिग्गी जिला टोंक हाल मुहाना जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को तलाशी में उसके पास 256 ग्राम स्मैक मिली है।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने केंद्रीय मंत्रियों से की मुलाकात

जोराराम कुमावत(बांये) ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत (दांये) से भी शिष्टाचार भेंट की।

जयपुर। राजस्थान के पशुपालन एवं डेयरी गोपालन एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की।

कुमावत ने केंद्रीय पशुपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह से भेंट कर उन्हें राजस्थान में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं

- **बीकानेर हाउस में तीज मेले का भी किया अवलोकन**

नवाचारों की जानकारी दी। कुमावत ने विभाग द्वारा अब तक किए गए उल्लेखनीय कार्यों का संकलन 'प्रगति पुस्तिका' के रूप में भेंट कर केंद्रीय मंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने राजस्थान के लिए पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं, योजनाओं में केंद्रीय अंश बढ़ाने तथा भावी सहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की एवं संबंधित मांगें उनके समक्ष प्रस्तुत की। इसी क्रम में कुमावत ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भी शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर कुमावत ने उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं एवं विकासात्मक कार्यों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने पशुपालन विभाग द्वारा अब तक किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत करती पुस्तिका भी केंद्रीय मंत्री को भेंट की। कैबिनेट मंत्री कुमावत ने नई दिल्ली में पाली लोकसभा से सांसद एवं वन नेशन, वन इलेक्शन पर गठित संयुक्त संसदीय समिति के चेयरमैन पी. पी. चौधरी से भी शिष्टाचार भेंट की।

बैठक आयोजित

जयपुर । सरकार के आदेशों की अनुपालना में गुरुवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में नगरीय प्रशासन को और अधिक प्रभावशाली, समावेशी बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य के नगरीय निकायों के पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन से जुड़े प्रस्तावों पर गहन परीक्षण और विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सुरेश सिंह रावत, संजय शर्मा, गौतम कुमार तथा झाबर सिंह खर्रा द्वारा इस बैठक में पुर्नसीमांकन के प्रस्तावों पर समीक्षा एवं विचार विमर्श किया गया।

"लहरिया उत्सव" का रंगारंग आयोजन छह अगस्त को

जयपुर। नृत्यम फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध समाज सेविका काजल सैनी के नेतृत्व में इस वर्ष का "लहरिया उत्सव" बड़े धूमधाम से आयोजित किया जाएगा । यह सांस्कृतिक उत्सव छह अगस्त को स्वेज फार्म स्थित हीरा वैली रिसोर्ट में होगा। जिसमें महिलाओं और युवतियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

नृत्यम फाउंडेशन की अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध समाज सेविका काजल सैनी ने बताया कि "लहरिया उत्सव" में डांस प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, फैशन शो और कई अन्य सांस्कृतिक आकर्षण प्रतियोगिताओं में विजेताओं को सम्मानित अतिथि गणों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और उन्हें एक रचनात्मक मंच प्रदान करना है। सैनी ने बताया कि इस वर्ष की थीम "लहरिया" रखी गई है, जो राजस्थान की पारंपरिक संस्कृति और सावन की उमंग को दर्शाती है। इस थीम के तहत महिलाएं रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में लहरिया संगीत और गीतों पर नाचती-झूमती नजर आएंगी, जो कार्यक्रम की शोभा को और भी बढ़ाएगा। इस कार्यक्रम से पूर्व सभी प्रतिभागियों को पांच दिवसीय डांस ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसके माध्यम से वे अपनी प्रस्तुति को और भी प्रभावशाली बना सकेंगी। यह प्रशिक्षण छह अगस्त को मंचित होने वाली प्रस्तुतियों का हिस्सा होगा।

काजल सैनी ने बताया कि "सावन सिर्फ ऋतु नहीं, एक उत्सव है भावनाओं का, रचनात्मकता का और नारी शक्ति के उत्साह का।

कृत्रिम गर्भाधान में पिछड़े 10 जिलों के लिये योजना बनाई

जयपुर। गर्भाधान में पिछड़े राजस्थान के 10 जिलों के लिए पशुपालन विभाग ने विशेष योजना बनाई है। इसके तहत केंद्र सरकार को 40 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है।इस प्रस्ताव को लेकर राजस्थान सरकार के

पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पशुपालन मंत्री राजीव रंजन सिंह से भेंट की।

कुमावत ने केंद्रीय मंत्री को राजस्थान में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं नवाचारों की जानकारी दी। कुमावत ने विभाग द्वारा अब तक किए गए उल्लेखनीय कार्यों का संकलन 'प्रगति पुस्तिका' के रूप में भेंट कर केंद्रीय मंत्री का मार्गदर्शन प्राप्त किया। उन्होंने राजस्थान के लिए पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न आवश्यकताओं, योजनाओं में केंद्रीय अंश बढ़ाने तथा भावी सहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की एवं संबंधित मांगें उनके समक्ष प्रस्तुत की।

जोराराम कुमावत ने बताया कि राज्य के 10 जिलों - बाड़मेर, जालौर, बीकानेर, टोंक, राजसमन्द, पाली,

- **उन्नत नस्ल सुधार के लिए राजस्थान को मिलेगी ब्राजील नसल के सांड के सीमन की डोज**

प्रतापगढ़, सिरोही, झालावाड़, चित्तौड़गढ़ में कृत्रिम गर्भाधान कवरेज 10 प्रतिशत से कम है इनमें एआई हेतु आवश्यक संसाधनों के स्ट्रेंगथेनिंग के लिए एक विशेष परियोजना भारत सरकार को राशि 40 करोड़ की स्वीकृति हेतु भेजी गई है । इसकी स्वीकृति के लिए केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक जवाब दिया है ।

कुमावत ने बताया कि गिर गाय में उन्नत नस्ल सुधार के तहत राजस्थान को गिर गाय में एआई के लिए केंद्र सरकार से 2380 डोजेज की माँग की गई है। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री को प्रस्ताव सौंपा गया है । उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के अंतर्गत राजस्थान को ब्राजील नसल के सांड का सीमन गिर गाय को लगाया जाएगा। इससे गिर गाय के दूध की मात्रा बढ़कर 40 से 50 लीटर तक हो जाएगी।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, पाली लोकसभा से सांसद एवं वन नेशन, वन इलेक्शन पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ( ) के चेयरमैन पी. पी. चौधरी से भी शिष्टाचार भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर कुमावत ने उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं एवं विकासात्मक कार्यों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने पशुपालन विभाग द्वारा अब तक किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत करती पुस्तिका भी केंद्रीय मंत्री को भेंट की। कुमावत ने पी. पी. चौधरी से पाली लोकसभा सहित राजस्थान से जुड़े विभिन्न जनहित के विषयों पर सार्थक चर्चा की । मंत्री जोराराम कुमावत ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान बीकानेर हाउस में 30 जुलाई तक चलने वाले तीजोत्सव और हस्तशिल्प मेले का अवलोकन किया। इस दौरान कुमावत ने कहा कि राजस्थानी कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को देश दुनिया तक पहुंचाने के लिए ऐसे मेले मिल का पत्थर साबित हो सकते हैं।

आर.यू.एच.एस. को रिम्स के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया तेज

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) को राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) के रूप में विकसित करने की दिशा में तेज़ी से कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने आरयूएचएस परिसर में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

खींवसर ने बताया कि राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 750 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। उन्होंने अधिकारियों से वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियों को शीघ्रता से जारी करवाने और निविदा प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रिम्स का विकास जयपुर सहित पूरे प्रदेश के नागरिकों के लिए उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शोध के नए द्वार खोलेगा।

चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने बताया कि रिम्स का विकास तीन चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में मौजूदा सुविधाओं को सुदृढ़ कर सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार, दूसरा

- **चिकित्सा मंत्री ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, 750 करोड़ की योजना पर तेजी से काम शुरू**

चरण में समर्पित सुपर स्पेशियलिटी विभागों की स्थापना और तीसरे चरण में शोध और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि ट्रॉमा सेंटर, थैलेसीमिया यूनिट, जीरियाट्रिक्स रिसर्च सेंटर और क्रिटिकल केयर ब्लॉक जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनकर तैयार है और इसका लोकार्पण जल्द होगा।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी कार्यों के लिए स्पष्ट टाइमलाइन सहित एक्शन प्लान तैयार किया जाए। किसी भी स्तर पर आ रही बाधाओं की तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी सराहा कि अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं 247 उपलब्ध हैं और आसपास के जिलों से रेफर केस भी यहां लाए जाएं, जिससे विशेषज्ञ सेवाओं का अधिकतम उपयोग हो सके।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों पर लाठी-डंडों से हमला

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के चंदवाजी थाना इलाके में स्थित पेट्रोल पंप पर लाठी-डंडों से हमला करना का मामला सामने आया है। जो पहले पंप पर लूट की वारदात कर चुके थे। कर्मचारियों ने उन्हें पहचान लिया तो मौके से चले गए। फिर पेट्रोल पंप पर पहुंचकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। नकदी और सामान लूटकर भाग गए। हमले में सिक्योरिटी गार्ड घायल हो गया। पुलिस फुटेज के आधार पर कार सवार हमलावरों की तलाश कर रही है।

थानाधिकारी हीरालाल सैनी ने बताया कि दिल्ली-अजमेर हाईवे पर चंदवाजी स्थित बीलपुर में पेट्रोल पम्प पर वारदात हुई। बुधवार-गुरूवार की मध्यरात्रि तीन लड़के कार में डीजल डलवाने के लिए पेट्रोल पम्प पर आए थे।

पेट्रोल पम्प पर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें पहचान लिया। करीब 15-20 दिन पहले बिना पेमेंट किए डीजल भरवाकर भागने की बात बताई। कार सवार लड़के झगड़ा कर धमकी देकर मौके से फरार हो गए। कार से उतरे चार-पांच लड़कों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

ए.सी.बी. डीजी और प्रमुख खाद्य सचिव से मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायत पर जांच की स्वीकृति नहीं देने से जुड़े मामले में एसीबी के डीजी और प्रमुख खाद्य सचिव सचिव अन्य से जवाब मांगा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता टीएन शर्मा ने 7 सितंबर, 2021 को एसीबी में शिकायत दी थी। जिसमें कहा गया था कि खाद्य विभाग ने पीओएस मशीनों की खरीद व रखरखाव के लिए 135 करोड रुपए के टेंडर जारी किए। शिकायत में दो फर्मों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर हासिल करने का आरोप लगाया गया। याचिका में कहा गया कि एसीबी ने शिकायत दर्ज कर धारा 17ए के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए विभाग से स्वीकृति मांगी, लेकिन विभाग ने स्वीकृति नहीं दी। याचिका में कहा गया कि टेंडर लेने वाली फर्म में चीनी माल सप्लाई किया है और टेंडर की शर्तो की अवहेलना की गई। टेंडर शर्त के अनुसार पीओएस मशीनों की देखरेख के लिए फर्म को हर ब्लॉक व जिला स्तर पर कर्मचारियों की नियुक्ति करनी थी,

- **जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की याचिका पर दिए**
- **शिकायत में दो फर्मों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर हासिल करने का आरोप लगाया**

लेकिन फर्म ने कोई नियुक्ति भी नहीं की। इसके बावजूद भी मिलीभगत और षडयंत्र के तहत राज्य सरकार की ओर से इन दोनों फर्म को नियमित भुगतान किया जाता रहा। याचिकाकर्ता की ओर से एसीबी को कई बार इस संबंध में शिकायत की गई, लेकिन एसीबी ने मामले में कार्रवाई नहीं की। याचिका में कहा गया कि एसीबी को जांच की स्वीकृति के लिए विभाग से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं थी। इसके बावजूद भी स्वीकृति नहीं मिलने का बहाना बनाकर मामले से पल्ला झाड लिया गया। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

हरियालो राजस्थान अभियान में 27 जुलाई को हेरिटेज निगम 1.50 लाख पौधे लगाएगा

जयपुर। हरियालो राजस्थान अभियान को लेकर तीज महोत्सव पर हेरिटेज निगम ने बड़ा इनिशिएटिव लिया है। 27 जुलाई को हेरिटेज निगम निगम क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर कुलडेढ़ लाख पौधे लगाकर तीज महोत्सव मनाएगा।

- **हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल की विशेष अपील**
- **हेरिटेज निगम के प्रत्येक जोन में लगेंगे 30 हजार पौधे लगाए जाएंगे**

आयुक्त निधि पटेल (दांये) ने निगम अधिकारी के साथ बैठक ली।

इस आयोजन के लिए हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने सभी शहरवासियों अपील भी की है। हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने बताया कि राज्यभर में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधरोपण किया जाएगा। इसी कड़ी में हेरिटेज निगम की ओर से डेढ़ लाख पौधे लगने का लक्ष्य लिया गया है। हेरिटेज निगम के प्रत्येक जोन में लगेंगे 30 हजार पौधे लगाए जाएंगे।

आयुक्त निधि पटेल ने इस अभियान में निगम के सभी अधिकारी, स्वच्छता प्रहरी के साथ साथ व्यापार मंडल स्वयंसेवी संस्था, निजी संस्थान, मोहल्ला विकास समिति, धार्मिक संगठनों, मीडिया संगठन को जुड़ने की अपील की है। उन्हों ए बताया कि हेरिटेज निगम के सभी पार्को में , शमशान घाट, कब्रिस्तान, गोशाला और अन्य सार्वजनिक जगहों पर पौधे लगाए जाएंगे।

आमजन निगम के पार्को के जाकर प्रकृति की रक्षा के लिए पौधे लगा सकता है।

अभियान को सफल बनाने के लिए हेरिटेज निगम कि ओर से सभी 266 पार्क, श्मशान घाट, कब्रिस्तान, सार्वजनिक स्थान, हिंगोनिया गोशाला पौधे रखवाएं का रहे है। 27 जुलाई को अभियान सुबह छह बजे से शुरू हो जाएगा।

सहकारिता मंत्री ने की सहकार जीवन रक्षा बीमा योजना की समीक्षा

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि किसानों को अधिक से अधिक राहत प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अल्पकालीन सहकारी साख संरचना के अंतर्गत फसली ऋण प्राप्त करने वाले किसानों के बीमा के लिए व्यावहारिक विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे किसानों पर प्रीमियम का भार कम आए और उनके दावों का निस्तारण आसानी से हो सके।

दक गुरुवार को अपेक्स बैंक सभागार में सहकार जीवन रक्षा बीमा योजना की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में यह देखा गया है कि बीमा कम्पनियों द्वारा वसूले जाने वाले प्रीमियम और क्लेम की राशि में काफी अंतर होता है। बीमा कम्पनी द्वारा किसानों को किये जाने वाले दावों के भुगतान की राशि वसूले जाने वाले प्रीमियम की राशि की तुलना में बहुत कम होती है। अधिक प्रीमियम राशि के कारण किसानों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि किसानों को बीमा कम्पनियों की मनमानी से बचाने तथा उन्हें आर्थिक राहत दिलाने के लिए रिस्क रिलीफ फंड बनाया जाए।

फायरिंग कर युवक को गोली मारने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 18 जुलाई की रात को लूट के दौरान फायरिंग कर युवक को गोली मारने के मामले में दो बदमाशों को पकड़ा है।जिसमें एक बाल अपचारी है। वहीं इस मामले में पुलिस फरार दो साथी बदमाशों की तलाश में दबिश दे रही है। पूछताछ में सामने आया है कि शौक के लिए लूट की वारदात करने निकलने थे। पकड़े जाने के चलते फायर किया। लेकिन युवक को गोली लग गई। डर के मारे पैदल भागकर फरारी के लिए

- **शौक के लिए लूट की वारदात करने चारों साथी कार लेकर निकले थे**

शहर से बाहर जाना चाहते थे।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी मालवीय नगर) आदित्य पूनिया ने बताया कि बजाज नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 18 जुलाई की रात को लूट के दौरान फायरिंग कर युवक को गोली मारने के मामले में आरोपी विकास यादव (23) निवासी प्रागपुरा कोटपूतली बहरोड को

युवक को गोली मारने के मामले में आरोपी विकास यादव (23) निवासी प्रागपुरा कोटपूतली बहरोड को गिरफ्तार किया

गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में शामिल नाबालिग साथी को भी पकड़ा है। लूट व हत्या के प्रयास में शामिल उनके साथी मोनू धनकड़ और जसराज गुर्जर उर्फ जस्सी की तलाश की जा रही है। पुलिस टीमें फरार साथियों को पकड़ने के लिए दबिश देने के साथ ही पकड़े गए आरोपियों से वारदात में यूज अवैध देसी कट्टे की बरामदगी के प्रयास कर रही है। पुलिस ने वारदातस्थल पर छोड़कर भागी बिना नंबर की स्विफ्ट कार को पहले ही जब्त कर लिया था।

पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ में सामने आया कि शौक के लिए लूट की वारदात करने चारों साथी कार लेकर निकले थे। 18 जुलाई की रात करीब 12 बजे गांधी नगर रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ी युवती से मोबाइल छीन लिया। कार से भागते समय शाहिद के गट्टे वाले बाबा की दरगाह के पास आगे रोड बंद होने पर रुक गए। पीछा कर रहे कार सवार के पकड़ने आने पर देसी कट्टा निकालकर फायर किया।

शाहपुरा बाईपास के निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन

बाईपास मार्ग निर्माण में हुई अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच की मांग की

शाहपुरा, (निसं)। नगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा शाहपुरा बाइपास मार्ग की बदहाल स्थिति और निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन उपखंड कार्यालय के समक्ष किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

शाहपुरा-बनेड़ा विधानसभा क्षेत्र से नरेंद्र कुमार रेगर एवं नगर कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष रमेश सेन, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महावीर कुमावत की मौजूदगी में प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बाइपास मार्ग निर्माण में हुई अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए, दोषी ठेकेदारों और संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो, अधूरा निर्माण कार्य तुरंत पूर्ण किया जाए तथा कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। नरेंद्र कुमार रेगर ने कहा कि यह केवल टूटी सड़क नहीं है, यह जनता के टूटे हुए विश्वास का प्रतीक है। कांग्रेस सड़क पर उतरकर जनता को उनका हक दिलवाएगी। कार्यवाहक नगर अध्यक्ष, रमेश सेन ने कहा कि भाजपा सरकार की निष्क्रियता और गहराते भ्रष्टाचार ने शाहपुरा की विकास योजनाओं को चौपट कर दिया है। अब जनता चुप नहीं बैठेगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने "भ्रष्टाचार मुक्त शाहपुरा" की मांग करते हुए नारेबाजी की। ज्ञापन के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस नेता लादूराम चावला, अर्जुन सिंह राणावत, नंदकिशोर टेलर, सत्यनारायण पाठक, रामप्रसाद धाकड़, माणक घुसर, अजय मेहता, प्रदेश सचिव चिकित्सा प्रकोष्ठ अतुल त्रिपाठी, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष नमन ओझा, नेता प्रतिपक्ष रचना सुनील मिश्रा, एडवोकेट अनिल शर्मा, पहलवान मंसूरी, युवा नेता मिंकू पोंडरिक, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष राम सिंह मीणा, नगर महामंत्री ओम सिंधी, सुनील पाराशर मंडल अध्यक्ष सांवरलाल कुमावत देवरिया सेवादल ब्लॉक अध्यक्ष जयंत जीनगर, यूथ कांग्रेस नगर अध्यक्ष अमन पोंडरिक पूर्व मंडल अध्यक्ष कैलाश फमड़ा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

- विरोध-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया

पुरानी रंजिश में पेंटर को मारा चाकू, आरोपी हिरासत में

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में एक बार फिर चाकूबाजी की घटना हो गई। ताजा मामला गुरुवार का है, जब एक पेंटर को पांडू के नाले के पास किसी ने चाकू मार दिया। बाद में उसके दोस्त उसे एमजी अस्पताल लेकर गए और भर्ती कराया। चाकूबाजी की घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की पूछताछ शुरू की।

जानकारी के अनुसार गुरुवार शाम चार बजे पेंटर आशिफ खान पांडू के नाले के पास जा रहा था। इस दौरान उस पर रोहित रेगर नाम के व्यक्ति ने हमला कर दिया। दोनों के बीच हाथापाई भी हुई। इस दौरान रोहित रेगर ने चाकू निकालकर हमला किया। आशिफ की किस्मत अच्छी रही कि चाकू उसके पेट की जगह हाथ पर लगा। रोहित मौका पाकर फरार हो गया। इस बीच उसके दोस्तों ने आशिफ को अस्पताल में भर्ती कराया। प्रताप नगर के थाना प्रभारी सुरजीत ने बताया कि चाकू मारने वाले आरोपी रोहित को डिटेन कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। शुरुआती तौर पर दोनों के बीच रंजिश का मामला बताया जा रहा है।

घायल युवक को दोस्तों ने अस्पताल में भर्ती कराया।

भीलवाड़ा जिले में 79649 अपात्र व्यक्तियों ने एनएफएसए का लाभ छोड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार समाज की अन्तिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी भावना के अनुरूप खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर 3 दिसम्बर 2024 को पूरे प्रदेश में महत्वाकांक्षी गिवअप अभियान की शुरूआत हुई जो सामाजिक सरोकार की योजना बन चुकी है एवं जिसका व्यापक असर पूरे प्रदेश में हुआ है।

जिला रसद अधिकारी अमरेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि अब तक जिले में 79649 लोगों ने गिवअप योजना के लाभ का त्याग किया है। उन्होंने अपात्र लाभार्थियों परिवार जिसमें कोई आयकरदाता हो, परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी/ अर्द्ध सरकारी/ स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारी /अधिकारी हो, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो एवं परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) निष्कासन सूची में आते हैं से अपील की है कि वे स्वेच्छा से जनहित में एनएफएसए योजना के लाभ का त्याग करें। उसके बाद अपात्र पाये जाने पर नियमानुसार 27 रूपये प्रति किलोग्राम से उनसे खाद्यान्न की वसूली की जायेगी एवं विधिक कार्यवाही की जायेगी। पूर्व में यह योजना 30 जून 2025 तक लागू थी किन्तु सरकार ने इसकी अन्तिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2025 कर दी है। सरकार की मंशा साफ है कि एनएफएसए योजना में शामिल अपात्र व्यक्तियों को योजना से हटाकर एनएफएसए योजना के लाभ से वंचित गरीब परिवारों को एनएफएसए योजना में शामिल कर उन्हें संबल बनाया जाये। गिवअप योजना के तहत पूरे प्रदेश में 24.06 लाख व्यक्तियों ने एनएफएसए सूचियों से अपना नाम हटा लिया है। जिले में 79649 व्यक्तियों ने गिव अप किया है जिससे हर माह 3,98,245 किलोग्राम गेहूँ एवं 1.07 करोड़ रूपये से अधिक की सब्सिडी की प्रतिमाह बचत होगी।

- हर माह 1.07 करोड़ रूपये से अधिक की सब्सिडी की बचत होगी

खनिज लीज़ की आड़ में चारागाह भूमि पर अवैध खनन का मामला उजागर

भीलवाड़ा, (निसं)। सुरास ग्राम पंचायत क्षेत्र स्थित डांग (चारागाह भूमि) में जिंदल शॉ लिमिटेड द्वारा खनिज लीज की आड़ में चारागाह भूमि पर अवैध खनन किए जाने का गंभीर मामला उजागर हुआ है। कंपनी को कुल 43.1921 हेक्टर भूमि लीज पर आराजी संख्या 2096/1 स्वीकृत थी, लेकिन इसके अतिरिक्त लगभग 4.7677 हेक्टर आरक्षित चारागाह भूमि आराजी संख्या 2096 तथा आराजी संख्या 1105 किस्म रास्ता पर भी खनन गतिविधियां पाई गईं।

जिला कल्टेक्टर को सुरास ग्रामवासियों द्वारा की गई शिकायत पर मांडल के उपखंड अधिकारी सीएल शर्मा ने निर्देश देते हुए निवर्तमान तहसीलदार सुमन गुर्जर को मौके पर जांच के लिए भेजा। इस पर तहसीलदार सुमन गुर्जर द्वारा मौका रिपोर्ट तैयार कर उपखंड अधिकारी को सौंपी गई। रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आया कि संबंधित स्थल पर न तो खनिज विभाग के मानक चिन्ह मौजूद थे और न ही वहां वैध लीज के अनुरूप कार्य हो रहा था। चारागाह भूमि में अवैध खनन स्पष्ट रूप से पाया गया। जब उपखंड अधिकारी शर्मा ने इस अवैधता पर कार्रवाई आरंभ की, तो उन पर कई स्तरों से दबाव बनाए जाने लगे। खास बात यह रही कि जिंदल शॉ लि. द्वारा चारागाह भूमि को भी अपने लीज क्षेत्र में शामिल करवाने के लिए एक फाइल उपखंड कार्यालय में प्रस्तुत की गई थी, जिसे स्वीकृत करवाने के लिए भी दबाव डाला जा रहा था। इसी दौरान छुट्टी के दिन रविवार 20 जुलाई की देर शाम को कार्मिक विभाग ने उनका एपीओ आदेश जारी कर दिया।

मामले में पूर्व में मौके पर जांच करने गई निवर्तमान तहसीलदार सुमन गुर्जर को मांडल से हटा कर कोटडी लगा दिया गया था और अब मांडल एसडीएम सीएल शर्मा को आगे कार्रवाई बढ़ाने से रोकने की बात पर यह एपीओ के आदेश जारी कर दिए गए। हालांकि कार्मिक विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश ने यह स्पष्ट कारण नहीं है कि हटाया किस कारण है, किन्तु दोनों पर इसी कार्रवाई को आगे बढ़ाए जाने पर गाज गिरी है। चारागाह भूमि और पेटा काश्त भूमि पर अवैध खनन का एक मामला वर्ष 2012-13 में भी ग्रामीणों द्वारा उठाया गया था, जिस पर भी पूर्व जांचें हुई और जिंदल शॉ लि. द्वारा अवैध खनन करना पाया गया था।

दुकानों व होटलों का निरीक्षण

डीडवाना, (निसं)। शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा विभाग व रसद विभाग की संयुक्त टीमों ने मकराना व डीडवाना में अनेक दुकानों, होटलों व जूस की दुकानों पर छापा मारा। इस दौरान टीम ने एक किराना स्टोर से काजू का नमूना लिया गया, जिसको खाद्य जन प्रयोगशाला अजमेर भेजा गया। खाद्य लाइसेंस की जांच की।

महात्मा गांधी स्कूलों से हटे लेक्चरार, प्रिंसिपल को पुराने स्कूलों में लगाया

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के महात्मा गांधी स्कूलों के लिए चयनित लेक्चरर और प्रिंसिपल की पोस्टिंग के बाद से खाली बैठे प्रिंसिपल और लेक्चरर को अब नई स्कूलों में भेज दिया गया है। ऐसे में करीब डेढ़ सौ सीनियर सैकंडरी स्कूल प्रिंसिपल मिल गए हैं, वहीं पांच सौ लेक्चरर भी सीनियर सैकंडरी स्कूल में पहुंच गए हैं। इस पोस्टिंग के चलते कई लेक्चरर और प्रिंसिपल को जहां घर के नजदीक जाने का मौका मिल गया, वहीं कुछ को काफी दूरी तय करनी पड़ेगी।

- चयनितों की पोस्टिंग के बाद से बिना काम ही बैठे थे, अब नए स्कूल में काम करेंगे

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय सीताराम जाट की ओर से जारी सभी पोस्टिंग ऑर्डर में प्रिंसिपल और लेक्चरर को तुरंत नए स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिए गए हैं। ये सभी प्रिंसिपल पहले महात्मा गांधी स्कूल में कार्यरत थे, लेकिन इन स्कूलों के लिए चयन हुए नए टीचर्स को पोस्टिंग दी गई है। ऐसे में पिछले कुछ दिनों से ये प्रिंसिपल और लेक्चरर महात्मा गांधी स्कूल में बिना काम ही बैठे थे। ऐसे में सरप्लस हुए इन टीचर्स को नई पोस्टिंग दी गई है। निदेशालय ने अधिकांश प्रिंसिपल और लेक्चरर को उनके पूर्व ब्लॉक में ही रिक्त पद पर पोस्टिंग देने का प्रयास किया है। अगर कहीं पद रिक्त नहीं है तो अन्य ब्लॉक या जिलों में पोस्टिंग देनी पड़ी है। बड़ी संख्या में लेक्चरर और प्रिंसिपल को मनचाहा स्थान मिल गया है।

पुष्कर सरोवर में श्रद्धालुओं ने स्नान किया

पुष्कर, (निसं)। सावन मास की हरियाली अमावस्या पर बड़ी संख्या में देश के कोने-कोने से श्रद्धालु ब्रह्म पुष्कर सरोवर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाकर अपने दिवंगत पूर्वजों के निमित्त पिंडदान तर्पणकर अपने परिवार की खुशहाली की मनोकामना की। शास्त्रों के मुताबिक पवित्र पुष्कर सरोवर में अमावस्या पर्व पर अपने दिवंगत पूर्वजों के निमित्त पिंडदान तर्पण करने का खास महत्व है, इसी मान्यता के चलते गुरुवार को हरियाली अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पुष्कर सरोवर में स्नान पूजा कर जगत पिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन किए।

पुष्कर के पंडित कैलाशनाथ गोपीनाथ दाधीच ने बताया कि हरियाली अमावस्या के पर्व पर जगत पिता ब्रह्मा के पुष्कर सरोवर में स्नान पूजा एवं पूर्वजों के निमित्त पिंडदान तर्पण करने का खास महत्व शास्त्रों में बताया गया है। इसी मान्यता के चलते हरियाली अमावस्या पर देश के कोने-कोने से श्रद्धालु पुष्कर पहुंचे और ब्रह्म सरोवर में आस्था की डुबकी लगाकर अपने परिवार की खुशहाली की मनोकामना की है, जिसके चलते पुष्कर सरोवर पर मेला जैसा नजारा देखा गया।

जबरन धर्म परिवर्तन मामले में कार्रवाई की मांग

अजमेर बार अध्यक्ष ने वकीलों के साथ कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

अजमेर, (कासं)। लोगों को झांसा देकर बहला-फुसलाकर कर जबरन धर्म परिवर्तन करवाने वालों के खिलाफ अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के नेतृत्व में वकीलों ने गुरुवार जिला कलेक्टर लोक बंधु को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो सकल हिंदू समाज के साथ बड़ा जनआंदोल किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।

अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अशोक सिंह रावत ने कलेक्टर लोक बंधु को सौंपे ज्ञापन में बताया कि अजमेर शहर में हिंदू विरोधी ईसाई धर्म के पादरी गरीब व दलित वर्ग और अन्य लोगों को बहला-फुसलाकर धोखाधड़ी पूर्वक जबरन धर्म परिवर्तन करवा रहे हैं, जो कानूनी रूप से गलत है। अध्यक्ष ने कहा कि अजमेर के कुंदन नगर निवासी सुनील दत्त रिक्शा चालक है, वर्तमान में धर्म परिवर्तित कर ईसाई बन चुका है। वह खुद को ईसाई मसीह का दूत बताकर अंधविश्वास व बीमारी के नाम पर ठीक करने के लिए अपने पास बुलाता था। इसके बाद हिंदू धर्म के खिलाफ भडकाता था। अमरचंद व राजेंद्र नाम के व्यक्ति भी उसके साथ शामिल है। अध्यक्ष रावत ने कहा कि सुनील पादरी के दो बेटे विमल व निर्मल सरकारी अस्पताल में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। वह भी अपने साथी मोहित के साथ मिलकर मरीजों को बिना दवाई ठीक करने के बहाने ही धर्म परिवर्तन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन की आड़ में अनैतिक गतिविधियों करने वाले लोगों पर कार्रवाई करने की जाए अन्यथा मजबूरन सकल हिंदू समाज के साथ जनआंदोलन करना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदार जिला प्रशासन व राज्य सरकार की होगी।

तीन बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। बैकरिया थाना पुलिस ने हाइवे पर खड़े ट्रकों से तरपाल चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 16 जुलाई को अनिल कुमार पुत्र त्रिलोकचंद निवासी चक विजय सिंह पुरा थाना कोलायत बीकानेर हॉल डबोक ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। उसने बताया कि 10 जुलाई को भिमरलाई से डबोक सिमेंट फैक्ट्री से ट्रक में जिप्सम लेकर जा रहा था। बीच रास्ते खोखरिया व उखलियात नाल में ट्रक खड़ा कर आराम के लिए चालक माखनसिंह रूका था। इस पर अज्ञात चोर तीन तरपाल चुरा ले गए। 15 जुलाई को दूसरा ट्रक जिप्सम लेकर जा रहा था। उसी रास्ते पर चालक सुनिल ने ट्रक खड़ा कर विश्राम किया तो अज्ञात चोर 3 तरपाल काट चुरा ले गए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह के सुपरविजन में बैकरिया थाना अधिकारी उत्तमसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए राकेश उर्फ काकसी पुत्र दुदाराम, नेताराम पुत्र रामाराम, पिन्टाराम पुत्र थावराराम निवासी मालवा का चैरा को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किये पांच तरपाल बरामद किए।

- हाइवे पर खड़े ट्रकों से तरपाल चोरी करने के मामले में कार्रवाई की

बाठरडा खुर्द गांव में दो लैपर्ड के विचरण से ग्रामीणों में भय

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के वल्लभनगर क्षेत्र के बाठरडा खुर्द गांव में बीते कुछ दिनों से दो लेपर्ड का लगातार आबादी क्षेत्र में मूवमेंट देखा गया है। इस बीच कार सवार लोगों ने लेपर्ड को देखा और वीडियो बनाया तो लेपर्ड को लेकर डर बढ़ गया। यहां विशेषकर महिलाएं और बुजुर्ग अब दिन के समय भी अपने मवेशियों के लिए चारा लाने से डर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार पहले महिलाएं बिना किसी डर के अपने मवेशियों को चराने बाहर जाती थी लेकिन लेपर्ड के मूवमेंट के बाद डर से नहीं जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि ये लेपर्ड लगातार मवेशियों को निशाना बना रहा था, जिससे दहशत और बढ़ गई है। ग्रामीणों की शिकायत पर वन विभाग हरकत में आया। क्षेत्रीय वन अधिकारी कैलाश मेनारिया के निर्देश पर वन नाका भटेवर से सुरेश मेनारिया व रविराज ने मौके पर पहुंचकर लेपर्ड को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया। इस दौरान सरपंच प्रतिनिधि पदम सिंह, सचिव रणजीत सिंह सहित एनी ग्रामीण मौजूद रहे।

दस हजार रूपये की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इन्टेलीजेंस उदयपुर की टीम ने परिवादी से दस हजार रूपये रिश्वत लेने के आरोपी पटवारी को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 14 जुलाई को परिवादी रमेश चन्द्र पुत्र वरदीचंद डांगी निवासी बिजना करणपुर वल्लभनगर ने पटवार हल्का बालाथल वल्लभनगर के पटवारी वीरगांव तहसील मण्डावर दौसा निवासी राजेश मीणा पुत्र समय सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दी, जिसमें उसने बताया कि मैं ठेकेदारी का काम करता हूं। माह फरवरी 2025 में प्रभूलाल मेघवाल निवासी पुरिया खेड़ी पटवार हल्का बालाथल वल्लभनगर उदयपुर से पांच बीघा जमीन खरीदी थी। मैने उक्त जमीन अपने नाम नहीं होने से मित्र भरत मेघवाल पुत्र सुखलाल निवासी मेडता डबोक के नाम पर करवाई थी। उक्त नकदी की राशि मैंने भरत के खाते में जमा करवाई थी, जो भरत ने चैक जरिये प्रभुलाल मेघवाल को भुगतान किया। उक्त जमीन का नामान्तरण ऑनलाइन 17 फरवरी 2025 को भरत मेघवाल के नाम पर खुल गया था। उक्त भूमि का खाता प्रभुलाल मेघवाल व उसके परिवार के सदस्य किशोरलाल, भजा, मांगीलाल पुत्र भजा के नाम पर शामिलाती खाता था, परन्तु प्रभुलाल का हिस्सा मेरे द्वारा क्रय कर भरत मेघवाल के नाम पर करवाया था। शामलाती खाते की भूमि का अलग-अलग बंटवारा करवाने के लिए मैं पटवार हल्का हालाथल के पटवारी राजेश मीणा से मिल कर उन्हें बंटवारे के बारे में बातचीत कर भरत मेघवाल का आधार कार्ड, नकल, नक्शा ट्रेस दिया। उक्त भूमि जो ग्राम पुरिया खेड़ी पटवार हल्का बालाथल के खाता संख्या के बंटवारे हेते कहा तो उनहोंने वर्तमान प्रकिया अनुसार ऑनलाइन आवेदन करना बताया। इस दौरान पटवारी ने स्वयं के स्तर पर करवाने की बात कहते हुए इसके लिए 15000 हजार रूपये मांगे। नहीं देने पर बंटवारा नहीं होने की बात कही। बातचीत में 12 हजार हजार रूपये लेना तय कर उसी वक्त सत्यापन के दौरान दो हजार रूपये दिए थे। इस पर उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों उदयपुर रेंज प्रहलादसिंह कृष्णिया के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक सोनू शेखावत के नेतृत्व में एएसआई मुनीर मो., सहायक प्रशासनिक अधिकारी दलपत सिंह, अजय कुमार, मांगीलाल कनिष्ठ अभियंता सहायक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों इंटेलीजेंस मय टीम ने रिश्वत लेते पटवारी राजेश मीणा को गिरफ्तार किया।

अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन में अनियमितता का आरोप

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ लोकतांत्रिक जिला शाखा डूंगरपुर ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर ज्ञापन प्रेषित कर एमजीएसएस विद्यालयों में कार्यरत अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन में अनियमितता को लेकर इसे निरस्त कराने की मांग की है।

- एमजीएसएस विद्यालयों में कार्यरत अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन में अनियमितता को लेकर इसे निरस्त कराने की मांग की
- राजस्थान शिक्षक संघ लोकतांत्रिक जिला शाखा डूंगरपुर ने निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर ज्ञापन प्रेषित किया

जिलाध्यक्ष हरिओम पंचाल, विकास मेहता ने बताया कि एमजीएसएस विद्यालयों में पदस्थापन पश्चात् एमजीएसएस से अधिशेष हुए प्रारंभिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा के शिक्षकों को सिर्फ माध्यमिक शिक्षा की स्कूलों में पदस्थापन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक डूंगरपुर ने रिक्त पदों पर पदस्थापन आदेश जारी किए गए हैं। जारी पदस्थापन आदेश में संगठन के संज्ञान में कई अनियमितता की परिवेदनाएं प्राप्त हुई है। अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन हेतु रिक्त पदों के आधार पर परामर्श शिविर आयोजित नहीं करके सीधे पदस्थापन आदेश जारी करना संदेह को व्यक्त कर रहा है, जबकि पिछले कई वर्षों से शिक्षकों के पदस्थापन पारदर्शी तरीके यथा परामर्श शिविर के माध्यम से ही किए जा रहे हैं। विभाग द्वारा जारी अधिशेष शिक्षकों की सूची अनुसार पदस्थापन आदेश जारी नहीं किए गए हैं। पदस्थापन आदेश सूचि के अवलोकन से ज्ञात हुआ है कि कई अधिशेष शिक्षकों के जारी पदस्थापन सूची में नाम ही नदारद है। इससे भी अधिकारियों की कार्यशैली पर संदेह व्यक्त होता है।

जिलाध्यक्ष हरिओम पंचाल, विकास मेहता ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक द्वारा जारी पदस्थापन आदेश सुची से ज्ञात हुआ है कि कई महिला शिक्षिकाओं एवं पुरूष शिक्षकों का पदस्थापन अंतर ब्लॉक करते हुए 35 से 60 किलोमीटर दूर कर दिया गया है जबकि ब्लॉक की स्कूलों में ही पद रिक्त थे। पूर्व में शिक्षा विभाग द्वारा अधिशेष शिक्षकों के पदस्थापन करने हेतु जारी निर्देश थे कि संबंधित अधिशेष शिक्षकों को अपने पीईईओ परिक्षेत्र में ही रिक्त पद पर पदस्थापित करने, यदि पीईईओ परिक्षेत्र में रिक्त पद नहीं हैं तो ब्लॉक क्षेत्र की नजदीक स्कूल में पदस्थापित करने, यदि ब्लॉक क्षेत्र में रिक्त पद नहीं हैं तो लेवल-1 अथवा लेवल-2 के विरुद्ध भी पदस्थापित करने के निर्देश दिए थे, लेकिन इस बार जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक द्वारा इन निर्देशों को ताक में रखकर मनमर्जी से आदेश जारी किए हैं, जिससे संबंधित शिक्षकों में भारी रोष व्याप्त हो गया है। दुसरे जिले से जिन शिक्षकों को अपने जिलों में पदस्थापित किया गया है उनकी पदस्थापित स्कूलों में पद स्वीकृत नहीं होने से वेतन सम्बन्धी समस्याएं भी संगठन के संज्ञान में आयी है।

संगठन ने मांग की है कि जिन शिक्षकों के अनियमित पदस्थापन हुए हैं उनकी परिवेदना स्वीकार कर समाधान करने जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक को निर्देशित करने का कष्ट करें। जिन विद्यालयों में शिक्षकों का पदस्थापन किया है, वहां उक्त पद स्वीकृत कर राहत प्रदान करें। साथ ही शिक्षकों को राहत देने हेतु प्रारंभिक शिक्षा की रिक्त पदों की स्कूलों में पदस्थापन देने हेतु निर्देश देने की मांग की है। अनियमितता की शिकायत मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा को भी की गई हैं। ज्ञापन का अनुमोदन प्रदेशाध्यक्ष सुभाष चंद्र भट्ट, प्रदेश संरक्षक महेंद्र पानेरी, प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु उपाध्याय, नारायण कलासुआ, वाडीलाल लबाना, नारायण कलासुआ, हीरालाल गमेती, मुकेश ननोमा, नवनीत पंड्या, अमरसिंह राव, विनोद गर्ग, बंशीलाल मसार, राजेश जोशी, बलदेव सोमपुरा, वासुदेव कलासुआ, केशव पाटीदार, अजमल डामोर, शिवजी पाटीदार, नाथूलाल पंड्या, दिनेश बरांडा आदि ने किया।

अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई

तीन डंपर व दो ट्रैक्टर मय ट्रॉली व एक कार जब्त

उदयपुर, (निसं)।जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक गिर्वा की टीम ने अवैध खनन कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए अवैध बजरी खनन से भरे तीन डंपर व दो ट्रेक्टर मय ट्रॉली व उक्त वाहनों को एस्कोर्ट करती एक कार जब्त की।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गिर्वा सूर्यवीरसिंह के नेतृत्व में एएसआई त्रिलोकनाथ, करणसिंह, मनोहरसिंह, श्रवण कुमार, हेड कांस्टेबल प्रकाश, संजय कुमार, कांस्टेबल मनिष, दिनेश, सुरेन्द्रसिंह, अजयराजसिंह व अंकितराजसिंह मय टीम व कुराबड़ थाना पुलिस मय टीम ने बस से रतनपुरा भीण्डर रोड़ व शीशवी में नाकाबंदी शुरू की। इस दौरान कुराबड़ बंबोरा की तरफ से आ रहे ट्रेक्टर को रोक चालक शंकर पुत्र लाला मीणा निवासी कराकला को गिरफ्तार किया। इस दौरान एस्कॉर्ट करने वाले शिवदास पुत्र हेमंत दास वैष्णव निवासी लग को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर मय ट्रॉली व बाइक जब्त की तथा मौके से भागे महेन्द्र प्रतापसिंह उर्फ माईकल पुत्र जयसिंह राजपूत निवासी बम्बोरा को नामजद कर बाइक बरामद की।

कराकला निवासा हीरालाल पुत्र रूपा मीणा को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त किया। इस दौरान मौके से भागे एस्कॉर्ट करने वाले ट्रैक्टर मालिक महेंद्र प्रतापसिंह पुत्र जयसिंह राजपूत निवासी बम्बोरा फरार हो गया। इसी अभियान के दौरान भीण्डर रोड़ पर नाकाबंदी कर डंपर जब्त कर चालक गणेशलाल पुत्र लेलापत गर्ग निवासी गाडरीयावास को तथा भीण्डर चौरा व शीशवी रोड़ पर नाकबांदी कर धूलेसिंह पुत्र बसंतसिंह राजपूत निवासी कूतवास व दिनेश पुत्र मिश्रीलाल राव निवासी परमदा को गिरफ्तार कर डंपर जब्त किया। इस मामले में पुलिस ने पांच प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

जन्मदिन मुबारक होयुजी। उम्र बढ़ना जीवन का एक हिस्सा है और जिंदगी के दूसरे हिस्से इससे भी ज्यादा खराब हैं। इसलिए शुभकामनाएं।
- आर.जे. महवश

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की मंगेतर, जन्मदिन की बधाई देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर

क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर ने भारतीय महिला टीम की इंग्लैंड में टी20 और वनडे में सीरीज जीत की सराहना की है। सचिन ने कहा, इंग्लैंड में जीतना हमेशा एक चुनौती होती है, और टी20 तथा वनडे दोनों में ऐसा करना टीम की तैयारी और मानसिकता को दर्शाता है। भारत ने टी20 सीरीज 3-2 से और वनडे सीरीज 2-1 से जीतकर इतिहास बनाया। पहले टी20 मैच में स्मृति के शतक ने दौरे की शुरुआत में ही लय बना दी थी। आखिरी वनडे में हरमनप्रीत के शतक ने उस लय को और मजबूत किया। क्रांति गौड़ ने दबाव की स्थिति में छह विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की।

क्या आप जानते हैं ?... पहली बार 1967 में भारत ने एजबेस्टन में टेस्ट मैच खेला था, जिसमें इंग्लैंड ने भारत को 132 रनों से हराया था।

डकेट-जैक ने इंग्लैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचाया, भारत ने झटके 2 विकेट

मैनचेस्टर, 24 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। भारतीय टीम ने चौथे टेस्ट की पहली पारी में 114.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 358 रन बनाए हैं। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स ने पांच विकेट झटके। इसके जवाब में इंग्लैंड को सलामी बल्लेबाजों ने दमदार शुरुआत दिलाई है।

जैक क्रॉउली और बेन डकेट के बीच पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी हुई। जैक क्रॉउली को जडेजा ने आउट किया। जैक 113 गेंद में 84 रन बनाकर आउट हुए। बेन डकेट 100 गेंद में 94 रन बनाकर आउट हुए। अंशुल ने उन्हें पवेलियन भेजा। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर जो रूट 11 और ओली पोप 20 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत की ओर से रविंद्र जडेजा और अंशुल कंबोज ने 1-1 विकेट लिया।

भारत ने मैच के दूसरे दिन रविंद्र जडेजा का विकेट गंवाया। जडेजा 40 गेंद में 20 रन बनाकर आउट हुए। जोफ्रा आर्चर ने उन्हें आउट किया।

शार्दुल ठाकुर 88 गेंद में 41 रन बनाकर बेन स्टोक्स का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर ने 90 गेंद में 27 रन बनाए। अंशुल कंबोज खाता नहीं खोल सके। विकेटकीपर ऋषभ पंत पहले दिन रिटायर्ड हर्ट होने के बाद दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे और 54 रन बनाकर आउट हुए। जोफ्रा आर्चर ने बुमराह को आउट करके भारत की पारी समाप्त की।

इंग्लैंड के लिए बेन स्टोक्स ने पांच और जोफ्रा आर्चर ने तीन विकेट झटके। इंग्लैंड की टीम ने चौथे टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 46 ओवर में दो विकेट खोकर 225 रन बना लिए हैं। जो रूट 11 और ओली पोप 20 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। बेन डेकट ने 94 और जैक क्रॉउली ने 84 रन बनाए। भारत के लिए रविंद्र जडेजा और अंशुल कंबोज ने 1-1 विकेट लिए हैं। ओली पोप और जो रूट ने दूसरे दिन के आखिरी सेशन में पारी को संभाला है। बुमराह और अंशुल तीसरे विकेट की तलाश में हैं।

दोनों टीमों के बीच हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और इंग्लैंड के बीच अब तक 139 टेस्ट मैच हो चुके हैं जिसमें इंग्लैंड ने 53 बार टीम इंडिया को हराने में सफलता हासिल की है। वहीं टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ 36 टेस्ट मैचों में कामयाबी मिली है। वहीं भारत और इंग्लैंड के बीच 50 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं। भारत और इंग्लैंड टेस्ट सीरीज 2025 का आयोजन इंग्लैंड की जमीन पर हो रहा है। भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लैंड की जमीन पर अब तक 70 टेस्ट मैच हुए हैं जिसमें इंग्लैंड हावी नजर आई है।

चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने जड़ा अर्द्धशतक, भारत 358 रन पर सिमटा

मैनचेस्टर, 24 जुलाई। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत लंगड़ाते हुए जब गुरुवार को मैदान पर बल्लेबाजी के लिए पहुंचे तो उन्होंने साबित कर दिया कि देश से बढ़कर उनके लिए कुछ नहीं है। वह मून बूट पहनकर मैदान पर पहुंचे और बल्लेबाजी करते नजर आए। वह मून बूट पहनकर मैदान पर पहुंचे और बल्लेबाजी करते नजर आए। भारत के लिए पहली पारी में पंत ने 54 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। ऋषभ पंत ने चोटिल होने के बावजूद मैदान पर उतरते हुए अर्धशतक जड़ा लेकिन भारत की पहली पारी इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन गुरूवार को दूसरे सत्र में 358 रन पर सिमट गयी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 72 रन देकर पांच विकेट और जोफ्रा आर्चर ने 73 रन पर तीन विकेट लिए। भारत ने दूसरे दिन वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर और ऋषभ पंत के साहस की बदौलत 350 से अधिक का स्कोर खड़ा कर लिया। भारत का इस सीरीज़ में ये छठा 350 स्कोर है और एक सीरीज में टीम इंडिया की तरफ से ये सर्वाधिक है। इंग्लैंड की ओर से सबसे सफल गेंदबाज उनके कप्तान बेन स्टोक्स रहे जिन्होंने पंजा निकाला। भारत ने कल के चार विकेट पर 264 रन से आगे खेलना शुरू किया। रवींद्र जडेजा अपने खाते में एक रन जोड़कर 20 रन बनाकर आउट हो गए। भारत ने शार्दुल ठाकुर (41), ऋषभ पंत (नाबाद 39) और वॉशिंगटन सुंदर (नाबाद 20) रनों संघर्षपूर्ण पारियों के दम पर लंच तक छह विकेट पर 321 रन बना लिये थे। आज सुबह के सत्र में भारत ने भी कल के स्कोर में मात्र दो रन जोड़े थे कि इंग्लैंड ने नई गेंद जोफ्रा आर्चर को थमाई और उन्होंने रवींद्र जडेजा को अपना शिकार बना लिया। रवींद्र जडेजा ने 40 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 20 रन बनाये।

34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी प्रतियोगिता कल से

जयपुर, 24 जुलाई। राजीव गांधी क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच कल राजस्थान यूथ क्लब बनाम मिनर्वा क्रिकेट क्लब के मध्य एस एच एस ग्राउंड पर खेला जाएगा। प्रतियोगिता में 16 टीमें भाग ले रही है तथा सभी मैच 50-50 ओवर के खेले जाएंगे।

देवेन्द्र शेखावत क्रिकेट एकेडमी ने जीता हॉट वेदर जयपुर कप सीजन-2 का खिताब, शिफान का अर्द्धशतक

जयपुर, 24 जुलाई। एआर क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में ए आर क्रिकेट ग्राउण्ड में आयोजित अंडर -17 हॉट वेदर जयपुर कप सीजन-2 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में देवेन्द्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने जी आर क्रिकेट अकादमी को 5 विकेटों से हराया। जी आर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 192 रनों पर ऑल आउट हो गई, जवाबी पारी में देवेन्द्र क्रिकेट अकादमी ने 5 विकेटों से मैच को जीतकर चैंपियन बनी। फाइनल मैच में मैन ऑफ़ द मैच देवेन्द्र शेखावत एकेडमी के शिफान खान रहे। टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी- एम डी शादाब, बेस्ट बैट्समैन- आराध्य अग्रवाल, बेस्ट बॉलर- अर्जुन ऋषि, बेस्ट फील्डर- नितिन रहे । मुख्य अतिथि पूर्व रणजी खिलाड़ी यूनस अली खान ने विजेता टीम को 5100 ट्रॉफी ओर उपविजेता टीम को 1100 रुपए व ट्रॉफी प्रदान की। टूर्नामेंट के ऑर्गनाइजर जीशान खान ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को 2100 रुपए, बेस्ट बैट्समैन,बेस्ट बॉलर,बेस्ट फील्डर प्रत्येक को 1100 रुपए पुरस्कार प्रदान किये।

लक्ष्मीकांत तंवर आईटीएफ में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

जयपुर, 24 जुलाई । लिसबन पुर्तगाल में आयोजित होने वाली आई.टी.एफ. मास्टर वर्ड टीम चैंपियनशिप 3-14 अगस्त 2025, में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली सीनियर 55 वर्ष भारतीय टेनिस टीम में जयपुर के लक्ष्मीकान्त तंवर क चयन किया गया है। वर्तमान में भारतीय पुरूष एकल सीनियर 55 वर्ष में इनकी द्वितीय रैकिंग है तथा यह पूर्व 2019 में भी भारतीय टेनिस टीम में खेल चुके है ।

राज्य स्तरीय रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट आज से

जयपुर, 24 जुलाई । राजस्थान बैडमिंटन संघ के तत्वधान में जिला बैडमिंटन संघ द्वार आयोजित राज्य स्तरीय रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट सवाई मानसिंह स्टेडियम के इनडोर हॉल पर दिनाक 25 जुलाई से प्रारंभ। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव मनोज दासोत ने बताया कि राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में रिकार्ड 1100 एंट्री प्राप्त हुई जिसमें 700 लड़के और 400 लड़किया भाग ले रही है प्रतियोगिता 8.30 बजे शुरू होगी प्रतियोगिता में पुरुष एकल, युगल, मिश्रित युगल व महिलों में भी एकल युगल व मिश्रित युगल वही बालक बालिकाओ में भी एकल युगल व मिश्रित युगल मुकाबला आयोजित होंगे। इस प्रतियोगिता के आधार पर राजस्थान बैडमिंटन टीम का चयन किया जाएगा जो कि हिमाचल में होने वाली नॉर्थ जोन बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान टीम भाग लेगी। प्रतियोगिता के चीफ रेफरी लोकेश सोनी और मैच कंट्रोलर विनीत शर्मा होंगे।

यति क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 24 जुलाई। अंडर-16 अरावली कप में एमी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38 ओवर में 175 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए। तविश शर्मा ने सर्वाधिक 49 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिषेक वर्मा ने तीन, वरुण, हेमाद्र और सौम्य खांडल ने दो-दो विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यति क्रिकेट अकादमी ने 28 ओवर में 179 रन 4 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। अमरनाथ ने 59 और वरुण ने 56 रनों का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच वरुण को चुना गया।

पीएम मोदी ने चेकर्स एस्टेट में युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की

लंदन, 24 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनाइटेड किंगडम की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान, आज चेकर्स एस्टेट में युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की। पीएम मोदी ने युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की। उन्होंने दोनों देशों के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करने में क्रिकेट की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। मोदी इन दिनों दो दिवसीय ब्रिटेन यात्रा पर हैं। ब्रिटेन के मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रेफर्ड में दोनों देशों के बीच चौथे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल चल रहा है।

सात्विक-चिराग चाइना ओपन के क्वार्टरफाइनल में, सिंधु-प्रणय हारे

चांगझाऊ, 24 जुलाई। उन्नित हुड्डा ने गुरुवार को चाइना ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर करते हुए हमवतन सीनियर खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को हराकर महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जगहा बना ली। वहीं सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी भी इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बागस मौलाना को हराकर क्वार्टरफाइनल पहुंची गई है।

चीन के के चांगझोउ में ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिमनैजियम में बैडमिंटन रैंकिंग में 35वें स्थान पर मौजूद 19 वर्षीय उन्नित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक घंटे और 13 मिनट तक चले मुकाबले में पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु को 21-16,

19-21, 21-13 से हराया। हुड्डा की सिंधु के खिलाफ यह पहली जीत है। दोनों भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों का आमना-सामना पिछले साल सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल सेमीफाइनल में भी हुआ था, जहां सिंधु ने सीधे गेम में जीत हासिल की थी।

पहले गेम की शुरुआत में उन्नित ने अनुभवी सिंधु के शॉट्स की बखूबी बराबरी की और मिड-गेम ब्रेक तक 11-9 की मामूली बढ़त बनाई। इसके बाद विश्व नंबर 15 सिंधु ने वापसी करते हुए 13-13 की बराबरी कर ली, लेकिन हुड्डा ने कोर्ट का अच्छी तरह से इस्तेमाल करते हुए सिंधु से कुछ गलतियां कराईं और पहला गेम 21-16 से जीत लिया।अपने पिछले राउंड में विश्व नंबर 6 तोमोका मियाजाकी को हराने वाली सिंधु ने दूसरे गेम में तेज गति दिखाई और हुड्डा के द्वारा कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद बराबरी कर ली। फिर सिंधु ने आखिरी दो प्वाइंट्स हासिल करते हुए दूसरा गेम 21-19 से जीत लिया और मैच निर्णायक गेम में चला गया। दूसरे गेम के अंत में मिली हार के बावजूद, उन्नित ने संयम बनाए रखा और तीसरे गेम में आक्रामक और नई ऊर्जा के साथ शुरुआत की।

क्रिकेट अंडर-19 टूर्नामेंट हेतु ट्रॉयल कल से

दौसा, 24 जुलाई। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा अंडर -19 टूर्नामेंट होना प्रस्तावित है जिसके लिए जिला क्रिकेट संघ दौसा द्वारा 26 जुलाई प्रात: 8 बजे से राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में ट्रायल रखी गई है। चयन ट्रायल में आने वाले खिलाड़ियों की आयु 1/9/2006 के बाद की होना आवश्यक है। सभी खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य है। पिछले 3 साल की मार्कशीट, कंप्यूटराइज बोनाफाइड सर्टिफिकेट, जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड स्वयं और माता पिता का, सभी दस्तावेज डिजिटल लाना अनिवार्य है। सचिव उपाध्याय ने बताया कि जिले की टीम का परिणाम अभी तक आशानुरूप नहीं आ रहा है। हमने जिले के खिलाड़ियों को खूब मौके दिए है परन्तु खिलाड़ी अच्छा परिणाम नहीं दे पाये है इसलिए टीम में इस बार से प्रोफेशनल खिलाड़ी भी लिए जायेंगे।

एशियाई क्रिकेट परिषद की वार्षिक आम बैठक स्थगित

ढाका, 24 जुलाई। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की गुरुवार को वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में एशिया कप 2025 पर कोई औपचारिक फैसला नहीं हुआ और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाने के कारण इसे स्थगित कर दिया। पीसीबी और एसीसी प्रमुख मोसिन नकवी ने बैठक के बाद कहा, एशिया कप के बारे में फैसला जल्द ही लिया जाएगा। आयोजन स्थल और कार्यक्रम की भी घोषणा की जाएगी। उम्मीद है कि नकवी की अध्यक्षता वाली एसीसी को एशिया कप और चुनाव का आयोजन बीसीसीआई के रुख के अनुरूप करना होगा। चुनाव किसी अलग स्थान और अलग तारीख पर होंगे। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष आशीष शेलार ने वर्चुअल माध्यम से बैठक में भाग लिया। नकवी ने कहा, कई देश ढाका नहीं आ पाए, ऐसा हर बार होता है। मैं (पहले) सिंगापुर नहीं जा पाया था। यह एक सामान्य बात है अधिकतर सदस्य आते हैं और कुछ अपने कार्यक्रम के कारण नहीं भी आ पाते। लेकिन इस बैठक में हमारे सभी 25 सदस्यों (शारीरिक और ऑनलाइन दोनों) ने भाग लिया। बैठक में शामिल हुए सूत्रों ने बताया, हम यह तो नहीं कह सकते कि यह निश्चित रूप से होगा, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि यह नहीं होगा। बीसीसीआई व्यावसायिक साझेदारों के साथ मुद्दों को सुलझा रहा है और इसमें कुछ समय लग सकता है। इस टूर्नामेंट में भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, बंगलादेश और पाकिस्तान, यूएई, हांगकांग और ओमान भाग लेंगी। टूर्नामेंट 10 सितंबर से 28 सितंबर तक आयोजित किया जा सकता है, लेकिन संभावना है कि यह कुछ दिन पहले भी शुरू हो सकता है। बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का आधिकारिक मेजबान है, लेकिन यह टूर्नामेंट संयुक्त अरब अमीरात में खेला जाएगा जबकि दुबई और अबु धाबी इसकी मेजबानी करेंगे।

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को 60 रनों से हराया

हरारे, 24 जुलाई। टिम सीफर्ट (75) और रचिन रविंद्र (63) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों के बाद ईश सोढ़ी (12 रन देकर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने गुरुवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के छठे मुकाबले में जिम्बाब्वे को 60 रनों से हरा दिया। शनिवार को फाइनल में न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के साथ होगा।

191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही। डिओन मेयर्स और ब्रायन बेनेट की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट लिये 21 रन जोड़े। तीसरे ओवर में सोढ़ी ने ब्रायन बेनेट (एक) को आउट कर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद सोढ़ी ने क्लाइव मडांडे (दो), डिओन मेयर्स (22) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया।

कप्तान सिकंदर रजा (नौ) को मैट हेनरी ने पगबाधा और रायन बर्ल (पांच)

माइकल ब्रेसवेल ने अपनी ही गेंद पर कैच आउट किया। इसके बाद टोनी मुनयोंगा और ताशिंगा मुसेकिवा जिम्बाब्वे की पारी को संभालते हुए 95 के स्कोर तक ले गये। 14वें ओवर में सोढ़ी ने टोनी मुनयोंगा 30 गेंदो में (40) को आउट कर जिम्बाब्वे की उम्मीदों को झटका दिया।वेलिंग्टन मसाकाट्जा (दो) और ताशिंगा मुसेकिवा (21) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड ने 18.5 ओवर में जिम्बाब्वे को 130 के स्कोर पर समेट कर 60 रनों से मुकाबला जीत लिया। न्यूजीलैंड की ओर से ईश सोढ़ी ने 12 रन देकर चार विकेट लिये। मैट हेनरी को दो विकेट मिले। जैकरी फॉक्स , विलियम ओरूर्क और माइकल ब्रेसवेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में टिम रॉबिंसन (10) का विकेट गंवा दिया। उन्हें रिचर्ड एन्गरावा ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रचिन रविंद्र ने टिम सीफर्ट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 108 रनों की साझेदारी हुई।

टी मपोसा ने 14वें ओवर में रचिन रविंद्र को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। रचिन रविंद्र ने 39 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए (63) रन बनाये। इसी ओवर में मपोसा ने मार्क चैपमैन (शून्य) को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। न्यूजीलैंड का चौथा विकेट टिम सीफर्ट के रूप में 153 के स्कोर पर गिरा। टिम सीफर्ट ने 45 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (75) रनों की पारी खेली। उन्हें रिचर्ड एन्गरावा ने आउट किया।

बेवन जैकब्स (शून्य) और कप्तान मिचेल सैंटनर (सात) को रिचर्ड एन्गरावा ने अपना शिकार बनाया। न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 190 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड एन्गरावा ने 34 रन देकर चार विकेट लिये। टी मपोसा को दो विकेट मिले।

राजस्थान अंडर-17 फुटबॉल टीम घोषित, आसू सिंह कप्तान

जयपुर, 24 जुलाई। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के तत्वाधान में मध्यप्रदेश के बालाघाट में होने वाली डॉ. बी सी रॉय जूनियर बॉयज नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 में भाग लेने वाली राजस्थान फुटबॉल टीम की घोषणा आज जयपुर में हुई, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि गत माह सीकर में हुए राज्यस्तरीय जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का पंद्रह दिन का प्रशिक्षण

शिविर गाड़ौता, जयपुर में लगाया गया उनमें से 20 श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन किया गया तथा टीम का कप्तान आसू सिंह एवं उपकप्तान अधिक्षित सकलानी को घोषित किया गया। राज्य टीम की जर्सी एवं कीट लॉन्चिंग विद्याधर नगर फुटबॉल मैदान पर की गई खिलाड़ियों को जर्सी हायर अप्लायंसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की तरफ़ से दिया गया जिसमें खिलाड़ियों को राजस्थान फुटबॉल संघ द्वारा किट भेंट की गई। कार्यक्रम में पूर्व खिलाड़ी अब्दुल जब्बार, रॉयल एफसी के दिलीप सिंह चुंडावत, भवानी सिंह भाटी आदि मौजूद रहे। राजस्थान टीम ट्रेन द्वारा मध्यप्रदेश के बालाघाट के लिए रवाना हुई, जहां टीम 27 जुलाई से मैच खेलना प्रारंभ करेगी तथा लीग राउंड में असम जम्मू कश्मीर एवं हरियाणा से अपने मुकाबले खेलेगी।

टीम - आसू सिंह (कप्तान), अधिक्षित (उपकप्तान), जसवंत, ऋषिराज, अजित, उमेश, इरशाद, अबीर, विहान, लक्ष्य, नीतीश, हिमांशु, अंकित, रुद्र, दीक्षांत, तौहिद, नावेद, अभिषेक, अतिवीर और जैद। देवेंद्र सिंह भाटी (हेड कोच), हितेश शर्मा (मैनेजर), डॉ. अविनाश सैनी (टीम फिजियो), माही सैनी (टीम बैरियर)

बीपीएस क्रिकेट अकादमी व रॉयल क्रिकेट अकादमी ने जीत दर्ज की

जयपुर, 24 जुलाई। सोनी स्टेडियम पर चल रहे सोनी कप में आर डी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में रन 92/5 बनाए। जिसमें अनिल कुमार ने नाबाद 28 रन व हेमंत कुमार ने 20 रनों का योगदान दिया। बी पी एस क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में लविश गुप्ता व अभय को 2 -2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बीपीएस क्रिकेट अकादमी 17.2 ओवर में 93/6 रन बनाकर जीत दर्ज की।आर डी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अनिल कुमार को 2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच अभय रहे। दिन का दूसरा मैच रॉयल क्रिकेट अकादमी में मिर बागान अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें रॉयल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 124/8 रन बनाए। जिसमें नवीन बिश्नोई ने 20 रन व राजकुमार सैनी ने 16 रनों का योगदान दिया। मीर बागान क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में जावेद खान व निखिल मंडल व आरव शर्मा को 2-2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मीर बागान क्रिकेट अकादमी 17.2 ओवर में मात्र 65 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें निखिल मंडल ने अधिकतम 13 रनों का योगदान दिया। रॉयल क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में उज्जवल को 3 विकेट व ललित शेरावत व यस चौधरी और परक्षित शर्मा को 2-2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच उज्जवल रहे।

मुख्यमंत्री के सहयोग से सवाई मानसिंह स्टेडियम के उपयोग पर आरसीए-राज्य क्रीड़ा परिषद के मध्य बनी सहमति : कुमावत

जयपुर, 24 जुलाई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व खेल मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ के निर्देशानुसार राजस्थान में क्रिकेट के विकास, युवा खिलाडियों को आवश्यक सुविधाओं सहित उच्च स्तरीय क्रिकेट मैदान उपलब्ध कराने के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी हर संभव प्रयास कर रही है । आज मुख्यमंत्री के विशेष सहयोग से राज्य के युवा खिलाडियों की आवश्यकता व राज्य में क्रिकेट को वापस पुन: पटरी पर लाने हेतु एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य आशीष तिवारी व क्रीड़ा परिषद् सचिव राजेंद्र सिंह की उपस्थिति में आरसीए व राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के मध्य जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम के उपयोग पर सहमति बनी।

डी डी कुमावत के अनुसार जब से राज्य सरकार द्वारा नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी ने पदभार ग्रहण किया है कमेटी का उद्देश्य राज्य में क्रिकेट को सभी विवादों से दूर कर खेल के विकास का रहा है जिसमे मुझे सभी एडहॉक सदस्यों धनजंय सिंह खींवसर, पिंकेश पोरवाल, आशीष तिवारी व मोहित यादव का पूर्ण सहयोग मिला है। एडहॉक कमेटी के सभी सदस्यों के पूर्ण प्रयासों से ही अब राजस्थान क्रिकेट संघ जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम व आरसीए अकादमी ग्राउंड पर बीसीसीआई की क्रिकेट प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण शिविर, आरसीए की घरेलू प्रतियोगिताएं, शिविर सशुल्क आयोजित की जाएगी व आरसीए द्वारा सभी गतिविधियों का विवरण समय समय पर क्रीड़ा परिषद को दिया जायेगा। संयोजक के अनुसार आरसीए के दैनिक कामकाज भी पूर्व की भांति अकादमी स्थित आरसीए ऑफिस से ही किये जाने पर सहमति बनी है व आरसीए कार्यालय का प्रतिमाह का किराया भी आरसीए राज्य क्रीड़ा परिषद् को देगा।

आरसीए को प्रतिदिन के हिसाब रेंट पर मिलेगा सवाई मान सिंह स्टेडियम : स्टेडियम में मैच करवाने के आरसीए को देने होंगे 1 लाख रुपए प्रतिदिन, क्रीडा परिषद के नियम व शर्तों पर हुआ आरसीएके साथ रेंट एग्रीमेंट, आरसीएसंयोजक डीडी कुमावत व क्रीड़ा परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह शेखावत के बीच हुआ रेंट एग्रीमेंट, आरसीएद्वारा करवाए वाए जाने वाले मैचों का प्रतिदिन के हिसाब से देना होगा रेंट, क्रीडा परिषद ने तय किया सभी चीजों का प्रतिदिन के हिसाब से किराया, सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता के 1 लाख रुपए प्रतिदिन, जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिता के 50 हजार प्रतिदिन, आरसीएको एकेडमी भवन के ऑफिस का 50 हजार महीना देना होगा रेंट, छोटे मैदान के लिए देने होंगे 25 हजार रुपए प्रतिदिन, कभी जो स्टेडियम व एकेडमी हुआ करते थे आरसीए के कब्जे में, अब उसका देना पड़ेगा प्रतिदिन के हिसाब से किराया।

टेस्ट सीरीज के बाद भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाएंगे टी-20 और वनडे मैच

नई दिल्ली, 24 जुलाई। मौजूदा समय में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जहां भारत का ये इंग्लैंड दौरान यहीं नहीं रुकने वाला है। टीम इंडिया अब अगले साल फिर अंग्रेजों से भिड़ने के लिए इंग्लैंड आएगी। जहां अगले साल 2026 में भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 और वनडे सीरीज खेली जाएगी। जिसकी जानकारी खुद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दी है। भारतीय टीम का इंग्लैंड का ये दौरा इस साल खत्म नहीं होगा। अगले साल जुलाई में टीम इंडिया को फिर एक बार वापस आना है। भारत और इंग्लैंड के बीच 1 जुलाई से 11 जुलाई तक टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में पांच मैच खेले जाएंगे। वहीं इसके तुरंत बाद 14 जुलाई से 19 जुलाई के बीच तीन वनडे मैच भी खेले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बीसलपुर व नवनेरा बाँध भरने पर खुशी जताई

उन्होंने कहा कि मानसून में अच्छी बारिश से नियमित जलपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी

जयपुर, 24 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बीसलपुर बांध का पूरा भरना अत्यंत हर्ष का विषय है। यह पहली बार है जब जुलाई माह में बीसलपुर बांध का गेट खोला गया है। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना के घटक नवनेरा बांध (इटावा, कोटा) का भरना भी जलापूर्ति के साथ ही कृषि कार्यों के लिए भी उपयोगी सिद्ध होगा।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पहली बार लगातार दो साल बीसलपुर बाँध पूरा भरा है। इस बाँध से जयपुर, अजमेर व टोंक जिले की करीब एक करोड़ की आबादी को पेयजल आपूर्ति की जाती है।**

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी अंचलों में पर्याप्त पानी की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, देवास परियोजना जैसी विभिन्न योजनाओं तथा इंदिरा गांधी नहर एवं गंगनहर के माध्यम से किसान सहित सभी वर्गों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मानसून में अच्छी बारिश होने से निर्बाध और नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई 2025 की तारीख ने प्रदेश में नया इतिहास रचा है। बीसलपुर बांध के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से पानी का स्तर बांध की भराव क्षमता 315.50 आरएल मीटर तक पहुंच गया। इसके बाद गेट नंबर 10 को 1 मीटर खोल दिया गया, जिससे लगभग 6000 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। ऐसा पहली बार हुआ है कि जुलाई में ही बीसलपुर बांध भर गया है। साथ ही, यह पहली बार है कि लगातार दो वर्ष (2024-2025) बीसलपुर बांध भरा है। गौरतलब है कि यह बांध परियोजना जयपुर, अजमेर एवं टोंक जिले की लगभग एक करोड़ आबादी को पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

वहीं नवनेरा बांध भी गुरुवार को पूरा भर गया। इसमें पानी का लेवल 214 आरएल मीटर पहुंच गया जिसके बाद इसके गेट नंबर 11, 12 व 13 खोल दिए गए। इससे 600 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। इस निकासी से अपस्ट्रीम में कालीसिंध नदी के आस-पास कुंओं और भूजल के स्तर में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि बांध की कुल भराव क्षमता 226.65 मिलियन क्यूबिक मीटर है एवं बांध की वर्तमान भराव क्षमता 159.87 मिलियन क्यूबिक मीटर है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुम्बई ट्रेन धमाकों पर हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

नयी दिल्ली, 24 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने वर्ष 2006 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में दोषी सभी 12 लोगों को बरी करने के बम्बई उच्च न्यायालय के 21 जुलाई के फैसले पर गुरुवार को रोक लगाते हुए कहा कि फिलहाल उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की उस याचिका

- **लेकिन हाईकोर्ट द्वारा बरी किए गए सभी 12 लोगों को फिलहाल गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दिया।**

को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि उच्च न्यायालय के फैसले को अन्य लंबित महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामलों में मिसाल नहीं माना जाए। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली एक विशेष अनुमति याचिका पर संबंधित सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया। पीठ ने इस दलील पर गौर किया और स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा।

अनिल अंबानी की कंपनियों पर ई.डी. ने रेड की

यह कार्यवाही अनिल अंबानी की कम्पनियों द्वारा 3000 करोड़ रु. के फर्जीवाड़े को लेकर की गई है

मुंबई, 24 जुलाई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को उद्योगपति अनिल अंबानी की कंपनियों से जुड़े करीब 50 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी अनिल अंबानी समूह की कंपनियों एवं यस बैंक से जुड़े करीब 3000 करोड़ रुपयों के बैंक धोखाधड़ी मामले में की गई है।

- **आरोप है, कि अंबानी समूह की कंपनियों ने 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से प्राप्त 3000 करोड़ रु. के ऋण में भारी हैराफेरी की थी।**

इस छापेमारी को लेकर अनिल अंबानी समूह की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया है कि जिन रिपोर्टों को लेकर ईडी की कार्रवाई की जा रही है, वे रिलायंस होम फाइनेंस से जुड़े आठ वर्ष से ज्यादा पुराने लेन-देने से संबंधित प्रतीत होती हैं।

ईडी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों पर जिन शिकायतों के आधार पर छापेमारी की है, वे अंबानी समूह की कंपनियों द्वारा लोन के दुरुपयोग, रिश्वतखोरी और सार्वजनिक संस्थाओं के साथ धोखाधड़ी से संबंधित हैं।

सूत्रों का कहना है कि ईडी को प्राप्त हुई जानकारियां नेशनल हाउसिंग बैंक, सेबी, बैंक आफ बड़ौदा आदि से प्राप्त हुई थीं। ईडी को पता चला है कि अनिल अंबानी समूह से जुड़ी कंपनियां सार्वजनिक धन की हेराफेरी एवं वित्तीय संस्थानों को गुमराह करने की योजना में शामिल थीं।

कहा जा रहा है कि इसमें 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से करीब 3000 करोड़ रुपयों के ऋण की कथित तौर पर हेराफेरी की गई थी। इस हेराफेरी की कड़ी में, कई मामलों में औपरचारिक मंजूरी मिलने से पहले ही ऋण वितरित कर दिया गया और बैंक में आवेदन जमा होने के दिन ही राशि भी जारी कर दी गई।

इनमें ऋण पानेवाली कुछ कंपनियों की तो वित्तीय स्थिति भी कमजोर थी और उनके पास उचित दस्तावेजों की भी कमी थी। कहा जा रहा है कि रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस लि. (आरएचएफएल) द्वारा दिए गए कॉर्पोरेट लोन में भारी उछाल देखने के बाद सेबी ने यह जानकारी ईडी के साथ साझा की थी।

ये कॉर्पोरेट लोन 2017-18 के 3,742.60 करोड़ रुपयों से बढ़ कर, 2018-19 में 8,670.80 करोड़ रुपए हो गए थे। अब ईडी इस बात की जांच कर रही है कि कहीं ये उछाल किसी लोन डायवर्जन योजना से तो नहीं जुड़ा था।

बता दें कि ईडी की यह छापेमारी भारतीय स्टेट बैंक द्वारा रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और उसके प्रमोटर अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित किए जाने के बाद शुरू हुई है।

गुरुवार को हुई ईडी की छापेमारी पर रिलायंस समूह द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण में कहा गया है कि प्रमोटर की कुछ निजी कंपनियों को यस बैंक द्वारा दिए गए ऋण उन कंपनियों की योग्यता के आधार पर स्वीकृत किए गए थे।

फ्री ट्रेड एग्रीमैंट के मार्फत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोवर - अब भारतीय बाजार में आसानी से आ सकेंगी, जबकि भारतीय चाय और कई कृषि उत्पाद ब्रिटिश बाजार में अब अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे क्योंकि टैरिफ में कटौती तुरंत प्रभाव से लागू होगी।

दोनों देशों के विकास की गति और बाजारों की बदलती मांग भविष्य में यह तय करेगी कि कौन कितना लाभ उठाएगा और कौन नहीं।

यह सोचना गलत नहीं होगा कि भारत की तेज़ आर्थिक वृद्धि और बढ़ती समृद्धि के चलते भारत में लग्ज़री कारों की मांग बहुत तेजी से बढ़ेगी, जबकि ब्रिटेन में भारतीय चाय और कृषि उत्पादों की मांग सीमित ही रहेगी। आखिर कोई देश कारों की तरह तेजी से चाय और सब्जियां तो नहीं खरीद सकता

यह बात स्पष्ट है कि भविष्य में ब्रिटेन को उन उत्पादों पर कम शुल्क का फायदा मिलेगा, जिनकी भारत में भारी मांग हो सकती है।

इसका यह मतलब नहीं है कि भारत नुकसान में रहेगा। भारत जैसे-जैसे आर्थिक रूप से मजबूत होगा, उसका मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र भी तेजी से विकसित होगा। उसका उद्योग और मूल्यवर्धन और अधिक उन्नत होगा। यह सब ब्रिटेन के बाज़ार में बेहतर प्रवेश पाएंगे।

साथ ही यह भी सच है कि ब्रिटेन का बाज़ार पहले से ही छोटा है और भविष्य में भारत की तुलना में और भी छोटा होता जाएगा। यही भारत का भविष्य है जो आज दुनिया के कई देशों जिनमें अमेरिका भी शामिल है, को भारत के साथ व्यापार समझौता करने को प्रेरित कर रहा है।

भारत की इसी आर्थिक संभावना को देखते हुए डॉनल्ड ट्रंप जैसे नेता भी भारत पर ज्यादा शुल्क लगाने से बचते हैं ताकि चल रही व्यापार वार्ताएं बाधित न हों। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत इसी तरह प्रगति करता रहेगा और एक बार फिर दुनिया भर के व्यापारियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा, जैसा कि वह ऐतिहासिक रूप से रहा है।

भागवत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

100 साल में इस तरह की बैठक कभी भी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जिस सद्भावनापूर्ण माहौल में हर मुद्दे पर चर्चा हुई और जिस तरह से आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सबकी बातों को धैर्य से सुना, वह काबिले-तारीफ था।

उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान आरएसएस प्रमुख ने कई बातें कहीं। उन्होंने बताया कि सब इस बात पर सहमत हुए कि इस तरह की मुलाकातें हर राज्य में समय-समय पर होती रहनी चाहिए।

इस बैठक में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के साथ संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले और राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के इंद्रेश कुमार भी शामिल हुए।

कल तक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यादव, तेजस्वी यादव और अन्य नेता, इस पूरे घटनाक्रम को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। सभी को लग रहा है कि मतदाताओं को बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित करना और इस तरह चुनाव को चुराना, लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है।

संसद के मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष ने पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर का मुद्दा उठाया था, लेकिन उसके बाद से फोकस लगातार बिहार और एस आई आर मुद्दे पर बना हुआ है।

विपक्ष रोजाना संसद परिसर में प्रदर्शन कर रहा है और कल वे गांधी प्रतिमा से संसद के मकर द्वार तक मार्च करेंगे।

सरकार की ओर से यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि विपक्ष को आपत्ति है, तो वह चुनाव आयोग या सुप्रीम कोर्ट जाए।

अब यह विपक्ष पर निर्भर है कि वह लोकतंत्र की रक्षा कैसे करेगा और उन तरीकों का विरोध कैसे करेगा, जिनके ज़रिए संविधान की अनदेखी करके, दिन-दहाड़े चुनावों में सेंध लगाई जा रही है तथा उन्हें प्रभावित किया जा रहा है।

आज निर्णय होगा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंतरिम रोक जारी रहनी चाहिए?

पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति कांत ने कहा , हम कल 10-15 मिनट और लेंगे और मामले का निपटारा कर देंगे।

केन्द्र सरकार को संवैधानिक पदों, संस्थाओं व संविधान की परवाह नहीं- पायलट

सचिन पायलट ने टोंक में धन्ना तलाई के ड्रेनेज सिस्टम व सौन्दर्यीकरण का शिलान्यास किया

टोंक, 24 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकारों ने किसानों तथा गरीबों की आवाज को दबाने और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार में जो लोग बैठे हैं, वे जनता का वोट लेकर आये हैं, परन्तु उन्हें जनता की, किसान की, खाद की, बीज की, बिजली की, पानी की कोई चिन्ता नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार मनरेगा योजना लेकर आयी थी। कोरोना के समय में मनरेगा ने किसानों को, गरीबों व आमजन को सम्बल प्रदान करने का काम किया था। आज भाजपा सरकार ऐसी महत्वपूर्ण योजना को ठप्प करने का काम कर रही है। इसकी प्रक्रिया इतनी जटिल बना रही हैं कि लोग इससे जुड़ ही न पायें। उन्होंने कहा कि भाजपा किसान विरोधी काले कानून लाने, एम.एस.पी. लागू नहीं करने, मण्डी व्यवस्था ठप्प करने को तैयार है, परन्तु किसान यदि मुआवजा मांग ले, एम.एस.पी. लागू करने की बात कहे, फसल पर बोनस मांग ले तो सरकार देने को तैयार नहीं।

पायलट ने कहा, भारतीय जनता पार्टी और केन्द्र सरकार को संवैधानिक पदों, संवैधानिक संस्थाओं और संविधान की कोई परवाह नहीं है। करने का काम भाजपा सरकार ने किया संवैधानिक मर्यादाओं को तार-तार है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने गुरूवार को टोंक में डेढ़ करोड़ रूपये के पानी निकासी के ड्रेनेज सिस्टम एवं सौन्दर्यीकरण कार्य का शिलान्यास किया।

- **कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा, भाजपा सरकार मनरेगा योजना की प्रक्रिया को इतना जटिल बना रही है कि लोग इससे जुड़ ही नहीं पायें।**

पायलट ने डेढ़ करोड़ रूपये की लागत से टोंक शहर स्थित धन्ना तलाई के पानी की निकासी के ड्रेनेज सिस्टम एवं सौन्दर्यीकरण कार्य का शिलान्यास तथा विधायक मद से 10 लाख रूपये की राशि से वार्ड नं. 56 में बने सामुदायिक भवन का लोकार्पण करते हुए कहा कि धन्ना तलाई में आज जो विकास कार्य का शिलान्यास किया है, इस कार्य के पूर्ण होने पर यहां के लोगों को गंदे पानी से निजात मिलेगी और यहां एक सुन्दर पार्क विकसित कियाा जायेगा। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज तथा न्यू हॉस्पीटल का कार्य शीघ्र पूर्ण होने वाला है। इससे टोंक व आसपास के लोगों को इलाज के लिए जयपुर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार चाहे किसी भी पार्टी की हो विकास के कार्यो के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जायेगी।

'क्या मृत मतदाताओं को भी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य चुनाव आयुक्त ने ज़ोर देकर कहा कि हर चुनाव के लिए एक त्रुटिरहित और साफ-सुथरी मतदाता सूची तैयार चुनाव आयोग की जिम्मेवारी है।

उन्होंने पूछा, "क्या पारदर्शी प्रक्रिया से तैयार की गई एक शुद्ध मतदाता सूची, निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की नींव नहीं होती?" उन्होंने आगे कहा, "इन सवालों पर, कभी न कभी हम सभी को और भारत के सभी नागरिकों को राजनीतिक विचारधाराओं से ऊपर उठकर गंभीरता से सोचना होगा।"

मुख्य चुनाव आयुक्त की ये टिप्पणियाँ ऐसे समय आई हैं जब विपक्षी दल, विशेष रूप से राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) और कांग्रेस, यह आरोप लगा रहे हैं कि एस.आई.आर. प्रक्रिया के कारण 50 लाख से अधिक लोगों को वोट देने के अधिकार से वंचित कर दिया जाएगा।

कुमार ने उसी संविधान का हवाला दिया, विपक्ष के अनुसार, जिसे नरेंद्र मोदी सरकार और चुनाव आयोग की मिलीभगत से कुचला जा रहा है।

ज्ञानेश कुमार ने कहा, "भारत का संविधान ही भारत के लोकतंत्र की जनती है। चुनाव आयोग को डर है कि अगर मृत लोगों के नाम पर, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके लोगों के नाम पर, डुप्लीकेट या फर्जी और विदेशी वोटरों के नाम पर वोट डाले गए, तो चुनाव प्रक्रिया भटक सकती है। इसीलिए यह समीक्षा बिहार में शुरू की गई है और इसे पूरे देश में ले जाया जाएगा।" उन्होंने आगे कहा। "क्या चुनाव आयोग को ऐसे मतदाताओं को सूची से नहीं हटाना चाहिए?" चुनाव आयोग द्वारा बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, बिहार की मतदाता सूची से 56 लाख नाम हटाए जाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। इन 56 लाख नामों में शामिल हैं: 20 लाख मृतक मतदाता, 28 लाख अन्य राज्य में स्थायी रूप से चले गए लोग, 7 लाख ऐसे लोग जो एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत हैं और 1 लाख ऐसे मतदाता जिनसे संपर्क नहीं हो सका। इसके अलावा, लगभग 15 लाख लोगों ने सत्यापन फॉर्म वापस नहीं किया, जिससे उनकी स्थिति भी संदेह में आ गई है।

भाजपा से नाराज़ हिंदू वोटों पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में देखा जाता है। ऐसे में, अखिलेश यादव ने अपने मंदिर के वीडियो को पोस्ट करना बेहतर समझा, तथा इस बहाने सावन के पहले सोमवार को सबसे "रामा-श्यामा" भी हो गई। हालांकि यादव ने हाल ही में सॉफ्ट हिंदुत्व की ओर कदम बढ़ाया है, लेकिन उन्हें हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से पहले ही आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

चूँकि इटावा का यह मंदिर जिसे 'केदारेश्वर धाम' नाम दिया गया है, उत्तराखंड के प्रसिद्ध चार धामों में से एक, 'केदारनाथ धाम' की तर्ज पर बन रहा है, इसलिये उत्तराखंड के संतों और साधुओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया है।

उनका आरोप है कि मंदिर की नकल करना केदारनाथ जैसे पवित्र तीर्थस्थल की गरिमा को ठेस पहुँचाता है, जो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्रपुरी ने इसे "सनातन धर्म के खिलाफ एक बड़ी साजिश" करार देते हुए कहा कि यह सदियों पुराने हिमालयी मंदिर की ऐतिहासिक धार्मिक महत्ता को कमज़ोर करने का प्रयास है।

हालांकि यादव ने इस आलोचना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन 2023 का एक पुराना वीडियो, जिसमें वे धार्मिक प्रवचनकर्ता अनिरुद्धाचार्य के साथ सड़क किनारे बातचीत करते नजर आ रहे हैं, हाल ही में वायरल हुआ है। इस वीडियो के जरिए उनकी हिंदू संतों के साथ कथित अभद्रता की आलोचना फिर से शुरू हो गई है। इसके अतिरिक्त, यादव की 'सॉफ्ट हिंदुत्व' रणनीति की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि समाजवादी पार्टी की स्थापना से ही इसकी धर्मनिरपेक्ष पहचान रही है। भारतीय राजनीति में धर्मनिरपेक्षता को अक्सर मुस्लिम तुष्टिकरण के रूप में देखा गया है-खासतौर पर उत्तर प्रदेश में।

समाजवादी पार्टी के गठन से पहले, जब सपा-संस्थापक मुलायम सिंह यादव जनता दल के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। यह ऐतिहासिक पृष्ठभूमि अखिलेश यादव की वर्तमान धार्मिक मुद्रा की विश्वसनीयता को और कमजोर करती है।

आमतौर से ऐसा माना जाता है कि जनता की स्मृति अल्पकालिक होती है और दशकों पुराने विवादों का चुनावी प्रभाव कम हो जाता है, फिर भी हाल ही में संसद मार्ग पर स्थित एक मस्जिद में समाजवादी पार्टी के सांसदों के साथ अखिलेश यादव की बैठक ने उनकी 'सॉफ्ट हिंदुत्व' नीति की ईमानदारी पर नये सिरे से संदेह पैदा कर दिये हैं।

यादव के 'हिंदुत्व' ब्रांड के लिये सबसे बड़ी चुनौती उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो पहले से ही एक शक्तिशाली हिंदुत्व प्रतीक के रूप में स्थापित हैं तथा इस प्रकार, समाजवादी पार्टी के लिए इस क्षेत्र में विस्तार की गुंजाइश सीमित दिखाई देती है।

नाबालिग का देह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईमेल कर अपने साथ हुए अपराध की जानकारी दी थी। इस पर वह झोटवाड़ा स्थित अपनी दुकान से घर चला गया। जहां पीड़िता ने उसे बताया कि अभियुक्त उसे डरा धमकाकर आए दिन दुष्कर्म करते थे। इसके बाद, शाम के समय पीड़िता ने कीटनाशक पीकर जान देने की कोशिश की, लेकिन समय पर पता चलने पर उसे अस्पताल भर्ती कराया गया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अदालत को बताया कि शैतान का शराब का ठेका उसके घर के पास होने के कारण वह उसे जानती थी। शैतान ने 9 मई 2018 को उसे नींद की गोलियां देकर, परिजनों को देने को कहा। रात के समय उसने परिजनों को नींद की गोलियां दीं और शैतान से मिलने उसके यहाँ चली गई।

भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स से 2030 तक व्यापार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गतिशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच सामान, सेवाओं और डिजिटल व्यापार के प्रवाह को फिर से आकार देने वाला एक रणनीतिक सहयोग है।

एफटीए का मूल उद्देश्य है शुल्कों को अभूतपूर्व स्तर पर कम करना। अब भारत से 99 प्रतिशत निर्यात ब्रिटेन में बिना शुल्क के प्रवेश करेंगे, जिससे वस्त्र, रत्न और आभूषण, जूते, ऑटो पार्ट्स, इंजीनियरिंग उत्पादों और मशीनरी जैसे क्षेत्रों को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय निर्यातकों के लिए इसका मतलब है उच्च-मूल्य वाले ब्रिटिश बाजारों तक लगभग त्वरित पहुंच, वह भी पहले जैसी लागत बाधाओं के बिना। कपड़ा उद्योग, जो पहले से ही बड़े पैमाने पर रोजगार देता है, इस समझौते से सबसे अधिक लाभ उठाने वालों में से एक होगा, साथ ही भारत के एमएसएमई और समुद्री उत्पाद निर्यातक भी लाभान्वित होंगे।

बदले में, भारत ब्रिटेन से आने वाले 90 प्रतिशत उत्पादों पर आयात शुल्क कम करेगा, जिससे भारतीय उपभोक्ता बाजार में प्रीमियम कारों, दवाओं, स्कॉच व्हिस्की और उच्च गुणवत्ता वाली चॉकलेट जैसे ब्रिटिश उत्पादों के लिए रास्ता खुलेगा। स्कॉच व्हिस्की और जिन जैसी ब्रिटिश वस्तुओं पर वर्तमान में 150 प्रतिशत टैक्स लगता है, जिसे तुरंत घटाकर 75 प्रतिशत और अगले दस वर्षों में 40 प्रतिशत कर दिया जाएगा। इसी तरह, ब्रिटिश लग्ज़री कारों पर 100 प्रतिशत से अधिक आयात शुल्क लगता था, इसे घटाकर मात्र 10 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

हालांकि यह समझौता केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं है। सेवाएं-जो भारत के लिए एक प्रमुख क्षेत्र है, भी इसका बड़ा लाभ उठाएंगी। एफटीए में आईटी, वित्तीय सेवाएं, शिक्षा, वास्तुकला और परामर्श सेवाओं के लिए भारतीय कंपनियों के ब्रिटेन में प्रवेश नियमों में ढील दी गई है। वहीं, ब्रिटिश सेवा प्रदाताओं को भारत के मध्यम वर्ग द्वारा संचालित सेवा अर्थव्यवस्था तक सुनिश्चित पहुंच मिलेगी।

एक ऐतिहासिक प्रावधान एक लंबे समय से चली आ रही भारतीय चिंता को दूर करता है, यूके में कार्यरत भारतीय पेशेवरों द्वारा सामाजिक सुरक्षा भुगतान। इस समझौते के तहत, ऐसे पेशेवर अब तीन वर्षों तक इन भुगतानों से मुक्त रहेंगे, प्रत्येक कर्मचारी के लिए हजारों पाउंड की संभावित वार्षिक बचत।

यह समझौता छोटे और मध्यम उद्यमों को भी सशक्त बनाता है, जिसमें सरल कस्टम प्रक्रियाएं, 48 घंटे में क्लीयरेंस और डिजिटल व्यापार सुगमता का वादा शामिल है। सीमा-पार डिजिटल व्यापार को संरक्षित किया जाएगा, जिसमें ई-कॉमर्स ड्यूटी पर रोक, ई-कॉन्ट्रैक्ट की कानूनी मान्यता और सुरक्षित डेटा प्रवाह के प्रोटोकॉल शामिल हैं।

हालांकि भारत खुलापन अपना रहा है, लेकिन डीज़ल वाहन, उच्च तकनीक इलैक्ट्रॉनिक्स और कच्चे हीरे जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया गया है, यह संकेत देता है कि भारत घरेलू प्राथमिकताओं की रक्षा भी कर रहा है।

एफटीए को जुलाई में भारत की कैबिनेट द्वारा मंजूरी मिल चुकी है और इसे यूके की संसद द्वारा भी जल्द ही अनुमोदित किया जाएगा। अगले 9 से 15 महीनों में इसके लागू होने की उम्मीद है।

यह समझौता केवल एक आर्थिक सुधार नहीं है, बल्कि यह एक साहसिक भू-राजनीतिक वक्तव्य है। जब वैश्विक व्यापार साझेदारियों का पुनर्गठन हो रहा है, भारत और ब्रिटेन एक-दूसरे के भविष्य पर बड़ा दांव लगा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र ने इस एफटीए का जोरदार स्वागत किया है और इसे भारत के उभरते व्यापार ढांचे में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया है, जो वैश्विक आर्थिक एकीकरण की दिशा में बढ़ रहा है।

आरपीजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने कहा, "भारत-ब्रिटेन एफटीए दोनों देशों के बीच साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। यह समझौता व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण है और भारतीय निर्यातकों के लिए बेहतर बाजार पहुंच और अधिक निश्चितता प्रदान करेगा। हम इस व्यापक समझौते का स्वागत करते हैं, जो भारतीय व्यापारों के लिए महत्वपूर्ण अवसर लेकर आता है और उच्च स्तर के द्विपक्षीय व्यापार व आर्थिक सहयोग की नींव रखता है।"

महिंद्रा ग्रुप के ग्रुप सीईओ और एमडी, अनीश शाह ने कहा, "भारत और ब्रिटेन के बीच यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी क्षण है। यह केवल व्यापार की जीत नहीं है, बल्कि एक आधुनिक साझेदारी का खाका है, जिसमें नवाचार, स्थिरता और समावेशी विकास को केन्द्र में रखा गया है। जैसे-जैसे भारतीय उद्योग वैश्विक होता जा रहा है, हम इस साझेदारी के अगले अध्याय में सार्थक योगदान देने की उम्मीद करते हैं।"

फिक्की के अध्यक्ष और इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन एवं एमडी, हर्षवर्धन अग्रवाल ने कहा, "भारत-यूके एफटीए पर हस्ताक्षर भारत के व्यापार ढांचे में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो वैश्विक आर्थिक एकीकरण के दृष्टिकोण के साथ मेल खाता है। यह आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों का पूरक है, जिससे घरेलू उद्योग वैश्विक स्तर पर विस्तार कर सकें, प्रतिस्पर्धी बन सकें और मूल्य श्रृंखलाओं का अधिक प्रभावी तरीके से लाभ उठा सकें। फिक्की इस विकास का स्वागत करता है, जो एक अधिक लचीला और अवसर प्रधान व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में एक कदम है, जिससे दोनों देशों और उनके नागरिकों को लाभ होगा।"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908